सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 11 महीने के उच्च स्तर पर - 12

दोनों सदनों में पक्ष-विपक्ष में गतिरोध बरकरार- 3

आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर भारत-फिलीपीन सहमत- 13

खिलाड़ी आते-जाते रहेंगे पर टीम कल्चर में सुधार जरूरी : गंभीर- 14

आज का मौसम

31.7⁰ अधिकतम तापमान

25.2⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.34 | सूर्यास्त 06.51

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी 02:08 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 6 अगस्त 2025, वर्ष 35, अंक 191, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

उत्तरकाशी में बादल फटने से तबाही, 4 की मौत

धराली में खीर गंगा में आई बाढ़, 70 से अधिक लापता, कई मकान, दुकान और होटल बहे

- धराली के अलावा सुक्खी टॉप और हर्षिल आर्मी कैंप के पास भी बादल फटने से मचा हाहाकार

संवाददाता, उत्तरकाशी/देहरादून

अमृत विचार : उत्तराखंड के उच्च पर्वतीय इलाकों में लगातार अतिवृष्टि के बीच उत्तरकाशी में मंगलवार को बादल फटने से भारी तबाही मची है। खीरगंगा नदी में आई बाढ़ का रौद्र रूप पूरे धराली बाजार को बहा ले गया। कई मकान, दुकान, होटल, होमस्टे आदि तबाह होने से हाहाकार मचा है। 70 से अधिक लोगों के लापता होने की खबर है जबकि चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

धराली के अलावा सुक्खी टॉप और हर्षिल आर्मी कैंप के पास भी बादल फटे और 8-10 सैनिक लापता बताए गए हैं। इस बड़ी आपदा में लोगों के जान-माल की रक्षा के लिए राज्य व केंद्र सरकार हाई अलर्ट पर है। सेना, एयरफोर्स, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। एसडीआरएफ अभी तक 130 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा चुकी है। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार उत्तरकाशी जिले की भटवाड़ी तहसील में हर्षिल के नजदीक खीरगंगा में मंगलवार दोपहर 1:50 बजे के आसपास जलस्तर बढ़ने से धराली बाजार में भारी मलबा आ गया। कुछ ही मिनट में मलबा कई भवनों, होटलों एवं दुकानों को बहा ले गया। उत्तरकाशी के जिलाधिकरी प्रशांत आर्य ने इस आपदा में चार लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। आपदा में कई लोगों के दबे होने और मारे जाने की आशंका है। धराली बाजार में कई होटल, दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान मलबे में दबे हैं। कई घर भी इस आपदा में तबाह हो गए हैं। एम्स ऋषिकेश तथा देहरादून के कई चिकित्सालयों में बेड आरक्षित कर दिए गए हैं और एम्बुलेंस घटनास्थल पर भेज दी गई हैं।

उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में कई घर बह गए।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने शोक जताया

उत्तरकाशी जनपद के हर्षिल क्षेत्र के धराली गांव में बादल फटने की दुखद घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्यपाल गुरमीत सिंह ने गहरा दु:ख जताया है। प्रधानमंत्री ने इस प्राकृतिक आपदा में हुए जन-धन की हानि पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री धामी से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने राज्य सरकार को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। कहा कि प्रभावितों को शीघ्र राहत पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

आर्मी कैंप को नुकसान, 10 जवान लापता

आपदा के बाद उत्तरकाशी जिला प्रशासन ने घटनास्थल के सामने स्थित मुखानी गांव के लोगों द्वारा बनाए गए विभिन्न वीडियो के आधार पर 25-35 लोगों के मलबे में दबने की आशंका जताई है। 25-30 होटल, दुकानें मलबे में बहने की आशंका है। हर्षिल में शाम करीब चार बजे आर्मी कैम्प में अचानक मलबा आने के कारण कैम्प के एक हिस्से और हर्षिल हेलीपैड में भारी नुकसान हुआ है। कैम्प में रुके 8-10 जवान लापता हैं जबकि 100 से अधिक जवान धरासू में रेस्क्यू में जुटे हैं। आयुक्त गढ़वाल मंडल, विनय शंकर पांडे ने बताया कि हर्षिल की घटना के बाद सुक्खी टॉप में भी बादल फटने की खबर है।

दौरा बीच में छोड़ आंध्र प्रदेश से लौटे सीएम

मंगलवार को आंध्र प्रदेश के दौरे पर गए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दौरा बीच में ही छोड़कर देहरादून लौट आए। उन्होंने सीधे देहरादून स्थित आपदा प्रबंधन प्राधिकरण पहुंचकर आपदा की तात्कालिक स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि सेना के साथ ही राज्य आपदा प्रबंधन एवं केंद्रीय आपदा प्रबंधन की टीमें जिला प्रशासन तथा अन्य संबंधित टीमों के साथ राहत एवं बचाव कार्यों के लिए युद्ध स्तर पर जुटी हैं। वह वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क में हैं और स्थिति की गहन निगरानी की जा रही है।

उप्र में थम नहीं रहा नदियों का जलस्तर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गंगा और यमुना समेत अन्य नदियों का जलस्तर थम नहीं रहा है। बाढ़ का दायरा दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है, ऐसे में हालात विकराल हैं। कई जिलों में भारी बारिश और बाढ़ का संकट जारी है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

जौनपुर में गोमती नदी का जलस्तर जहां खतरे के निशान से ऊपर है तो वहीं गाजीपुर में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से कई गांव पानी में डूब गए। वहीं, बांदा में केन और यमुना नदी में बाढ़ आने के कारण कई गांव पानी में डूब गए। प्रयागराज में भी गंगा नदी के उफान से निचले इलाके जलमग्न हैं। तीन दिनों से हो रही मानसूनी बारिश से प्रयागराज, वाराणसी समेत लगभग 20 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। मंगलवार को बिजनौर में प्रदेश में सर्वाधिक 248 मिमी बारिश दर्ज की गई। बहराइच, लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, बरेली, पीलीभीत आदि में भी अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग ने बुधवार को बिजनौर, मुरादाबाद, बरेली समेत छह जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। गुरुवार से मानसूनी बारिश के थमने के आसार हैं।

अमृत विचार
लखनऊ महानगर
मध्यम वर्ग के लिए एलडीए बनाएगा फ्लैट

लखनऊ महानगर की खबरों का पुलआउट अंदर के पन्नों में...।

ब्रीफ न्यूज

सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की धीरज वधावन की बेल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कई करोड़ रुपये के बैंक ऋण घोटाला मामले में दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) कंपनी के पूर्व प्रवर्तक धीरज वधावन को दी गई जमानत(बेल) मंगलवार को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मेडिकल बोर्ड द्वारा दायर रिपोर्ट पर गौर करने के बाद यह आदेश पारित किया और वधावन को दो सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। दिल्ली हाईकोर्ट ने वधावन के स्वास्थ्य के आधार पर नौ सितंबर, 2024 को जमानत देते हुए कहा था कि वह एक बीमार व्यक्ति के मापदंडों के अंतर्गत आते हैं। न्यायालय ने सीबीआई द्वारा हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर की गई याचिका पर यह आदेश जारी किया।

अंदर देखें... रंगोली

अमृत विचार
रंगोली
यहीं से दुनिया शुरू हुई यहीं रामायण लिखी गई
मेरी माटी, मेरा मान शिल्प को नई पहचान
सुगंध की सैर ले जाती मौर्य और गुप्त वंश तक
प्रकृति की नैसर्गिक छटा से भरपूर नैनीताल का रंगमंच

अनिल अंबानी से 10 घंटे पूछताछ

- बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े मामले में ईडी के समक्ष हुए थे पेश

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी से उनके समूह की कंपनियों के खिलाफ करोड़ों रुपये की कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में करीब 10 घंटे तक पूछताछ की। अनिल अंबानी सुबह करीब 10:50 बजे मध्य दिल्ली स्थित केंद्रीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे और रात 9 बजे से कुछ पहले बाहर निकले।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी अनिल अंबानी (66) का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज कर रहा है। उन्होंने बताया कि अंबानी से लगभग एक दर्जन सवाल पूछे गए। ऐसा माना जा रहा है कि अंबानी ने किसी भी गड़बड़ी से इनकार किया और कहा कि उनकी कंपनियों ने नियामकों के समक्ष अपनी वित्तीय स्थिति के बारे में समय पर खुलासा किया है। उन्होंने जांच अधिकारियों को यह भी बताया कि सभी वित्तीय निर्णय संबंधित कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लिए गए थे। हालांकि, ईडी के जांच अधिकारी इस बात से आश्वस्त नहीं हैं और उन्हें दोबारा तलब किए जाने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि अंबानी ने प्रमुख वित्तीय निर्णयों से संबंधित कुछ दस्तावेज ईडी को सौंपने के लिए लगभग 10 दिन का समय भी मांगा है। यह समन एजेंसी द्वारा 24 जुलाई को मुंबई में 50 कंपनियों और उनके व्यापारिक समूह के अधिकारियों सहित 25 लोगों के 35 परिसरों की तलाशी के बाद जारी किया गया।

ईडी ने बड़े बैंक 'धोखाधड़ी' मामलों में मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार अंबानी के खिलाफ 'लुकआउट सर्कुलर' (एलओसी) जारी किया है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल मलिक का निधन

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहने के अलावा गोवा, बिहार, मेघालय और ओडिशा के राज्यपाल के पदों पर रहे मलिक का दोपहर 1:12 बजे यहां राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया।

वह लंबे समय से अस्पताल की आईसीयू में थे और उनका विभिन्न बीमारियों का इलाज किया जा रहा था। वे मधुमेह, गुर्दे की बीमारी, उच्च रक्तचाप और मोटापा एवं नींद में रुकावट जैसी समस्याओं से जूझ रहे थे। जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के तौर पर मलिक के कार्यकाल के दौरान ही पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया था। संयोग से, केंद्र के इस कदम के छह साल पूरे होने के दिन अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक नेताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

विदेशी सामान खरीदने से आतंकवाद और अस्थिरता को बढ़ावा : मुख्यमंत्री

योगी ने अलीगढ़ और आगरा से देशवासियों को किया सचेत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि विदेशी सामान खरीदने से आतंकवाद और अस्थिरता को बढ़ावा मिलता है। हमारा पैसा विदेशी हाथों में जाएगा तो आतंकवाद, धर्मांतरण, अव्यवस्था और विस्फोट के रूप में भारत को अस्थिर करने में इस्तेमाल किया जाएगा। योगी ने त्योहारों पर स्वदेशी सामान खरीदने और उपहार में देने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने अलीगढ़ में 958 करोड़ की विकास योजनाओं और आगरा में अटल पुरम की सौगात देने के बाद आयोजित कार्यक्रमों में देशवासियों को स्वदेशी अपनाने के लिए सचेत किया। कहा कि जब हम विदेशी सामान खरीदते हैं, तो उसका मुनाफा आतंकवाद, धर्मांतरण और देशविरोधी ताकतों को मिलता है। उन्होंने मुरादाबाद, फिरोजाबाद, भदोही, और मेरठ जैसे जिलों के ओडीओपी उत्पादों का उदाहरण देते हुए कहा कि ये स्थानीय कारीगरों की समृद्धि और रोजगार का आधार बन रहे हैं। स्वदेशी उत्पादों को अपनाना इसे बढ़ावा देना आज की जरूरत है। इसी से राष्ट्र को मजबूत कर सकते हैं। समारोह में मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, सहायता राशि, टैबलेट, आवास की चाबियां और आयुष्मान कार्ड वितरित किए। विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले अलीगढ़ और उत्तर प्रदेश दंगों और अराजकता से जूझ रहे थे। आज बेहतर कानून व्यवस्था के कारण विकास की नई संभावनाएं खुल रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी आज बरेली और मुरादाबाद में देंगे अरबों की सौगात

बरेली/मुरादाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को मंडलीय समीक्षा कार्यक्रम के तहत बरेली और मुरादाबाद में रहेंगे। इस दौरान दोनों मंडलों के 9 जिलों के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था के साथ ही अरबों रुपये के विकास कार्यों की सौगात भी देंगे। मुख्यमंत्री बरेली में करीब तीन घंटे रहेंगे, जबकि मुरादाबाद में रात्रि विश्राम भी करेंगे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर दोनों ही जिलों में मंगलवार को दिन भर तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। मुख्यमंत्री बुधवार को समीक्षा दौरे पर बरेली में करीब तीन घंटे रहेंगे। वे सुबह 10 :30 बजे बरेली पहुंचेंगे और सर्किट हाउस में मंडल भर के जनप्रतिनिधियों के साथ विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। इसके बाद बरेली कॉलेज मैदान पर रोजगार मेले में शिरकत करने के साथ ही जनसभा को संबोधित करेंगे। वह बरेली मंडल में 2262 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात देंगे। 10 छात्र-छात्राओं को टैबलेट, पांच अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र और किसान दुर्घटना बीमा के कई पात्रों को चेक भी देंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 1 :30 बजे मुरादाबाद के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री बरेली से राजकीय हेलीकॉप्टर से मुरादाबाद जिले की बिलारी तहसील के ग्राम पीपली के लिए उड़ान भरेंगे। वहां नवनिर्मित अटल आवासीय विद्यालय का लोकार्पण करेंगे। साथ ही करोड़ों रुपये की योजनाओं और परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

जज के आपराधिक मामले सुनने पर सुप्रीम रोक, कहा- न्याय का मजाक बना दिया

- इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने दीवानी विवाद में आपराधिक समन रखा था कायम
- संबंधित जज पर सेवानिवृत्ति तक कायम रहेगी रोक, पीठ में वरिष्ठ जज के साथ बैठेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

एक अप्रत्याशित आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश को कार्यकाल समाप्त होने तक आपराधिक मामलों की सुनवाई से हटा दिया है। यह कार्रवाई तब की गई जब न्यायाधीश ने एक दीवानी विवाद में त्रुटिपूर्वक आपराधिक प्रकृति के समन को बरकरार रखा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश द्वारा पारित आदेश पर कड़ा रुख अपनाते हुए न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने उनकी सेवानिवृत्ति तक उनके रोस्टर से आपराधिक मामलों को हटाने का निर्देश दिया और उन्हें एक खंडपीठ में वरिष्ठ न्यायाधीश के साथ बैठने का कार्य सौंपा। हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने एक कंपनी के खिलाफ मजिस्ट्रेट के समन आदेश को रद्द करने से इन्कार कर दिया था। इस कंपनी पर दीवानी प्रकृति के एक व्यापारिक लेनदेन में शेष राशि का भुगतान न करने का आरोप था।

हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने कहा कि शिकायतकर्ता को राशि वसूलने के लिए दीवानी उपाय अपनाने के लिए कहना अनुचित है, क्योंकि इसमें बहुत समय लगता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश के आदेश को त्रुटिपूर्ण बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि न्यायाधीश ने यहां तक कह दिया कि शिकायतकर्ता को शेष राशि की वसूली के लिए आपराधिक कार्यवाही शुरू करने की अनुमति दी जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट का यह आदेश उनके न्यायाधीश के रूप में कार्यकाल के दौरान देखने में आया सबसे खराब और सबसे त्रुटिपूर्ण आदेशों में से एक था।

यह अज्ञानता या कोई बाहरी प्रभाव

पीठ ने कहा, न्यायाधीश ने न केवल खुद के लिए अपमानजनक स्थिति उत्पन्न की है, बल्कि न्याय का मजाक भी बना दिया है। हम यह समझने में असमर्थ हैं कि उच्च न्यायालय के स्तर पर भारतीय न्यायपालिका के साथ क्या समस्या है। कभी-कभी हमे आश्चर्य होता है कि क्या ऐसे आदेश किसी बाहरी प्रभाव में दिए जाते हैं या यह कानून की सरासर अज्ञानता है। जो भी हो, ऐसे बेतुके और त्रुटिपूर्ण आदेश पारित करना अक्षम्य है। शीर्ष अदालत हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 'मेसर्स शिखर केमिकल्स' द्वारा वाणिज्यिक लेनदेन के एक मामले में समन आदेश को रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका को खारिज कर दिया गया था। इस मामले में, शिकायतकर्ता (ललिता टेक्सटाइल्स) ने 'शिखर केमिकल्स' को 52 .34 लाख रुपये मूल्य का धागा बेचा था, जिसमें से 47 .75 लाख रुपये का भुगतान किया गया लेकिन शेष राशि का भुगतान नहीं किया गया है। ललिता टेक्सटाइल्स ने शेष राशि की वसूली के लिए एक आपराधिक शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद, शिकायतकर्ता का बयान दर्ज किया गया और एक मजिस्ट्रेट अदालत ने आवेदक के खिलाफ समन जारी किया। 'मैसर्स शिखर केमिकल्स' ने इस आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया और तर्क दिया कि यह विवाद पूरी तरह से दीवानी प्रकृति का है। हालांकि, उच्च न्यायालय ने आवेदक की याचिका खारिज कर दी।

सत्यापन का भी अब शुल्क लेगा यूपी बोर्ड

प्रयागराज। यूपी बोर्ड अंकपत्र, प्रमाणपत्र के सत्यापन का अब शुल्क लेगा। बोर्ड के पांच क्षेत्रीय कार्यालय में प्रतिवर्ष 10 लाख से ज्यादा अंकपत्र, प्रमाणपत्र का सत्यापन होता है। जिस भी विभाग में यूपी बोर्ड के विद्यार्थी नौकरी पाते हैं। उनके प्रमाणपत्र का सत्यापन होता है। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि प्रारुप तैयार कर शासन को भेजा जा रहा है, मंजूरी मिलते ही लागू कर दिया जाएगा।

बौखलाहट | अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा-भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं

ट्रंप बोले-24 घंटे में भारत पर शुल्क में करेंगे भारी बढ़ोतरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है और वह अगले 24 घंटों में इस दक्षिण एशियाई देश पर शुल्क को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएंगे।

ट्रंप ने सीएनबीसी स्क्वॉक बॉक्स को दिए साक्षात्कार में कहा कि भारत के बारे में लोग जो कहना पसंद नहीं करते, वह यह है कि वह सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाला देश है। उसका शुल्क किसी भी देश से ज्यादा है। हम भारत के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं क्योंकि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। ट्रंप ने कहा कि भारत हमारे साथ काफी व्यापार करता है, लेकिन हम उसके साथ व्यापार नहीं करते। इसलिए हमने 25 प्रतिशत शुल्क पर समझौता किया, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अगले 24 घंटों में इसे काफी बढ़ा दूंगा, क्योंकि वे रूस से कच्चा तेल खरीद रहे हैं। वे जंगी मशीन को ईंधन मुहैया करा रहे हैं। और अगर वे ऐसा करने जा रहे हैं, तो मुझे खुशी नहीं होगी। भारत के साथ व्यापार समझौते के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ अड़चन यह है कि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। अब मैं यह कहूंगा कि भारत अब तक के सबसे ऊंचे शुल्क से आगे बढ़कर, हम पर शून्य शुल्क लगाएगा। लेकिन वे जो तेल के साथ कर रहे हैं, उसको देखते हुए यह पर्याप्त नहीं है।

भारत के पलटवार से तिलमिलाए ट्रंप

सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि वह भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करेंगे। उन्होंने भारत पर भारी मात्रा में रूसी तेल खरीदने और उसे बड़े मुनाफे पर बेचने का आरोप लगाया था। ट्रंप के बयान के कुछ ही घंटों बाद, भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए उसे अनुचित और अविवेकपूर्ण तरीके से निशाना बनाने को लेकर अमेरिका और यूरोपीय संघ पर पलटवार किया। भारत ने आलोचना को पुरजोर तरीके खारिज करते हुए अमेरिका और यूरोपीय संघ के रूस के साथ जारी व्यापारिक संबंधों की ओर ध्यान दिलाते हुए दोहरे मानदंड अपनाने की बात कही है।

रूस ने भारत के अधिकार का किया समर्थन

मास्को। रूस ने मंगलवार को कहा कि संप्रभु देशों को अपने हितों के आधार पर व्यापार और आर्थिक सहयोग में अपने साझेदार चुनने का अधिकार है। रूस ने यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के एक दिन बाद कही है। ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि वह रूस से कच्चा तेल खरीदने की वजह से भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करने जा रहे हैं। रूस सरकार के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने भारत के संबंध में अमेरिका की चेतावनी पर कहा कि संप्रभु देशों को अपने हितों के आधार पर व्यापार साझेदार स्वयं चुनने और स्वतंत्र रूप से व्यापार और आर्थिक सहयोग के तरीकों को निर्धारित करने का अधिकार होना चाहिए।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 6 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

बिजली दरों के प्रस्ताव पर जवाब तलब

अमृत विचार, लखनऊ : नई बिजली दरों की जनसुनवाई में उपभोक्ताओं की आपत्ति पर राज्य विद्युत नियामक आयोग ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन समेत सहायक वितरण निगमों से जवाब तलब किया है। आयोग ने सप्ताह भर में बिंदुवार जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। बिजली दरों के निर्धारण को लेकर आयोग ने पिछले दिनों सभी निगमों के स्तर पर जनसुनवाई की थी। इस दौरान उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने दरों में बढ़ोतरी व निजीकरण के प्रस्ताव का सख्त विरोध किया था। उपभोक्ता परिषद ने ऊर्जा निगमों पर उपभोक्ताओं का 33,122 करोड़ सरप्लस निकल रही धनराशि के एवज में दरों में कमी किये जाने की मांग की थी। उपभोक्ता परिषद ने प्रदेश के सभी वितरण निगमों में बिजली दरों में एकमुश्त 45 प्रतिशत की कमी या अगले पांच वर्षों तक 9 प्रतिशत की कमी किये जाने की मांग रखी थी।

जटिल कैंसर का इलाज गोरखपुर में भी संभव

अमृत विचार, लखनऊ : कैंसर पीड़ितों को अब सर्जरी के लिए मुंबई या अन्य बड़े शहरों की भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। जटिल और दुर्लभ कैंसर का इलाज अब गोरखपुर के महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में ही हो जाएगा। कन्याकुमारी से आए बुजुर्ग मरीज का विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी के नेतृत्व वाली मेडिकल टीम ने ऑपरेशन कर रेयर पैरोटिड ग्लैंड कैंसर को सफलतापूर्वक हटाया है।

ओबीसी छात्रावासों की मरम्मत को 4.99 करोड़ स्वीकृत

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने पिछड़े वर्ग के जर्जर पड़े छात्रावासों को चमकाने के लिए शासन की ओर चार करोड़ 99 लाख रुपये स्वीकृत किये गए हैं। मरम्मत कार्य के तहत राजधानी स्थित राजकीय महिला पॉलीटेक्निक समेत प्रदेश के 10 छात्रावासों में कार्य होगा। शासन के अधिकारियों के अनुसार, राजकीय महिला पॉलीटेक्निक लखनऊ, इलाहाबाद एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट डीम्ड यूनिवर्सिटी प्रयागराज, राजकीय पॉलीटेक्निक हंडिया प्रयागराज, वीरभूमि राजकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय महोबा, राजकीय इंटर कॉलेज हमीरपुर, लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय गोंडा, सर्वोदय इंटर कॉलेज मिहीपुरवा बहराइच, राजकीय केजीके होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज मुरादाबाद, काशीनरेश राजकीय महाविद्यालय ज्ञानपुर संत रविदासनगर 24 लाख और फैज-ए-आम इंटर कॉलेज मेरठ में मरम्मत कार्य कराया जाएगा।

सर्वोदय विद्यालयों में मनेगा तिरंगा अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में 'हर घर तिरंगा अभियान' भव्य रूप से मनाया जाएगा। समाज कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण ने मंगलवार को इस सिलसिले में बैठक की और अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किये।

शिवपाल यादव की मौजूदगी में बांटे वस्त्र

अमृत विचार, लखनऊ : जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती पर लखनऊ में समाजवादी किन्नर सभा की प्रदेश अध्यक्ष पायल सिंह ने वस्त्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव रहे। कार्यक्रम में लगभग 300 महिलाओं को वस्त्र वितरित किया गया।

पीडीए की पाठशाला नहीं सिलेबस पर हो रहा घमासान

वर्णमाला के राजनीतिक पाठ पर मचा है बवंडर, एक नई राजनीतिक सोशल इंजीनियरिंग कर रही समाजवादी पार्टी

अजय दयाल, लखनऊ

- आखिर कितनी कारगर है भाजपा सरकार की एफआईआर से काट

अमृत विचार: पीडीए पाठशाला को लेकर उत्तर प्रदेश में राजनीतिक घमासान जारी है। सपा नेता पाठशाला लगाने से पीछे नहीं हट रहे तो वहीं व्यवस्था ऐसे नेताओं पर मुकदमा ठोकने से भी नहीं चूक रही। सपा अपने इस अभियान से प्राथमिक स्कूलों के मर्जर पर विरोध जता रही है, वहीं भाजपा सरकार इस तरीके को असामाजिक, कानून विरोधी ठहरा रही है। दोनों तरफ की कवायद राजनीति से परे नहीं लेकिन समझना यह है कि ऐसी पाठशाला कितनी कानून सम्मत है और गैरकानूनी है तो क्यों?

दरअसल, लड़ाई पीडीए की पाठशाला की नहीं, बल्कि इसमें पढ़ाए जाने वाले सिलेबस की है। घमासान भी वर्णमाला के राजनीतिक पाठ पर मचा है। पाठ पढ़ाया जा रहा है ए फॉर अखिलेश और डी फॉर डिंपल। इतना तो तय है कि आगामी चुनावों के मद्देनजर सपा एक नई राजनीतिक सोशल इंजीनियरिंग करने पर आमादा है। वहीं, राज्य सरकार का तर्क है कि पीडीए पाठशाला के जरिए सरकार विरोधी सामग्री का प्रचार किया जा रहा है। बच्चों की भावनाओं से राजनीतिक खेल किया जा रहा है जो कि कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन सकता है। ऐसे में एफआईआर तो होनी ही है।

एफआईआर के विरोध में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, अंग्रेजों ने भी कभी पढ़ाई को लेकर किसी पर एफआईआर नहीं लिखवाई, लेकिन यह सरकार सोचती है कि पुलिस हमारी पाठशाला बंद करा देगी। वहीं उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि बच्चों और नौनिहालों के मन में राजनीति घुसाना घोर अपराध है। उन्होंने सपा पर बच्चों को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया और कहा कि आने वाले समय में सपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इतना तो तय है कि पीडीए पाठशाला की सरगर्मी से उत्साहित सपा इस अभियान को आगे भी बढ़ाएगी। सपा इसको विधानसभा चुनाव के मैनिफेस्टो में शामिल कर सकती है।

समाजवादी पार्टी का तर्क समझें तो पाएंगे कि प्राथमिक स्कूलों में ज्यादातर पीडीए यानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक वर्ग से बच्चे पढ़ते हैं। स्कूलों के मर्जर से इनकी शिक्षा प्रभावित होगी, इसलिए उन्हें न्याय दिलाने को हम गांव-गांव, गली-गली पाठशाला लगा रहे हैं। इस तर्क से साफ है कि यूपी में स्कूल मर्जर के विरोध में शुरू की गई सपा की पाठशाला पीडीए वर्ग में पैठ बनाने का जरिया है। अब भाजपा इस अपने मुख्य विपक्षी दल के इस नये राजनीतिक हथियार की काट कैसे निकालती है यह तो वक्त ही बताएगा?

हमारी पार्टी यह अभियान राइट टू एजुकेशन के समर्थन में चला रही है। प्राथमिक स्कूलों का मर्जर कर सरकार इस कानून उल्लंघन कर रही है। यह लोकतंत्र, संविधान विरोधी है। हम परंपरागत अर्थ के बजाय वर्णमाला की पहचान सिखा रहे हैं। ए फॉर अखिलेश पढ़ाना कहां से गलत है। हमारा अभियान गैरकानूनी कतई नहीं।

– डॉ. रागिनी सोनकर, सपा विधायक

प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर के नाम पर पीडीए पाठशाला पूरी तरह सतही नाटक है, जो गैरकानूनी तो है ही, समाज में फूट डालने और अराजकता फैलाने का कुत्सित प्रयास है। सरकार सर्व शिक्षा अभियान चला रही है और ये पीडीए पाठशाला के नाम पर राजनीतिक षड्यंत्र कर रहे हैं। ए से अखिलेश पढ़ाकर, आप कैसा संदेश देना चाहते हैं।

– डॉ. नीरज बोरा, भाजपा विधायक

कार्यों में लापरवाही पर हटाए गए मुख्य अभियंता

अमृत विचार, लखनऊ : बिजली उपभोक्ता को 40 किलोवाट का कनेक्शन देने में हीलाहवाली पर गाजियाबाद के मुख्य अभियंता अशोक कुमार को हटा दिया गया है। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। अध्यक्ष ने इस प्रकरण से संबंधित अन्य कार्मिकों पर भी कार्रवाई के निर्देश दिये हैं। अध्यक्ष को उपभोक्ता के जरिये गाजियाबाद में बिजली आपूर्ति की तकनीकी खराबी समय पर दूर न कराये जाने व बिजली कनेक्शन देने में विलंब की शिकायत मिली थी। मुख्य अभियंता को पर्यवेक्षकीय शिथिलता का दोषी पाया गया। उन्हें प्रशासनिक आधार पर गाजियाबाद से स्थानांतरित कर पावर कॉरपोरेशन से सम्बद्ध किया गया है।

सड़कों पर गड्ढों को लेकर योगी ने दिया सख्त संदेश

मुख्यमंत्री ने आगरा मंडल के विकास कार्यों की समीक्षा की

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ को विकास में शामिल करने पर जोर

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा मंडल की समीक्षा बैठक में विकास कार्यों की जमीनी हकीकत को परखा। बनते ही सड़कों के टूटने और बदहाली के मुद्दे पर विधायकों समेत अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। कहा कि बारिश बाद सड़कें गड्ढामुक्त करने की तैयारी शुरू कर दें। गारंटी में सड़कें टूटने और कार्य में लापरवाही पर ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

मंडलायुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में आगरा मंडल के चार जिलों, आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी के जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों और विभिन्न विभागों के प्रमुख सचिव शामिल हुए। मुख्यमंत्री योगी हर विधायक से उनके निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं, जन अपेक्षाओं और विकास प्राथमिकताओं पर व्यक्तिगत रूप से चर्चा की। कहा कि जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ और अनुभवों को विकास कार्यों में शामिल करना है। विकास कार्यों के लिए धन के अभाव से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री योगी ने स्पष्ट किया कि सरकार के पास विकास कार्यों के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर उनसे प्रस्ताव लें और विकास कार्यों के लिए प्राप्त संपूर्ण धनराशि का व्यय करें। उन्होंने चेताया कि समय से कार्य योजना, प्रस्ताव और स्वीकृति न होने पर कई विभागों का बजट वापस चला जाता है, जो सरकार की मंशा के खिलाफ है।

लोक निर्माण विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने बरसात के बाद युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने की तैयारी अभी से पूर्ण करने को कहा।

आगरा को मिली अटल पुरम की सौगात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आगरा में विकास को नई दिशा देते हुए 'अटल पुरम टाउनशिप' की शुरुआत की। यह परियोजना आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) द्वारा 36 वर्षों बाद विकसित की जा रही सबसे बड़ी आवासीय योजना है। यह योजना आगरा इनर रिंग रोड के पास 340 एकड़ भूमि पर बनाई जा रही है, जो सरकार की शहरी विस्तार और आधुनिक विकास की नीति का एक बड़ा प्रमाण है। तीन चरणों और 11 सेक्टरों में टाउनशिप विकसित होगी।

आगरा के कंद फसलों के नवाचार की वैश्विक राजधानी बनने का रास्ता साफ

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में कृषि नवाचार को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दृढ़ इच्छाशक्ति अब साकार होती दिख रही है। आलू और शकरकंद जैसी कंद फसलों पर विश्वस्तरीय अनुसंधान के लिए अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र (सीआईपी) के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (सीएसएआरसी) की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो गया है। मंगलवार को सीआईपी, पेरू के महानिदेशक डॉ. सिमोन हेक के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और परियोजना की प्रगति पर चर्चा की।

जून में हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में इस केंद्र की स्थापना के लिए 111.50 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई थी। यह केंद्र बीज नवाचार, एपीकल रूटेड कटिंग, जर्मप्लाज्म संरक्षण और वैल्यू चेन विस्तार का वैश्विक मॉडल बनेगा। सीएसएआरसी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और निजी कंपनियों के साथ साझेदारी कर किसानों को विश्वस्तरीय तकनीक और प्रशिक्षण उपलब्ध कराएगा। बीते 28 जुलाई को भारत सरकार और सीआईपी के बीच एमओए पर हस्ताक्षर हुए।

योगी ने किया हवाई सर्वे, कहा- सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ

मुख्यमंत्री ने औरैया में और टीम-11 ने जिलों में वितरित की राहत सामग्री

औरैया जिले में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का हवाई सर्वे करते मुख्यमंत्री योगी।

बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत का चेक वितरित करते मुख्यमंत्री योगी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को आगरा में आयोजित कार्यक्रमों के बाद औरैया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण भी किया। पीड़ितों को राहत सामग्री और धनराशि देते हुए योगी ने कहा कि पूरी सरकार पीड़ितों के साथ खड़ी है। बताया कि यूपी के 21 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। सभी जगह तेजी से राहत-बचाव कार्य चल रहे हैं। एनडीआरएफ की 16, एसडीआरएफ की 18 और पीएसी फ्लड यूनिट की 31 टीमें तैनात की गई हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार कहा कि पिछले 10-15 दिन के अंदर अत्यधिक बरसात के कारण प्रदेश के 21 जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निरीक्षण और राहत कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ प्रभावी ढंग से सकुशल संचालन करने के लिए हर प्रभारी मंत्रियों की तैनाती की गई है। मंत्री अपनी देखरेख में जिला व पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर बाढ़ राहत कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। योगी ने आश्वस्त किया कि जिन किसानों की फसल को नुकसान हुआ है। उसके सर्वेक्षण के भी आदेश दिए गए हैं।

पीड़ितों को मिलेंगे नए घर

अमृत विचार : सीएम योगी ने कहा कि जनहानि होने पर परिवार को आपदा राहत कोष से चार लाख रुपये, किसी परिवार का मकान बहने या नदी में विलीन होने पर मुख्यमंत्री आवास योजना से आच्छादित करने की कार्रवाई भी की जा रही है। पशुधन की हानि पर मुआवजा दिया जा रहा है। जगह-जगह स्वास्थ्य शिविर भी स्थापित किए गए हैं। इस सीजन में एंटी रैबीज वैक्सीन, सांप के काटने पर एंटी स्नेक वेनम की भी व्यवस्था सीएचसी, जिला अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराए गए हैं।

2 लाख से अधिक लोगों को दी गई राहत

अमृत विचार : प्रदेश में लगातार बारिश से 24 जिलों के 1245 गांवों में बाढ़ से प्रभावित 2,06910 लोगों को राहत पहुंचाई गई है। जबकि 33252 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल बाढ़ की चपेट में आया है। वहीं, 26,089 मवेशियों को सुरक्षा स्थान पर शिफ्ट किया गया है। बाढ़ की चपेट में आने से अब तक 517 लोगों के मकानों को क्षति पहुंची है, जिनमें से 360 लोगों को सहायता राशि दी गई है। प्रदेश के 24 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। इनमें बिजनौर, बहराइच, गोंडा, गोरखपुर, कासगंज, भदोही, कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, आगरा, औरैया, चित्रकूट, बलिया, बांदा, गाज़ीपुर, मीरजापुर, प्रयागराज, वाराणसी, चंदौली, जालौन, कानपुर देहात, हमीरपुर, इटावा और फतेहपुर शामिल हैं।

बाढ़ प्रभावितों के लिए राहत लेकर पहुंच रहे मंत्री

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मंत्री बाढ़ प्रभावित जनता के दुख-दर्द में निरंतर 'राहत' लेकर पहुंच रहे हैं। ग्राउंड जीरो पर उतरे मंत्रियों ने मंगलवार को भी बाढ़ प्रभावित जिलों का भ्रमण किया और राहत कार्यों का जायजा लेते हुए पीड़ितों से मिले।

प्रयागराज में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण कर आपदा प्रभावित लोगों से मुलाकात की। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों की आवश्यक सुविधाओं के लिए अधिकारियों को सभी आवश्यक प्रबंध तत्परता से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने भदोही में गंगा नदी में आई बाढ़ से प्रभावित गांवों का मंगलवार को स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने सीतामढ़ी में राहत सामग्री का वितरण किया। आपदा में जान गंवाने वाले पांच लोगों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये का चेक भी दिया। वाराणसी के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने शिविर में रह रहे बाढ़ प्रभावित लोगों से कहा कि आपदा की घड़ी में शासन और प्रशासन आपके साथ है। मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी ने मंगलवार को मीरजापुर में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ बैठक कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों, राहत शिविरों एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की।

सपा के वरिष्ठ नेता जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती पर लखनऊ स्थित पार्क में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव, इस दौरान मौजूद अन्य नेता व कार्यकर्ता। अमृत विचार

प्रदेशभर में मनाई गई जनेश्वर मिश्र की जयंती

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जिलों एवं अन्य राज्यों में भी मनाई गई। मुख्य कार्यक्रम मंगलवार को गोमती नगर स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में हुआ। यहां पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। जनेश्वर मिश्र ट्रस्ट स्थित उनकी प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर नमन किया गया।

जर्जर स्कूल भवन किए जाएंगे ध्वस्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी की चेतावनी के बाद हर जिले में जर्जर भवनों की पहचान, मूल्यांकन व तत्काल ध्वस्तीकरण की तैयारी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त चेतावनी के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने परिषदीय विद्यालय परिसरों में स्थित जर्जर भवनों के खिलाफ निर्णायक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए मंत्री संदीप सिंह और शासन के आला अधिकारियों ने सभी जिलों को निर्देशित किया है कि वे जर्जर ढांचों का तत्काल चिह्नांकन कर सत्यापन, मूल्यांकन और ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया को शीर्ष प्राथमिकता दें।

विभिन्न जिलों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर जर्जर भवनों की स्थिति को देखते हुए प्रत्येक जिले में जर्जर ढांचों का तत्काल चिह्नांकन कर तकनीकी समिति को सत्यापन एवं मूल्यांकन हेतु सूची सौंपी जाएगी। यह कार्य समयबद्धता के साथ सुनिश्चित कराना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी। कहा गया है कि जिन्हें ध्वस्त न किया जा सके, उन्हें 'निष्प्रयोज्य' घोषित कर सील किया जाएगा। छतों की सफाई और जल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यदि किसी जर्जर भवन के गिरने या किसी प्रकार की दुर्घटना की सूचना मिलती है, तो संबंधित अधिकारी को सीधे उत्तरदायी मानते हुए उसके विरुद्ध कठोर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सुरक्षित वैकल्पिक स्थानों पर होगी पढ़ाई

तकनीकी समिति द्वारा जर्जर घोषित किए गए भवनों में किसी भी प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियां संचालित नहीं की जाएंगी। विद्यार्थियों के पठन-पाठन की समुचित व्यवस्था अन्य सुरक्षित कक्षों, विद्यालय भवनों, पंचायत भवनों या ग्राम सचिवालय आदि में कराना जाना अनिवार्य किया गया है।

लाल किले पर ध्वजारोहण की साक्षी बनेंगी 14 लखपति दीदियां

अमृत विचार, लखनऊ : स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से ध्वजारोहण समारोह में प्रदेश की 14 लखपति दीदियां विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगी। समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनी इन महिलाओं को केंद्र सरकार की ओर से विशेष सम्मान दिया जाएगा। देशभर से आ रही 700 से अधिक महिलाओं में सर्वाधिक प्रतिनिधित्व यूपी का रहेगा। मुख्यमंत्री योगी की सोच और योजनाओं के परिणामस्वरूप प्रदेश की लाखों महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनी हैं।

तैयारी ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों को गति देने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक

यूपी में डीक्रिमिनलाइजेशन विधेयक का तैयार हो रहा मसौदा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 98 प्रतिशत से अधिक कारावास संबंधी प्रावधान किए जाएंगे समाप्त, प्रक्रियाएं होंगी सरल

अमृत विचार : राज्य सरकार उत्तर प्रदेश में निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के लिए दो ऐतिहासिक 'डीक्रिमिनलाइजेशन विधेयक' का मसौदा तैयार कर रही है, जिनके माध्यम से राज्य और समवर्ती सूची के अधिनियमों में 98 प्रतिशत से अधिक कारावास संबंधी प्रावधान समाप्त किए जाएंगे। ऐसे में व्यवसाय से जुड़े कानून इस कदर शिथिल कर दिए जाएंगे कि किसी व्यवसायी को अधिकांश प्रकरणों में जेल जाने की नौबत न आए। माना जा रहा है कि यह उत्तर प्रदेश को एक प्रगतिशील और व्यापार-अनुकूल विधिक ढांचा प्रदान करेगा।

मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) को और अधिक सुगम एवं निवेशकों के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से 'अनुपालन न्यूनीकरण एवं विनियमन शिथिलीकरण 2025' पहल की प्रगति की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मंगलवार को इन्वेस्ट यूपी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया और सुधारों की दिशा में हुई प्रगति तथा आगामी कार्ययोजना पर मंथन किया।

मुख्य सचिव ने समयबद्ध, समन्वित कार्यवाही और फीडबैक आधारित सुधारों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश केवल व्यवस्थाएं ही सुधार नहीं रहा है, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए पुनर्परिभाषित कर रहा है। उन्होंने कहा कि सभी सुधारों को वर्षांत तक निवेश मित्र 3.0 के साथ पूर्ण रूप से एकीकृत किया जाए, ताकि निवेशकों को समग्र और सरल अनुभव मिल सके।

सीईओ इनवेस्ट यूपी विजय किरण आनंद ने राज्य की सिंगल विंडो प्रणाली 'निवेश मित्र 3.0' के उन्नत संस्करण पर प्रस्तुतीकरण दिया, जो वर्ष अंत तक शुरू होगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यह पोर्टल 44 से अधिक विभागों की 525 सेवाएं प्रदान करता है। नए संस्करण के माध्यम से सेवा प्रदायगी की समय सीमा में 30 प्रतिशत की कमी, आवेदन एवं स्वीकृति प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा दस्तावेजों की आवश्यकता को आधा करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे निवेशकों को त्वरित, पारदर्शी और उपयोगकर्ता-केंद्रित अनुभव मिलेगा।

उद्योगों में महिलाओं पर लगे पुराने प्रतिबंध हटाने पर मंथन

बैठक में कुछ दूरदर्शी सुझावों पर भी चर्चा हुई, जैसे- भवन उपविधियों में संशोधन कर भूमि की बर्बादी रोकना, उद्योगों में महिलाओं पर लगे पुराने प्रतिबंध हटाना और फैक्ट्री, व्यापार लाइसेंस नवीनीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाना। साथ ही द्विभाषी फॉर्म, डीआईवाई (डू-इट-योरसेल्फ) वीडियो ट्यूटोरियल्स, रिस्पॉन्सिव कॉल सेंटर और जागरूकता अभियान जैसे सुधारों पर भी जोर दिया गया।

बैठक करते मुख्य सचिव एसपी गोयल।

गांव में भी अपना मकान बनाने को मिलेगा ऋण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विभागों ने घरौनी कानून का प्रस्ताव किया तैयार, मंत्रिमंडल की बैठक में रखा जाएगा

अमृत विचार : गांव में भी अपना मकान बनाने को ऋण मिलेगा। राजस्व, वित्त और न्याय समेत सभी संबंधित विभागों ने घरौनी कानून के प्रस्ताव को हरी झंडी दिखा दी है। इस प्रस्ताव को अब मंत्रिमंडल की बैठक में रखा जाएगा। इसके तहत आबादी के भीतर अविवादित जमीन पर ग्रामीणों को मालिकाना हक जाएगा।

प्रस्ताव के अनुसार, आबादी की ऐसी जमीन, जिस पर कोई विवाद नहीं है, लेखपाल मालिकाना हक को लेकर अपनी रिपोर्ट लगाएंगे। राजस्व रिकॉर्ड में इसे कानूनगो की लिखित स्वीकृति से दर्ज करवाया जा सकेगा। उत्तराधिकार, बैनामा, गिफ्ट डीड, सरकारी उपक्रमों की नीलामी से मिली भूमि, जमीन अधिग्रहण, पंजीकृत वसीयत और न्यायालय की डिक्री के आधार पर कानूनगो घरौनी (भू-स्वामी का नाम) तैयार कर सकेंगे। वहीं, आबादी की जमीन को लेकर कोई विवाद होने पर लेखपाल, कानूनगो और तहसीलदार अपनी रिपोर्ट एसडीएम को देंगे। एसडीएम उस भूमि को विवादित या अविवादित घोषित करेंगे।

दोनों सदनों में पक्ष-विपक्ष में गतिरोध बरकरार

मानसून सत्र : एसआईआर को लेकर विपक्षी दलों के सांसदों ने किया हंगामा

- हंगामे के बीच लोस में पारित हुआ गोवा राज्य, अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुन: समायोजन विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

विपक्षी दलों के सांसदों ने बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर मंगलवार को भी लोकसभा में हंगामा किया, जिससे सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न 2.15 बजे दिनभर के लिए स्थगित हो गई। हंगामे के बीच ही 'गोवा राज्य, सभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन विधेयक, 2024 को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी।

सदन की कार्यवाही स्थगन के बाद दो बजे पुनः शुरू हुई तो पीठासीन सभापति संध्या राय ने आवश्यक कागज प्रस्तुत कराए। इस दौरान विपक्षी दलों के सदस्यों ने एसआईआर के मुद्दे पर नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'गोवा राज्य, सभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन

लोकसभा में विशेष गहन पुनरीक्षण पर विपक्ष को जवाब देते केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान।

विधेयक, 2024' को चर्चा एवं पारित करने के लिए प्रस्तुत किया। इसमें गोवा विधानसभा में अनुसूचित जनजाति के लिए सीट आरक्षित करने का प्रावधान है। सदन ने कुछ मिनट के अंदर विपक्षी सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए शोर-शराबे के बीच ही विधेयक को मंजूरी दे दी। इस पर पिछले साल दिसंबर में संसद के शीतकालीन सत्र में चर्चा हुई थी। पीठासीन सभापति संध्या राय ने विपक्षी दलों से शांत रहने का आग्रह किया, लेकिन हंगामा नहीं थमने पर बैठक को बुधवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दिया।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने संबंधी प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण सहित कई मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को राज्यसभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बज कर पंद्रह मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच ही मणिपुर में राष्ट्रपति शासन छह महीने और बढ़ाने के प्रावधान वाले सांविधिक संकल्प को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। लोकसभा इसे पहले ही मंजूरी दे चुकी है।

सदन की बैठक पूर्वाह्न11 बजे जब शुरू हुई तो बीते सप्ताह राज्यसभा में सदन के अंदर मार्शलों की जगह सीआईएसएफ के जवानों की तैनाती तथा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया। उपसभापति हरिवंश और सरकार दोनों ने ही सदन में मार्शलों की जगह सीआईएसएफ की तैनाती संबंधी विपक्ष का दावा सिरे से खारिज कर दिया। हरिवंश ने सदन को सूचित किया कि नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बीते सप्ताह राज्यसभा में सीआईएसएफ की तैनाती को लेकर उन्हें पत्र लिखा था। उन्होंने अफसोस जताया कि खरगे का वह पत्र मीडिया के पास पहुंच गया। इसी दौरान विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। हरिवंश ने इन सदस्यों से शांत रहने और उनकी बात सुनने की अपील की। उन्होंने कहा आपको आसन का पक्ष सुनना चाहिए। हरिवंश ने कहा कि

सदन में बार-बार व्यवधान उत्पन्न किए जा रहे हैं और यह सवाल उठाया कि नारेबाजी करना, आसन के समक्ष आना और अन्य सदस्यों को बाधित करना कैसे लोकतांत्रिक विरोध का हिस्सा हो सकता है। खरगे ने कहा कि उन्होंने पत्र की जानकारी सदस्यों के हित में प्रेस नोट के जरिए साझा की। उन्होंने उन्होंने सवाल किया, सीआईएसएफ को सदन में लाया जा रहा है। क्या हम आतंकवादी हैं? इस पर उपसभापति ने कहा, वे सीआईएसएफ के कर्मी नहीं थे, वे संसद सुरक्षा सेवा के कर्मी थे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने पूछा कि जब नेता प्रतिपक्ष भ्रामक तथ्य प्रस्तुत करते हैं या गलत जानकारी वाले पत्र लिखते हैं तो उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, "सदन में केवल मार्शल ही आ सकते हैं और उस दिन केवल मार्शल ही मौजूद थे। नेता प्रतिपक्ष भ्रामक जानकारी दे रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के लिए राजग ने प्रधानमंत्री को किया सम्मानित

- मोदी बोले- विपक्ष को सैन्य प्रतिक्रिया पर बहस करने के फैसले पर हो रहा होगा पछतावा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों को मंगलवार को एक साल के बाद संबोधित करते हुए स्वाभाविक और जैविक गठबंधन के रूप में पहचान स्थापित करने पर जोर दिया। मोदी ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी दलों को सत्तारूढ़ गठबंधन के हिस्से के रूप में कई क्षेत्रों में ताकत से परे जाकर कार्यक्रमों में हिस्सा लेना चाहिए। राजग की पिछली बैठक दो जुलाई, 2024 को हुई थी।

मंगलवार को हुई राजग की बैठक में मोदी को पहलगाम हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया को व्यवस्थित करने में उनके असाधारण नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया और एक प्रस्ताव में ऑपरेशन सिंदूर और महादेव के दौरान सशस्त्र बलों की

राजग की संसदीय दल की बैठक में भाग लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व अन्य। एजेंसी

भी उनके बेजोड़ साहस और अटूट प्रतिबद्धता के लिए प्रशंसा की गई।

मोदी ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह उनके मंत्रालय में सबसे लंबे समय तक रहने वाले मंत्री बन गए हैं, उन्होंने 1998 में राजग के सह-संस्थापक भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को पीछे छोड़ दिया है। यह तो बस शुरुआत है। अभी लंबा रास्ता तय करना है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बाद में बताया कि प्रधानमंत्री ने राजग की लंबी और सफल यात्रा के संदर्भ में बात की और कहा कि प्र 2019 में दूसरी बार सरकार बनने के बाद से शाह 6 साल 65 दिन से गृह मंत्री हैं। उनके कार्यकाल में अनुच्छेद 370 को हटाना और सफल नक्सल विरोधी अभियान हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष को आतंकी हमले और सैन्य प्रतिक्रिया पर बहस कराने के फैसले पर पछतावा हो रहा होगा। मोदी ने याद दिलाया कि उन्होंने लोकसभा में अपने जवाब की शुरुआत इस बात से की थी कि वे 'भारत का रुख' प्रस्तुत करेंगे।

बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु के काफिले पर हमला

कूचबिहार (प. बंगाल), एजेंसी

प. बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर कूचबिहार जिले में प्रदर्शन के दौरान टीएमसी कार्यकर्ताओं ने हमला किया, जिससे जिले के खगराबाड़ी इलाके में तनाव फैल गया। जिस वाहन में अधिकारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री निशिथ प्रमाणिक बैठे थे, उसके बुलेटप्रूफ शीशे तोड़ दिए गए। एक पुलिस वाहन की खिड़की के शीशे टूट गए। हालांकि, टीएमसी ने इन आरोपों को नाटक करार दिया।

कूचबिहार में एसपी कार्यालय के बाहर भाजपा की रैली और प्रदर्शन का नेतृत्व करने तथा एसपी

- टीएमसी ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए बताया नाटक

को ज्ञापन सौंपने के लिए शुभेंदु अधिकारी उत्तर बंगाल जिले की यात्रा पर थे। टीएमसी कार्यकर्ताओं ने भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों के उत्पीड़न और एनआरसी लागू करने के प्रयास का विरोध करने के लिए 19 स्थानों पर धरना दिया। इनमें से अधिकतर अधिकारी के रास्ते में थे।

धर्मार्थ संस्था पर वाद के लिए अदालत की पूर्व अनुमति जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि दीवानी प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) के सार्वजनिक धर्मार्थ संस्थाओं से संबंधित प्रावधान के तहत वाद दायर करने के लिए अदालत की पूर्व अनुमति आवश्यक है, क्योंकि यह कदम जनहित में और सार्वजनिक लाभार्थियों की ओर से शुरू किया जाता है। शीर्ष अदालत ने कानूनी मुद्दों पर दिशा-निर्देश जारी किए और उस अपील को खारिज कर दिया, जो 1860 के सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत एक सोसाइटी द्वारा दायर की गई थी। इस अपील में सीपीसी की धारा 92 के तहत उस वाद की पोषणीयता को चुनौती दी गई थी, जो सोसाइटी के

- सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत दायर की अपील की खारिज

खिलाफ दायर किया गया था। सीपीसी की धारा 92 सार्वजनिक धर्मार्थ या धार्मिक ट्रस्ट से संबंधित मुकदमों से संबंधित है और यह उन मामलों में कानूनी कार्रवाई की अनुमति देती है, जहां कथित भरोसा तोड़ने या ट्रस्ट के प्रशासन के लिए अदालत के निर्देश की आवश्यकता होती है।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा, सीपीसी की धारा 92 के तहत दायर किया गया वाद विशेष प्रकृति का प्रतिनिधि वाद होता है, क्योंकि यह सार्वजनिक लाभार्थियों की ओर से और जनहित में दायर किया जाता है। मुकदमे को आगे बढ़ाने से पहले अदालत से 'अनुमति' प्राप्त करना एक प्रक्रियात्मक और विधायी सुरक्षा उपाय के रूप में कार्य करता है।

प्रदूषण बोर्ड पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति कर सकते हैं लागू

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में पर्यावरणीय क्षति के लिए प्रतिपूर्ति और प्रतिपूरक हर्जाना लगाने के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारों को बरकरार रखा और कहा कि रोकथाम एवं निवारक उपाय पर्यावरणीय प्रशासन के अधीन होने चाहिए। न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि जल अधिनियम और वायु अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संवैधानिक और वैधानिक रूप से वास्तविक या संभावित पर्यावरणीय क्षति के लिए हर्जाना लगाने का अधिकार रखते हैं। न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने सोमवार को दिए फैसले में लिखा, भारतीय पर्यावरण कानूनों को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों पर विचार करने के बाद हमारा मानना है कि जल और वायु अधिनियमों के तहत शक्तियों का प्रयोग करने वाले पर्यावरण नियामक यानी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संभावित पर्यावरणीय क्षति को रोकने के लिए एक निश्चित राशि के रूप में क्षतिपूर्ति या प्रतिपूरक हर्जाना लगा सकते हैं और वसूल सकते हैं या पूर्व-निर्धारित उपाय के रूप में बैंक गारंटी प्रस्तुत करना आवश्यक कर सकते हैं।

बिहार में शिक्षकों की भर्ती में अधिवास नीति को मंजूरी

पटना, एजेंसी

- राज्य के मूल निवासियों को वरीयता देने के प्रस्ताव को मंजूरी

बिहार मंत्रिमंडल ने मंगलवार को शिक्षकों की भर्ती में अधिवास (डोमिसाइल) नीति लागू करने को मंजूरी दे दी। जिससे राज्य के 'मूल निवासियों' के लिए लगभग 85 प्रतिशत पद आरक्षित हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को घोषणा की थी कि स्कूली शिक्षकों की भर्ती के लिए यह नीति लागू की जाएगी। इस वर्ष के अंत में होने विधानसभा चुनाव से पहले इस फैसले को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कैबिनेट सचिवालय के अतिरिक्त मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा कि शिक्षकों की भर्ती परीक्षाओं में राज्य के मूल निवासियों को वरीयता देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के निवासियों के लिए पहले से ही 50 प्रतिशत से अधिक सीट आरक्षित हैं। जबकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षित है। 35 प्रतिशत सीट महिलाओं के लिए आरक्षित हैं और सरकार पहले ही यह निर्णय ले चुकी है कि उस आरक्षण में केवल राज्य के निवासियों को ही जगह दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

केवल आरोपी के आचरण के आधार पर दोषसिद्धि उचित नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के मामले में एक व्यक्ति को बरी करते हुए मंगलवार को कहा कि ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य के अभाव में केवल आरोपी के आचरण के आधार पर दोषसिद्धि को उचित नहीं ठहराया जा सकता। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जनवरी के आदेश के विरुद्ध आरोपी की अपील स्वीकार कर ली। पीठ ने कहा कि संक्षेप में कहा जाए तो, ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य के अभाव में केवल आरोपी का आचरण ही दोषसिद्धि को उचित नहीं ठहरा सकता। निचली अदालत ने आरोपी को हत्या का दोषी ठहराया था, लेकिन हाईकोर्ट ने अपराध को गैर-इरादतन हत्या में बदल दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट का फैसला कई आधार पर गलत था।

संदीप आर्य भूटान में भारत के राजदूत नियुक्त

नयी दिल्ली, एजेंसी : विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि संदीप आर्य को भूटान में भारत का नया राजदूत नियुक्त किया गया है और उनके जल्द ही कार्यभार संभालने की उम्मीद है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार संदीप आर्य (आईएफएस के 1994 बैच के अधिकारी और वर्तमान में वियतनाम समाजवादी गणराज्य में राजदूत) को भूटान में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है।

राम रहीम को 40 दिन की पैरोल मिली

चंडीगढ़। अपनी दो शिष्याओं से बलात्कार के मामले में 20 साल कारावास की सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह 40 दिन की पैरोल मिलने के बाद हरियाणा में रोहतक स्थित सुनारिया जेल से मंगलवार को बाहर आ गया। डेरे के प्रवक्ता और वकील जितेंद्र खुराना ने बताया कि गुरमीत सिंह पैरोल के दौरान सिरसा स्थित अपने डेरा मुख्यालय में रहेगा। सिंह ने सिरसा पहुंचने के बाद एक वीडियो संदेश में अपने अनुयायियों से डेरे में न आने और डेरे के वरिष्ठ लोगों के निर्देशों का पालन करने की अपील की। गुरमीत सिंह 15 अगस्त को 58 साल का हो जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण मंत्रालय की अधिसूचना बरकरार रखी

नई दिल्ली,एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की 29 जनवरी की अधिसूचना को मंगलवार को बरकरार रखा। लेकिन कुछ बड़ी इमारत एवं निर्माण परियोजनाओं को पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी से छूट देने वाले विवादास्पद उपबंध को खारिज कर दिया।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि 20,000 वर्ग मीटर से अधिक निर्मित क्षेत्र वाली परियोजनाओं को, चाहे वे औद्योगिक हों, शैक्षणिक हों या अन्य, पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) 2006 व्यवस्था से

- बड़ी परियोजनाओं के लिए छूट का प्रावधान रद्द
- प्रधान न्यायाधीश ने कहा- आजकल शिक्षा भी एक फलता-फूलता उद्योग

छूट नहीं दी जा सकती।प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आजकल शिक्षा भी एक फलता-फूलता उद्योग बन गया है, इसलिए ऐसी परियोजनाओं को 2006 की अधिसूचना से छूट देने का कोई कारण नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह अधिसूचना केरल पर भी लागू होगी। प्रधान न्यायाधीश ने आदेश सुनाते हुए कहा कि यह लगातार माना गया है कि प्राकृतिक संसाधन को अगली पीढ़ी के लिए सुरक्षित रखा जाना चाहिए। साथ ही, अदालतों ने हमेशा विकास गतिविधियों को भी ध्यान में रखा है और देश इसके बिना प्रगति नहीं कर सकता। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हमेशा सतत विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने यह सुनिश्चित करते हुए कि विकास की अनुमति दी जाए, यह भी आवश्यक सावधानी बरती है कि पर्यावरण को कम से कम नुकसान हो और यहां तक कि ऐसी विकास गतिविधियों के लिए भरपाई करने का भी आदेश दिया है। आदेश में कहा गया है कि केंद्रीय मंत्रालय के लिए पूरे देश की परियोजनाओं पर विचार करना संभव नहीं होगा। इसलिए इस मुद्दे पर राज्य-दर-राज्य आधार पर विचार किया जा सकता है। पीठ ने यह भी कहा कि इस संबंध में शिक्षा क्षेत्र को कोई छूट नहीं दी जा सकती। पीठ ने 29 जनवरी की अधिसूचना के उपबंध 8 को छोड़कर अधिसूचना को बरकरार रखा, जो 1,50,000 वर्ग मीटर तक के निर्मित क्षेत्र वाले औद्योगिक शेड, स्कूल, कॉलेज और छात्रावासों को छूट प्रदान करता है। पीठ ने कहा कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के लिए देश भर में हर परियोजना का मूल्यांकन करना अव्यावहारिक है।

बादल फटने के बाद जल प्रलय आया और कई मकानों तक पहुंच गया, अचानक बाढ़ के कारण आंशिक रूप से जलमग्न हुए घर।

अचानक आई तबाही, छोड़े खौफनाक निशान

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराकाशी जिले की तहसील भटवाड़ी के धराली बाजार में तबाही के साथ आर्मी कैंप हर्षिल और सुक्खी टॉप में भी जलसैलाब प्रलय के खौफनाक निशान छोड़ गया।

मंगलवार दोपहर करीब 1:50 बजे खीर गाढ़ में अतिवृष्टि के बाद नदी ने भारी जल सैलाब और मलबे के साथ ऐसा तांडव मचाया कि पर्वतीय अंचल में बसा खूबसूरत धराली क्षेत्र और उसका बाजार देखते ही देखते जल समाधि ले गया। इस प्राकृतिक आपदा का खौफनाक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर तेजी से वायरल हो गया। ऊपर से आ रहा जलसैलाब इतनी तीव्र गति से आ रहा था कि लोगों को बचाव का मौका तक नहीं मिला और सैलाब जान बचाते लोगों के साथ मकान, दुकान, होटल, पेड़ जो भी बीच में आया उसे अपने आगोश में लेते हुए गुजर गया। इस भयावह मंजर को होता देख रहे सुरक्षित स्थान पर मौजूद लोग मदद के लिए चिल्ला रहे थे।

किसी भी जानकारी के लिए हेल्पलाइन नम्बर

जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्र, उत्तरकाशी में स्थापित हेल्पलाइन नम्बर।
01374222722 7310913129 7500737269
टोल फ्री -1077, ईआरएसएस टोल फ्री -112
2- राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र, देहरादून में स्थापित हेल्पलाइन नम्बर
01352710334, 2710335, 8218867005, 9058441404, टोल फ्री-1070

उमर ने जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य के दर्जे को लेकर लिखा पत्र

श्रीनगर, एजेंसी

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे सहित 42 राजनीतिक दलों के अध्यक्षों को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि वे जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए संसद के मौजूदा सत्र में विधेयक लाने के लिए केंद्र पर दबाव डालें। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने कहा

- कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे सहित 42 राजनीतिक दलों के अध्यक्षों को भेजा लेटर

कि केंद्र शासित प्रदेश के पूर्ण राज्य के दर्जे को बहाल करने को एक रियायत के रूप में नहीं, बल्कि एक आवश्यक सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए।

उमर ने 29 जुलाई को लिखे तीन पन्नों के पत्र में कहा कि वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर को राज्य से घटाकर केंद्र शासित प्रदेश बनाने का कार्य और पूर्ण राज्य के रूप में इसका दर्जा बहाल करने में लंबी देरी। इसका भारतीय राजनीति के भविष्य पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश के रूप में पुनर्गठित करने को "अस्थायी उपाय" के रूप में प्रस्तुत किया गया था और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बार-बार दिए गए सार्वजनिक आश्वासनों का हवाला दिया। जिसमें इस साल की शुरुआत में कश्मीर में किया गया वादा भी शामिल है, जिसे उन्होंने "मोदी का वादा" कहा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने पूर्ण राज्य का दर्जा तत्काल बहाल करने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया था और इसे व्यक्तिगत रूप से प्रधानमंत्री को सौंपा गया था।

मप्र के कुबरेश्वर धाम में भीड़ के दौरान झड़प, दो की मौत

सीहोर, एजेंसी

मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में स्थित कुबरेश्वर धाम में मंगलवार को भीड़ बढ़ने के बाद हुई झड़प में दो लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना दोपहर 12 बजे हुई जब कांवड़ यात्रा में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए थे।

कुबरेश्वर धाम प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से जुड़ा हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बुधवार को कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया था, जिसके लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि क्षमता से अधिक लोगों के पहुंचने

- कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से जुड़ा हुआ है कुबरेश्वर धाम
- क्षमता से अधिक लोगों के आने से फैली अव्यवस्था

के बाद कुछ लोगों में कथित तौर पर झड़प हो गई जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सुनीता रावत ने दो लोगों की मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि उनकी पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। मौके पर पुलिस तैनात कर दी गई है।

बढ़ी ताकत रक्षा खरीद परिषद ने 67000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को दी मंजूरी

ब्रह्मोस से बराक-1 तक, भारत की वॉर शील्ड बनेगी मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को लंबी दूरी तक उड़ान भरने वाले ड्रोन और मिसाइल प्रणालियों की खरीद समेत प्रमुख सैन्य परियोजनाओं को मंजूरी दे दी, जिनपर लगभग 67,000 करोड़ रुपये की लागत आयेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) ने इन परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिनका लक्ष्य भारत की सैन्य क्षमता को बढ़ाना है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि डीएसी ने लगभग 67,000 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारतीय नौसेना के लिए 'कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट', 'ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम' और 'लांचर' की खरीद और 'बराक-1 प्वाइंट डिफेंस मिसाइल सिस्टम' के उन्नयन को मंजूरी दी गई। इसने कहा कि 'कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट' की खरीद से भारतीय नौसेना को पनडुब्बी-रोधी युद्ध अभियानों में खतरों का पता लगाने, उनका वर्गीकरण करने और उन्हें बेअसर करने की क्षमता मिलेगी। इसने कहा कि भारतीय वायुसेना के लिए, पर्वतीय रडार की खरीद और सक्षम/स्पाइडर हथियार प्रणाली के उन्नयन को मंजूरी दी गई।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पर्वतीय रडार की खरीद से पर्वतीय क्षेत्र में सीमाओं पर नजर रखने के साथ-साथ हवाई निगरानी क्षमता में वृद्धि होगी। इसने कहा कि एकीकृत वायु कमान और नियंत्रण प्रणाली के साथ एकीकरण के लिए सक्षम/स्पाइडर प्रणाली के उन्नयन से वायु रक्षा क्षमता में वृद्धि होगी। मंत्रालय ने कहा कि तीनों सेनाओं के लिए मध्यम ऊंचाई पर लंबी दूरी के (मेल) 'रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट (आरपीए)' की खरीद के लिए 'आवश्यकता की स्वीकृति' या प्रारंभिक स्वीकृति भी प्रदान की गई। प्रस्तावित 'मेल आरपीए' कई सामग्री और हथियार ले जा सकते हैं तथा लंबी दूरी के मिशनों के लिए लंबी दूरी पर काम कर सकते हैं। त्रालय ने एक बयान में कहा कि इससे सशस्त्र बलों की चौबीसों घंटे निगरानी और युद्ध क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

नाइट साइट से लैस होंगे लड़ाकू वाहन

इसके अलावा, डीएसी ने सी-17 और सी-130जे बेड़े के रखरखाव के लिए प्रारंभिक स्वीकृति और एस-400 लंबी दूरी की वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली के व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध को भी मंजूरी दी है। भारतीय सेना के लिए, बीएमपी इंफैंट्री (पैदल सेना) लड़ाकू वाहनों के लिए 'थर्मल इमेजर-आधारित ड्राइवर नाइट-साइट (बहुत कम रोशनी में देखने में मददगार यंत्र)' की खरीद के लिए प्रारंभिक स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्रालय ने कहा कि इससे बीएमपी की रात्रिकालीन ड्राइविंग क्षमता बढ़ेगी और मशीनीकृत इंफैंट्री को अधिक गतिशीलता और परिचालन लाभ मिलेगा।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 6 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

युवक ने खाया जहरीला पदार्थ, मौत

अमृत विचार, गोसाईंगंज : गोसाईंगंज के सेमनापुर गांव निवासी दीपक (38) आर्थिक तंगी के कारण जहरीला पदार्थ खा लिया। तबियत खराब होने पर परिजन उसे सीएचसी लेकर गये। जहां से सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया। सिविल अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

चार दोस्तों को घेरकर चाकू से हमला

अमृत विचार, गोसाईंगंज : इंदिरानगर के मानस एंक्लेव निवासी गौरव मिश्र ने बताया कि 2 अगस्त की रात लगभग लगभग 1:30 बजे उनका भाई सौरभ मिश्रा अपने तीन दोस्तों के साथ पुलिस मुख्यालय के पास एक चौराहे पर थे। इसी बीच चारों दोस्तों को करीब 10-15 लोगो ने घेर कर चाकुओं से हमला कर दिया। इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी उपेंद्र सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर घटनास्थल के आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

ट्रेन के सामने कूद कर मजदूर ने की आत्महत्या

अमृत विचार, मलिहाबाद : थाना क्षेत्र के सदरपुर क्रॉसिंग के पास मंगलवार सुबह मजदूर मेवालाल (52) ने पाटिलपुत्र एक्सप्रेस के सामने कूद कर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने छानबीन की लेकिन आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। इंस्पेक्टर मलिहाबाद सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि सुबह करीब साढ़े आठ बजे पुलिस कंट्रोल रूम पर सदरपुर क्रॉसिंग के पास एक व्यक्ति के शव मिलने की सूचना मिली थी।

मंदिर में चोरी करते महिला को ग्रामीणों ने पकड़ा

अमृत विचार, मलिहाबाद : थाना क्षेत्र के भदेसरमऊ गांव स्थित महादेव मंदिर में सोमवार देर रात 12:30 बजे मंदिर से घंटा चोरी कर रही रहीमाबाद बड़खेरवा गांव निवासी राजेश्वरी को ग्रामीणों ने घेरकर दबोच लिया। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। ग्राम प्रधान लक्ष्मी देवी ने बताया कि आरोपी राजेश्वरी का मायका भदेसरमऊ का है।

दूध डिब्बे पर छूट को लेकर विवाद,तोड़फोड़

अमृत विचार, माल : थाना क्षेत्र के नर्वीपनाह गांव में मेडिकल स्टोर पर बच्चों का दूध पाउडर के डिब्बे पर छूट को लेकर ग्राहक और स्टोर मालिक में विवाद हुआ। पुलिस को आता देख ग्राहक भाग गया। मंगलवार को ग्राहक ने साथियों के साथ मेडिकल स्टोर पहुंचकर मालिक पर हमला कर दिया। स्टोर मालिक का आरोप है कि काउंटर की दराज में रखे रुपये भी आरोपी उठा ले गए।

सैन्यकर्मी के घर में चोरी करने वाले तीन गिरफ्तार

अमृत विचार, मोहनलालगंज : थाना क्षेत्र के मुरलीनगर में सैन्यकर्मी विनय कुमार के घर में चोरी करने वाले तीन आरोपियों को मोहनलालगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब डेढ़ लाख के जेवर बरामद किए हैं। एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया अजय राजपूत उर्फ चिक्कन, पंकज वर्मा निवासी दीवानगंज मोहनलालगंज व मन्नेलाल निवासी नंदौली निगोहां हालपता मऊ मोहनलालगंज को पकड़ा गया है।

दो बच्चों के पिता ने की दूसरी शादी, किया प्रताड़ित

अमृत विचार, आलमबाग : एलडीए कालोनी सेक्टर-डी निवासी निधि अरोड़ा ने बताया कि 2011 में सचिवालय कालोनी निवासी अवनीश सक्सेना से आर्य मंदिर में उसकी शादी हुई थी। आरोप है कि अवनीश पहले से ही शादीशुदा था। अब उसे अवनीश, उसकी पहली पत्नी दीप्ती सक्सेना व मां सरला सक्सेना प्रताड़ित कर रहे हैं। इंस्पेक्टर पीके सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

निजी कॉलेजों के छात्रों को सप्लाई करते थे गांजा

अमृत विचार, लखनऊ : एसटीएफ ने सोमवार को नगराम इलाके से अंतरराज्यीय गांजा तस्कर गिरोह को पकड़ा था। यह गिरोह निजी कॉलेजों के छात्रों को गांजे व ड्रग्स की सप्लाई करता है। इसके लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर कई ग्रुप बना रखा है। गिरोह का सरगना शिवम यादव पोल्ट्री फार्म की आड़ में गांजा व ड्रग्स की तस्करी करता था। पुलिस और एसटीएफ की टीम को इसके साक्ष्य मिले हैं।

पेट्रोल पंप को दो दोस्तों को दौड़ाकर पीटा

अमृत विचार, लखनऊ : तालकटोरा के राजाजीपुरम स्थित पेट्रोल पंप पर बाइक सवार अभिजीत सिंह आठ साथियों के साथ दो दोस्तों को दौड़ाकर पीटा। राजाजीपुरम निवासी प्रफुल्ल दीप श्रीवास्तव ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर तालकटोरा कुलदीप दुबे ने बताया कि अभिजीत सिंह व आठ अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

सड़क हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत

केजीएमयू में भर्ती पत्नी को देखकर बेटे संग जा रहे थे घर, काकोरी के दौलीखेड़ा मोड़ पर हुआ हादसा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: काकोरी के मोहान रोड स्थित दौलीखेड़ा मोड़ पर सोमवार देर रात अज्ञात वाहन ने केजीएमयू से लौट रहे पिता-पुत्र की बाइक में टक्कर मार दी। पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उन्नाव के माखी गांव के मजरा हमीरपुर निवासी गौतम रावत ने बताया कि मां सियादुलारी का ट्रामा सेंटर में भर्ती हैं। सोमवार को किसान पिता धर्मपाल रावत (46) और भाई गोविंद रावत (26) उन्हें देखकर बाइक से घर लौट रहे थे। बाइक गोविंद चला रहा था। रात करीब 2 बजे मोहान रोड पर दौलीखेड़ा मोड़ के पास किसी वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। गंभीर घायल पिता-पुत्र को राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया, वहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। धर्मपाल के परिवार में पत्नी सियादुलारी, तीन बेटे और एक बेटियां हैं। गोविंद के पत्नी मनीषा और डेढ़ साल की बेटी राधिका है। इंस्पेक्टर काकोरी सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

गोविंद रावत

धर्मपाल रावत

अस्पताल में भूल गए थे हेलमेट

- बेटे गौतम रावत ने रुंधे गले से बताया कि भाई गौतम हेलमेट पहनकर पिता धर्मपाल के साथ बाइक से अस्पताल गया था। घर लौटते समय वह बात करते समय अस्पताल से नीचे आया और जल्दबाजी में हेल्मेट पहनना भूल गया था।

कैसे बताऊं मां को कि पिता और भाई नहीं रहे

- गौतम ने बताया कि मां सियादुलारी को हादसे की सूचना नहीं दी गई है। मंगलवार दोपहर तक पिता धर्मपाल अस्पताल नहीं पहुंचे तो मां ने पूछा की आज आए नहीं कहां है। गौतम ने बात टालते हुए कहा कि पिता खेत पर गए हैं। भाई भी किसी काम से गए हैं। पापा आज अस्पताल आ नहीं पाएंगे। गौतम ने कहा कि समझ में नहीं आ रहा है कि मां को कैसे बताऊं।

उधार मांगकर बेटा गाड़ी लेकर पहुंचा शव

- परिजन ने बताया कि जब हादसे की जानकारी हुई तो उनके पास रुपये नहीं थे। गांव में परिचितों से 10 हजार उधार लेकर आए। इसके बाद गाड़ी से शव लेकर उन्नाव गए। मां की बीमारी में पहले ही 30 हजार रुपये उधार ले चुके हैं। भाई गौतम रावत ने बताया कि गोविंद दिल्ली में रहकर निजी कार चालक थे। मां के बीमार होने पर डेढ़ महीने पूर्व ही घर आया था।

युवक नहर में डूबा

- **अमृत विचार, गोसाईंगंज :** सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में नहर में नहाने गए युवक संतुलन बिगड़ने से डूब गया। गोसाईंगंज के अमेठी कस्बे में रहने वाले मो. हामिद का बेटा सादाब (20) खुर्दही बाजार में अपनी बुआ के घर पर रह रहा था। मंगलवार की शाम वह जमीन देखने के लिए गया था। वापसी के दौरान दोस्तो संग नहर में नहाने लगा। जिस दौरान संतुलन बिगड़ा और वह नहर में डूब गया। परिजन ने घटना की जानकारी पुलिस कंट्रोल रूम को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तलाश शुरू किया लेकिन अंधेरा होने के कारण रोक दिया गया। पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम को सूचना दे दी है। बुधवार को टीम उसकी तलाश करेगी।

किसानों को मानक से ज्यादा खाद बेचने पर 13 विक्रेताओं को नोटिस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- जिला कृषि अधिकारी ने जांच के लिए बनाई टीम

अमृत विचार : जिले में टॉप-20 के तहत जुलाई में पांच सहकारी समिति समेत 13 उर्वरक फर्मों ने 20 किसानों को 33 बोरी तक यूरिया बेच दी। बिक्री अधिक और संदिग्ध होने पर जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने समितियों और फर्मों को नोटिस जारी करके जांच के निर्देश दिए हैं।

जुलाई में बेची गई यूरिया की पोर्टल पर समीक्षा की गई। पाया कि एक माह में 20 किसानों को अधिकतम 33 बोरी तक यूरिया बेची गई। यह बिक्री पांच सहकारी समिति, तीन इफको केंद्र और पांच निजी विक्रेताओं द्वारा की गई। इनमें कई किसान ऐसे हैं जिन्होंने तीनों जगह से उर्वरक खरीदी है। आखिर इतनी मात्रा में उर्वरक किस लिए खरीदी और कहां इस्तेमाल की इसकी स्थलीय जांच कराई जाएगी। संबंधित किसानों के बयान लिए जाएंगे। जांच में गड़बड़ी मिली तो लाइसेंस निरस्त किया जाएगा। इस सम्बंध में समितियों के सचिव और विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

जिले में 22,307 एमटी यूरिया की उपलब्धता

- जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने मंगलवार को अपर जिला कृषि अधिकारी हर्षित त्रिपाठी के साथ यूरिया की समीक्षा की। बताया कि जनपद का अगस्त माह में 22 हजार एमटी यूरिया बिक्री का लक्ष्य है। इसके सापेक्ष 5 अगस्त तक 16,740 एमटी यूरिया बिक चुकी है। वर्तमान में सभी 73 सरकारी समिति और 240 निजी दुकान व केंद्रों पर कुल 22,307 एमटी उर्वरक उपलब्ध है। इसके बाद भी कोई विक्रेता स्टॉक न होना या अधिक दाम लेता है तो उनके 7839882167 व एआर को-आपरेटिव के नंबर 63869 03337 पर शिकायत करें।

शिविर में दिव्यांग बच्चों का परीक्षण करते चिकित्सक। अमृत विचार

आकलन शिविर में 67 दिव्यांग बच्चों का हुआ परीक्षण

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा स्थित सरोजनी नगर ब्लॉक संसाधन केंद्र में मंगलवार को परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों के लिए आकलन शिविर आयोजित किया गया। इसमें मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा गठित विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने 67 दिव्यांग बच्चों का परीक्षण किया। परीक्षण के बाद 28 बच्चों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। खंड शिक्षा अधिकारी आरपी यादव, जिला समन्वयक (समेकित शिक्षा) संदीप तिवारी और फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. अमरेश सिंह, स्पेशल एजुकेटर अनिल कुमार, अशोक कुमार सिंह, योगेश कुमार यादव, ज्ञान सिंह, शेखर पटेल और श्रद्धा द्विवेदी मौजूद रहीं।

भाजपा के मंडलों में निकलेगी तिरंगा यात्रा

संवाददाता, काकोरी

अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी जिला लखनऊ इकाई ने बुधवार को हर घर तिरंगा अभियान की जिला कार्य योजना की बैठक जिला कार्यालय पर की। जिला अध्यक्ष विजय मौर्य की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष व जिला प्रभारी त्र्यंबक त्रिपाठी मुख्य अतिथि और क्षेत्रीय मंत्री विकास सिंह विशिष्ट अतिथि रहे।

प्रदेश उपाध्यक्ष ने बताया कि 7 और 8 अगस्त को मंडलों में बैठकें होंगी। 10 से 12 अगस्त तक प्रत्येक मंडल में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। मंडल में कार्यकर्ता शहीदों पुलिसकर्मियों के घरों में जाकर उनके परिजनों को सम्मानित करेंगे। 12 से 14 अगस्त तक स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्मारकों, स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। 14 अगस्त को मौन जुलूस एवं संगोष्ठी और 13 से 15 अगस्त तक कार्यकर्ता घरों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा झंडा लगाएंगे। अभियान के संयोजक अरविंद यादव, जिला महामंत्री राजकुमार वर्मा, रामलाल वर्मा, उपाध्यक्ष हंसराज लोधी, ओमप्रकाश शुक्ला, मनोज प्रजापति मौजूद रहे।

बैठक को संबोधित करते भाजपा जिलाध्यक्ष विजय मौर्य साथ में अन्य। अमृत विचार

हल्की बारिश फसलों में करेगी खाद का काम

- **अमृत विचार, लखनऊ :** तीन दिन से हो रही बारिश धान समेत अन्य फसलों के लिए वरदान साबित हुई है। हल्की बारिश सिंचाई की जरूरत नहीं पड़ेगी। ये बारिश फसल के लिए खाद का काम करेगी। जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने बताया कि इस बारिश से धान को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। सब्जियों को भी नुकसान नहीं है, क्योंकि जिले में तेज बारिश नहीं हुई है। इससे खेतों में जलभराव जैसी स्थिति नहीं है। मक्का, ज्वार समेत अन्य दलहनी फसलों को जलभराव होने पर नुकसान हो सकता है। ऐसी स्थिति में किसान दलहनी फसलों में जलभराव है तो नाली बनाकर पानी की निकासी जरूर करें। धान समेत किसी भी फसल की सिंचाई न करें। धान की टॉप ड्रेसिंग समय पर करते रहे। इससे उत्पादकता अच्छी होगी।

डग्गामार वाहनों के खिलाफ प्रदर्शन

अवध बस स्टैंड के बाहर प्रदर्शन कर की कार्रवाई की मांग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: राजधानी में बढ़ रही डग्गामारी के खिलाफ राज्य सड़क परिवहन निगम के अधिकारियों और कर्मचारी बुधवार को सड़क पर उतर आए। चारबाग और अयोध्या रोड स्थित अवध बस स्टैंड के बाहर प्रदर्शन कर संभागीय अधिकारियों पर निष्क्रियता और पुलिस प्रशासन पर मिलीभगत का आरोप लगाया। कहा कि डग्गामारी बंद हो या रोडवेज बसों को प्रति सीट टैक्स मुक्त किया जाए।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे कर्मचारी नेता रूपेश कुमार ने कहा कि डग्गामार वाहनों के कारण रोडवेज को आर्थिक नुकसान हो रहा है। उन्होंने बताया कि 19 अवैध वाहनों की सूची बनाकर नाका थाने में शिकायत देकर त्वरित कार्रवाई की मांग की गई है। प्रदर्शन में एआरएम जगदीश प्रसाद, मो. रिजवान, मदन लाल कश्यप, मो. अशरफ, हरिशंकर विश्वकर्मा और राशि शंकर और अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

डग्गामार वाहनों को हटवाते रोडवेज के अधिकारी और कर्मचारी। अमृत विचार

ग्रुप कमांडर ने किया शिविर का निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- प्रशिक्षण शिविर का ग्रुप कमांडर ने किया निरीक्षण

अमृत विचार : 19 उप्र गर्ल्स बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में दो एमटी बटालियन एएमसी सेंटर एंड कॉलेज में 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर लगाया गया है।

मंगलवार को इस शिविर का लखनऊ ग्रुप एनसीसी मुख्यालय के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर पुनीत श्रीवास्तव ने निरीक्षण किया। बालिका कैडेटों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। ब्रिगेडियर ने प्रशिक्षण, ट्रेनिंग एरिया, लिविंग एरिया, चिकित्सकीय व्यवस्था, कुक हाउस का अवलोकन किया। शिविर कमांडेंट कर्नल डॉ. दिनेश कुमार पाठक, प्रशासनिक अधिकारी मेजर दिव्या शर्मा के नेतृत्व में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण अधिकारी मेजर डॉ. मनमीत कौर सोढ़ी ने कैंप की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। निदेशालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली लखनऊ मुख्यालय की टीम को सम्मानित भी किया गया।

युवती को पीटा

अमृत विचार, लखनऊ: बालागंज निवासी युवती ने बताया कि पड़ोस में रहने वाला शफीक छेड़छाड़ करता है। शफीक और उसके परिजन मांस के टुकड़े और अंडे के छिलके फेंक देते हैं। विरोध पर शफीक, फुरकान, आफताब, मेहताब व चांद बाबू ने मारपीट कर कपड़े फाड़ दिए। पुलिस ने मेहताब व फुरकान को गिरफ्तार लिया है।

जीएनएम छात्रा की फर्जी आईडी बना डाली अश्लील पोस्ट

अमृत विचार, लखनऊ : इंस्पेक्टर ठाकुरगंज ओमवीर सिंह चौहान के मुताबिक जौनपुर की रहने वाली छात्रा बालागंज इलाके में अपनी रिश्तेदारी में रहकर जीएनएम की पढ़ाई कर रही है। छात्रा ने पुलिस को बताया कि मोहल्ले में रहने वाला आदर्श तिवारी उसे तीन वर्ष से परेशान कर रहा है। इंस्पेक्टर ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

नो-पार्किंग खड़ा किया तो उठा ले जाएगी क्रेन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- आठ जोन में शहर को बांटा, आज से दो दिन होगा प्रचार
- राजधानी में 16 क्रेन संचालित करायेगी यातायात पुलिस

अमृत विचार: राजधानी की यातायात व्यवस्था को सुचारू करने और नो-पार्किंग में खड़े वाहनों के कारण लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए पुलिस ने सख्ती का रास्ता अख्तियार किया है। नई व्यवस्था के तहत यातायात पुलिस नो-पार्किंग में खड़े वाहनों को क्रेन से उठवा ले जाएगी। वहीं वाहन मालिक को इस गलती के लिए भारी जुर्माना भी जमा करना पड़ा। यह जानकारी डीसीपी यातायात कमलेश दीक्षित ने दी। उन्होंने बताया कि राजधानी को आठ जोन में बांटा गया है। यहां नो-पार्किंग से उठाये गये वाहन डंपिंग यार्ड में भेजा जाएगा। वहां जुर्माना जमा होने के बाद ही छोड़ा जाएगा। दो दिन तक लोगों को जागरूक करने के लिए सभी जोन में बुधवार व गुरुवार को प्रचार किया जाएगा।

यह रहेगी व्यवस्था

- **जोन-1: हजरतगंज/सहारागंज**
  - हजरतगंज चौराहा (अटल चौक) से राजभवन गेट नं0-2
  - हजरतगंज चौराहा (अटल चौक) से सिकन्दरबाग चौराहा
  - हजरतगंज चौराहा (अटल चौक) से बाल्मीकि तिराहा से सुभाष चौराहा तक
  - अल्का तिराहा से डनलप से सहारागंज एवं डनलप चौराहे से सप्रू मार्ग से श्रीराम टावर तक
  - रायल होटल चौराहा से राणा प्रताप चौराहा -मेफेयर तिराहा से नावेल्टी लालबाग चौराहा
- **जोन-2 चारबाग**
  - चारबाग रविन्द्रालय से जीआरपी लाइन तक
  - चारबाग से कैसरबाग बस अड्डा तक
  - नजीराबाद चौकी से झंडे वाला पार्क मौलवीगंज तक
  - अशोकलाट चौराहा से सुभाष चौराहा तक
- **जोन-3 महानगर**
  - निशातगंज से बादशाहनगर तक
  - निशातगंज से आइटी चौराहा
  - आइटी चौराहा से हनुमान सेतु तिराहा तक
  - कपूरथला/इंजीनियरिंग कालेज
  - इंजीनियरिंग कालेज चौराहा से राम-राम बैंक चौराहा से कपूरथला से अल्कापुरी तक
  - फैजुल्लागंज से केशवनगर मोड़ तक
  - फैजुल्लागंज सब्जीमंडी से मडियांव ढाल तक
- **जोन-4 :** कैप्टन मनोज पाण्डेय चौराहा वेव माल व पालिटेक्निक
  - पालीटेक्निक चौराहा से लेखराज मार्केट तक
  - टेढ़ीपुलिया चौराहा से मामा चौराहा तक
  - टेढ़ीपुलिया से गुडम्बा तक
  - पालीटेक्निक से मुंशीपुलिया चौराहा तक
  - पालीटेक्निक चौराहा से सुषमा हास्पिटल तिराहा
  - पत्रकारपुरम से मनोज पाण्डेय चौराहा से हुसड़िया चौराहा तक
- **जोन-5 :** बाराबिरवा चौराहा व आलमबाग नहर के आसपास
  - आलमबाग टेढ़ीपुलिया से आलमबाग चौराहा तक
  - आलमबाग चौराहा से बाराबिरवा चौराहा तक
- **जोन-6** मेड़िकल कालेज/चौक
  - चरक चौराहा से नक्खास तिराहा तक
  - मेडिकल कालेज चौराहा से शाहमीना तिराहा तक
  - लालमाधव हैदरगंज तिराहा से बालाजी मंदिर तक
  - कोनेश्वर तिराहा से बालागंज तिराहा तक
- **जोन-7** बीबीडी/भूतनाथ
  - कठौता से आइजीपी चौराहा तक-कठौता से चिनहट तिराहा तक
  - कठौता से हनीमैन चौराहा तक
  - हनीमैन चौराहा से हुसड़िया चौराहा तक
  - बीबीडी से तिवारीगंज तिराहा तक
- **जोन-8** लूलू माल/आशियाना
  - सुभानी खेड़ा से तेलीबाग से पीजीआई तक
  - सत्यसाईं दाता मार्ग से प्लासियों मॉल से लूलू माल तक

मिठाइयों के 53 नमूने जांच के लिए भेजे

कार्यालय संवाददाता,लखनऊ

- एफएसडीए ने रक्षाबंधन पर चलाया जांच अभियान

अमृत विचार : रक्षाबंधन पर खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी की आशंका को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की टीम ने मंगलवार को विभिन्न प्रतिष्ठानों से पेड़ा, गुलाब जामुन, दूध बरफी, खोया, मिल्क केक, बेसन सहित 53 नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे। खाद्य सुरक्षा आयुक्त विजय प्रताप सिंह ने बताया कि खाद्य व पेय पदार्थ जैस बूंदी के लड्डू, खोया, दूध एवं दूध से बने उत्पाद मिठाइयां एवं अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के लिए ये कार्रवाई की गई। लगातार अभियान चलाया जाएगा।

नमूनों की प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट के आधार पर खाद्य कारोबारी के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत कार्रवाई की जाएगी।

बलरामपुर अस्पताल में पीएमआर इकाई शुरू

कार्यालय संवाददाता,लखनऊ

- शारीरिक अक्षम लोगों को मिलेगा इलाज

अमृत विचार : बलरामपुर अस्पताल में फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन विभाग (पीएमआर) इकाई शुरू कर दी गई है। एनआईसी ने ओपीडी पर्चे के पंजीकरण के लिए पीएमआर विभाग का नाम सॉफ्टवेयर में अपलोड कर दिया है। पीएमआर इकाई शुरू करने वाला बलरामपुर प्रदेश का पहला सरकारी अस्पताल बन गया है।

अभी ये सुविधा केवल केजीएमयू के लिंब सेंटर के पीएमआर विभाग में ही है। बलरामपुर की निदेशक डॉ. कविता आर्या ने बताया कि पीएमआर विभाग में फिजियोथेरेपी के साथ ही मरीजों को शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास (पीएमआर) इकाई में इलाज दिया जा रहा है। इसमें दिव्यांगों व शारीरिक अक्षम लोगों की कार्यात्मक क्षमता और जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने का काम किया जा रहा है। पीएमआर विभाग में डॉ. लक्ष्मी प्रजापति, डॉक्टर (फिजियाट्रिस्ट) के साथ दूसरे कर्मचारी तैनात हैं। यह इकाई मस्तिष्क, रीढ़ की हड्डी, नसों, हड्डियों, जोड़ों, मांसपेशियों आदि को प्रभावित करने वाली स्थितियों का इलाज करती है। सीएमएस डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी ने बताया कि अब ओपीडी के पर्चे पर भी पीएमआर विभाग लिखकर आने लगा है।

अभी तक हड्डी रोग विभाग के पर्चे पर ही दिव्यांगों व शारीरिक अक्षम मरीजों को इलाज मिल रहा था। अस्पताल से मरीजों को जरूरी कृत्रिम उपकरण निःशुल्क मिलते हैं।

समागम | उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने व्यापारियों को दिलाई स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग की शपथ

स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग से देश की अर्थव्यवस्था होती है मजबूत

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री के आह्वान पर मंगलवार को प्रदेश के व्यापारियों का विशाल समागम सहकारिता भवन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग से देश की अर्थ व्यवस्था मजबूत होती है। स्थानीय उद्योग को बढ़ावा मिलता है और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। इसके साथ ही यह देश भक्ति की भावना को बढ़ावा देता है। इससे देश के भीतर ही धन का संचालन होता है, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है। साथ ही विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता कम करता है। उन्होंने सभी व्यापारियों को शपथ दिलाते हुए कहा कि ''हम भारत के व्यापारी शपथ लेते हैं कि राष्ट्रीय स्वाभिमान को विश्व में उच्चतम करने के लिए स्वदेशी वस्तुओं की खरीद, विक्री, एवं निर्माण कर, उपयोग व उपभोग की प्राथमिकता से अथक प्रयास करेंगे। भविष्य में शत प्रतिशत स्वदेशी व्यापार हेतु अपना तन-मन-धन राष्ट्र के प्रति न्यौछावर करेंगे''।

प्रान्तीय अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल ने कहा कि हम लोग विदेशी चीजों को ज्यादा अहमियत देते हैं, जबकि हमें स्वदेशी चीजों पर ही निर्भर होना चाहिए। विदेशी वस्तुएं हमारे देश की चीजों से ज्यादा अच्छी हैं, हमें इस सोच को बदलने की जरूरत है। राष्ट्रहित में स्वदेशी वस्तुओं के उपभोग के लिए प्रेरित किया।

लखनऊ व्यापार मण्डल के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग से हमारा देश सशक्त बनेगा। हम सभी राष्ट्रहित के बारे में सोचेंगे तभी हमारा देश विश्वगुरु बन पाएगा। नगर अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने कहा कि वर्तमान समय में जब वैश्वीकरण ने दुनिया को एक वैश्विक बाजार में बदल दिया है, स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग न केवल हमारी संस्कृति और परंपराओं को बनाए रखने में सहायक है बल्कि यह हमारे देश की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत करता है। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री कुटीर उद्योग को बढ़ावा देने के लिए तमाम योजनाएं चला रहे हैं और बाजारों को विकसित कर रहें है।

कार्यक्रम में बनवारी लाल कंछल, अनिल विरमानी, राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, अमरनाथ मिश्र, देवेन्द्र गुप्ता, अनुराग मिश्र, उमेश शर्मा, भारत भूषण गुप्ता, रामकुमार वर्मा, रविन्द्र गुप्ता, साकेत शर्मा, सुशील तिवारी, एम के शुक्ला, सतवीर सिंह राजू, सुरेश कुमार, संजीव अग्रवाल, संचिन रस्तोगी मनीष अरोड़ा, कुश मिश्र, समीर जैन, हर्षित जायसवाल, सनी लालवानी सहित सैकड़ों व्यापारी उपस्थित रहे।

सहकारिता भवन में व्यापारियों को स्वदेशी अपनाने की शपथ दिलाते उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक।

www.amritvichar.com

अमृत विचार

लखनऊ महानगर

लखनऊ, बुधवार, 6 अगस्त 2025

सुविचार

"शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग आप दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं।" और "यह हमेशा असंभव सा लगता है जब तक कि यह पूरा न हो जाए।" - नेल्सन मंडेला

लखनऊ के प्रमुख समाचार

- बच्ची के दुष्कर्मी को उम्रकैद -II
- आसिफी इमामबाड़े में निकला 72 ताबूत का जुलूस -III
- विवि जिले के श्रेष्ठ रचनाकारों पर कराएं शोध -IV

शहर में आज

- ठाकुरगंज स्थित कालीचरण इंटर कॉलेज में हैंडबाल प्रतियोगिता- 8:00 बजे।
- भाजपा लखनऊ महानगर कैसरबाग कार्यालय में अटल कल्याण सभागार के निर्माण के लिए भूमि पूजन- 9:45 बजे।
- मालवीय नगर स्थित आनन्देश्वर महादेव मंदिर में ममता चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से रुद्राभिषेक का आयोजन- 4:00 बजे।
- बेगम हजरत महल पार्क के गेट पर हिरोशिमा पर की गई बमबारी की वर्षगांठ पर रंगकर्मियों व सामाजिक कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन- 4:00 बजे।
- अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में चित्रण कला मंच समिति की ओर से नाटक मैं आजाद हूं का मंचन- 7:00 बजे।

इंदिरा नगर स्थित एक होटल में बुधवार को इनर व्हील क्लब ऑफ लखनऊ प्रेरणा ने मित्रता दिवस मनाया। इसमें क्लब की सदस्यों ने पेंटिंग बनाई और गेम्स खेले और एक-दूसरे को फ्रेंडशिप बैंड्स बांध कर शुभकामनाएं दीं। अमृत विचार

मानसूनी बारिश की रफ्तार पड़ी धीमी

अमृत विचार,लखनऊः तीन दिन झमाझम के बाद मानसूनी बारिश की रफ्तार मंगलवार को तोड़ी धीमी पड़ गई। दिन में घने बादलों के बीच रुक रुक कर फुहारें पड़ती रही। बादलों की सक्रियता घटते ही दिन के पारे में 4.1 डिग्री सेल्सियस का उछाल देखने को मिला। मंगलवार शाम तक पिछले 24 घंटे के आंकड़ों के मुताबिक लखनऊ में 11.1 मिमी की औसत बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग का कहना है कि बुधवार को भी बादलों की सक्रियता बनी रहेगी, लेकिन भारी बारिश के आसार नहीं हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र अमौसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता में कमी आई है। बुधवार से बारिश की तीव्रता में कमी आने के संकेत हैं।

सिटी ब्रीफ

नहीं आई आपत्ति, होगा अंतिम प्रकाशन

अमृत विचार,लखनऊ : वर्ष 2021 में नगर निगम में सम्मलित हुईं मलिहाबाद की तीन ग्राम पंचायतों के परिसीमन की एक भी आपत्ति नहीं आई। जिला पंचायत राज अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि मलिहाबाद ब्लॉक की ग्राम पंचायत मुजासा, सरावां व फिरोजपुर का परिसीमन किया गया था। इसकी सूचना ग्राम पंचायत और ब्लॉक कार्यालय के सूचना पट्ट में चस्पा कर 29 जलाई से 2 अगस्त तक आपत्तियां मांगी थीं। एक भी आपत्ति नहीं आई, अब 10 अगस्त तक अंतिम सूची का प्रकाशन किया जाएगा। परिसीमन में 494 ग्राम पंचायतों में कुल 491 रह गई हैं। इस प्रक्रिया में तीन ग्राम पंचायतों के 37 वार्ड और क्षेत्र पंचायत के तीन वार्ड कम हो जाएंगे। जिला पंचायत में किसी तरह का असर नहीं पड़ेगा।

सब्जी मंडी के पास मुख्य मार्ग से हटाए ठेले

अमृत विचार,लखनऊ : नगर निगम ने मंगलवार को प्रमुख मार्गों, सार्वजनिक स्थलों और फुटपाथों पर अतिक्रमण के विरूद्ध अभियान चलाया। जोन-6 के मल्लाही टोला द्वितीय एवं बालागंज क्षेत्र में जोनल अधिकारी मनोज यादव के नेतृत्व में दुबग्गा सब्जी मंडी के गेट नंबर दो के पास मुख्य मार्ग और फुटपाथ पर लगे 20 ठेले और 30 अस्थाई दुकानें हटाईं।

पॉलीथीन जब्त कर वसूला जुर्माना

अमृत विचार,लखनऊ : नगर निगम के जोन 4 में मंगलवार को नगर निगम की टीम ने गंदगी और पॉलीथीन के उपयोग के विरूद्ध अभियान चलाया। कई प्रतिष्ठानों की जांच के दौरान टीम ने कुल 4 .5 किलो प्रतिबंधित पॉलीथीन जब्त करके संबंधित दुकानदारों से 13,050 रुपये जुर्माना वसूला। टीम ने दुकानदारों व नागरिकों से स्वच्छता बनाए रखने एवं पर्यावरण के हित में पॉलीथीन का प्रयोग न करने की अपील की। अभियान का नेतृत्व कर अधीक्षक बनारसी दास एवं 296 की टीम ने किया।

अवैध डेरियां हटाकर 17 पशु किए जब्त

अमृत विचार,लखनऊ : नगर निगम जोन सात के गुडम्बा थाना क्षेत्र में अवैध डेरियों के खिलाफ नगर निगम ने मंगलवार को अभियान चलाया। पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा के नेतृत्व में कैटल कैचिंग टीम ने मिश्रपुर एवं शंकरपुरवा द्वितीय वार्ड के रेनबो पब्लिक स्कूल के पास कल्याणपुर-कंचना बिहारी मार्ग स्थित डेरियां हटाकर 17 पशु जब्त किए। इनमें 6 भैंस, 10 गायें और एक पड़िया शामिल हैं। इन पशुओं को आलमबाग स्थित कांजी हाउस में बंद कराया।

अनुपस्थित कर्मचारी को किया निलंबित

अमृत विचार, लखनऊः सहायक अभियंता (मी.) ठाकुरगंज विद्युत नगरीय परीक्षण खंड ने बताया कि कर्मचारी अरुण कुमार 11 मई 2023 से बिना सूचना के कार्य से अनुपस्थित हैं। लगातार अनुपस्थिति के चलते अधिशासी अभियंता ई. दिनेश चन्द्र जयन्त ने उन्हें प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली 1956 के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में अरुण कुमार को रेजीडेंसी विद्युत नगरीय परीक्षण खंड चौक से संबद्ध किया गया है तथा नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा।

मध्यम वर्ग के लिए एलडीए बनाएगा फ्लैट

बोर्ड की 185वीं बैठक में गोमती नगर समेत चार जगह हाईटेक ग्रुप हाउसिंग बनाने को मंजूरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- निजी अपार्टमेंट की तरह होगा लुक व डिजाइन, कम होंगे दाम

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण मध्यम वर्गीय परिवार के लिए गोमती नगर, गोमती नगर विस्तार, ऐशबाग और बसंतकुंज योजना में हाईटेक ग्रुप हाउसिंग फ्लैट्स बनाएगा। ये फ्लैट निजी अपार्टमेंट से सस्ते होंगे और इसकी डिजाइन और लुक भी निजी अपार्टमेंट की तरह होगा। मंगलवार को अध्यक्ष/मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब की अध्यक्षता में हुई प्राधिकरण बोर्ड की 185वीं बैठक में इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई।

उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि गोमती नगर के विराज खंड में 4.5 एकड़, गोमती नगर विस्तार के सेक्टर-4 में राप्ति अपार्टमेंट के पास 3.5 एकड़, ऐशबाग में मिल रोड पर 4.63 एकड़ और बसंतकुंज के सेक्टर-जे में राष्ट्र प्रेरणा स्थल के सामने 3.7 एकड़ में ग्रुप हाउसिंग का निर्माण किया जाएगा। इसमें 3 बीएचके (स्टडी), 3 बीएचके व 2 बीएचके (स्टडी) श्रेणी के 1100 से अधिक फ्लैट बनेंगे। इससे लाखों परिवारों का फ्लैट में रहने का सपना साकार होगा। ग्रुप हाउसिंग में स्वीमिंग पूल, जिम, क्लब हाउस, योगा सेंटर, प्ले जोन, ग्रीन एरिया समेत अन्य विश्वस्तरीय आवासीय सुविधाएं विकसित की जाएंगी। निर्माण के लिए ऑनलाइन डिमांड सर्वे भी करा लिया है।

वहीं, देवपुर पारा स्थित एलडीए की प्रसून विहार योजना में निर्माणाधीन 1832 बहुमंजिला आवासीय भवनों में लिफ्ट, डीजी सेट, अग्निशमन संयंत्र व वाह्य विकास की नवीन विधियों का प्रावधान किया गया है। योजना में बन रहे 1 बीएचके व 2 बीएचके भवनों को एफोरडेबल हाउसिंग के रूप में बेचा जाएगा। इसका जल्द पंजीकरण खोला जाएगा। इसके अलावा नंदाखेड़ा तुलसी कॉम्पलेक्स पर काबिज 42 अध्यासियों को विस्थापन नीति के तहत प्रधानमंत्री आवास दिए जाएंगे। एलडीए ने बोर्ड बैठक में बीडिंग पॉलिसी के तहत 2023 की नियमावली के अनुसार पुराने रिकार्ड नष्ट करने का प्रस्ताव पास हुआ। इस प्रक्रिया में वर्षों पुराने मानचित्र, योजना व संपत्ति के प्रयोग न होने वाले अभिलेख स्कैन और डिजिटल रिकार्ड बनाकर नष्ट किए जाएंगे। इसके अलावा नेहरू इन्क्लेव योजना में सेना और प्राधिकरण के बीच जमीन को लेकर चल रहा वर्षों पुराना विवाद खत्म होगा। इसके लिए योजना में स्थित 61 एकड़ भूमि सेना के पक्ष में विनियमितीकृत की जाएगी। इसकी एवज में सेना द्वारा अवशेष 57 एकड़ भूमि को अपने कब्जे से मुक्त करते हुए सहमति से प्रकरण को निक्षेपित करनी होगी।

9 मीटर की सड़कों पर स्वीकृत होगा नक्शा

- आवासीय भवनों के निर्माण के लिए न्यू बिल्डिंग बायलॉज एंड जोनिंग रेग्युलेशन-2025 स्वीकृत करके लागू कर दिया गया। इससे राजधानी में ऊंची इमारतों आदि के निर्माण का रास्ता साफ होगा और नियोजित विकास को बल मिलेगा। नये बायलॉज में अवैध कॉलोनी को छोड़कर किसी भी सरकारी व निधी से बनी 9 मीटर से कम चौड़ी सड़कों पर एकल आवासीय भवन के माचचित्र शर्तों के आधार पर स्वीकृत किए जाएंगे। तीन मंजिल तक लोग मकान बना सकेंगे। इस नियम से पुराने लखनऊ में रहने वाले लोगों को फायदा मिलेगा। जो पहले मानचित्र स्वीकृत नहीं करा पाते थे। पहले से निर्मित भवनों की कंपाउंडिंग की जाएगी।

लखनऊ विकास प्राधिकरण बोर्ड की बैठक में मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब, उपाध्यक्ष और अन्य सदस्य। अमृत विचार

हिमालयन के अनुबंध निरस्त, बहुजन से वापस ली जाएगी भूमि

- हिमालयन सहकारी आवास समिति और बहुजन निर्बल वर्ग सहकारी समिति के नाम भूमि घोटाले पर कार्रवाई की जाएगी। बोर्ड बैठक में हिमालयन समिति के जमीन बिक्री संबंधित पांचों अनरजिस्टर्ड अनुबंध निरस्त कर दिए गए हैं। इससे किसी तरह की खरीद-फरोख्त नहीं होगी और एलडीए पर अनुबंध के नाम पर दबाव नहीं बनेगा। भूखंडों की जांच कराई जाएगी। इसी तरह बहुजन समिति से 14309 वर्ग मीटर भूमि एलडीए वापस लेगा। हाल में आवास आयुक्त द्वारा सोसाइटी भंग करके 7.20 करोड़ जुर्माना लगाया गया है।

बसंतकुंज में बनेगा ई-ऑटो चार्जिंग स्टेशन

- बसंतकुंज योजना के सेक्टर-ए में प्रधानमंत्री आवास कालोनी के पास एक हजार वर्गमीटर भूमि पर ई-ऑटो चार्जिंग स्टेशन बनेगा। इसके लिए भूमि सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड को प्रतिवर्ष एक रुपये के टोकन मनी पर पांच वर्ष के लिए आवंटित की जाएगी।

'पहले आओ-पहले पाओ' पर मिलेंगी 160 दुकानें

- एलडीए विभिन्न योजनाओं में निर्मित 160 दुकानों, हॉल व स्टोर 'पहले आओ-पहले पाओ' योजना के तहत बेचेगा। दरें आरक्षित रहेंगी। यह दुकानें 1990-95 में बनी थी और खाली पड़ी हैं और ई-नीलामी में कई बार लगाने पर नहीं बिकी। इसे अलोकप्रिय घोषित करके बिक्री करने का प्रस्ताव पारित किया।

वरुण विहार और नैमिष नगर पर लग गई बोर्ड की मुहर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- किसानों से सहमति के आधार पर क्रय की जाएगी भूमि
- आईटी सिटी का बढ़ेगा दायरा बदलेगी लैंड पूलिंग की प्रक्रिया

अमृत विचार : प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में सबसे मुख्य आवासीय योजना नैमिष नगर और वरुण विहार पर मुहर लग गई है। दोनों योजनाएं किसानों से सहमति के आधार पर जमीन लेकर धरातल पर उतारी जाएंगी। इसकी एवज में ग्रामीण क्षेत्र का सर्किल रेट चार गुना की दर से दिया जाएगा। क्योंकि दोनों योजनाएं शहर क्षेत्र के बाहर है। योजना के लिए एसओपी निर्धारित की गई है।

एलडीए की वरुण विहार योजना आगरा एक्सप्रेस-वे स्थित काकोरी के 12 गांव की 2664 हेक्टेयर भूमि पर विकसित की जाएगी। यह कार्य एक फेस में पूर्ण होगा। इसमें 7472 करोड़ अनुमानित खर्च आएगा। इसी तरह बीकेटी में सीतापुर-रैथा रोड पर 1084 हेक्टेयर में प्रस्तावित नैमिष नगर के लिए 1084 हेक्टेयर भूमि जुटाई जाएगी। यह योजना तीन चरणों में विकसित होगी। इसकी अनुमानित लागत 4785 करोड़ रुपये है। एलडीए ने डिमांड सर्वे, किसानों से वार्ता, जमीन का चिह्नांकन आदि प्रक्रिया पूर्ण कर ली है। अब ग्रुप हाउसिंग, भूखंड, फ्लैट, रे-हाउस, अपार्टमेंट, ईडब्ल्यूएस, एमआईजी कॉलोनी आदि बनाने की योजना बनाई जाएगी। नैमिष नगर योजना में एयरफोर्स के रेड जोन की आपत्ति का भी निस्तारण हो गया है।

इसके अलावा आईटी और वेलनेस सिटी में लैंड पूलिंग करके ली जा रही भूमि के नियम व प्रक्रिया में बदलाव किया जाएगा। इसमें खतौनी आदि का विवरण और कुछ शर्तें बनाई जाएंगी। इससे बाद में किसी तरह के विवाद की स्थिति नहीं बनेगी। आईटी सिटी का दायरा भी बढ़ेगा। वहीं, अनंत नगर योजना में 102 एकड़ एजुकेशनल सिटी का क्षेत्रफल कम करके 72 एकड़ किया गया है। शेष जमीन पर भूखंड आदि नियोजित किए जाएंगे। इसी योजना में सीतापुर रोड से चंद्रिका देवी मंदिर तक रिंग रोड का क्षेत्रफल कम करके 45 मीटर किया जागए।

जेपी एनआईसी के लिए मांगा मार्ग दर्शन

- लखनऊ विकास प्राधिकरण कार्यालय के पास स्थित जेपी एनआईसी की समिति शासन ने भंग करके एलडीए को दिया था। इसके निर्माण में 821 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। इसका शेष कार्य और संचालन आदि कैसे करना है यह प्रस्ताव बोर्ड बैठक में रखा गया और शासन को भेजकर मार्ग दर्शन मांगा जाएगा।

59 योजनाओं के प्रस्ताव स्वीकृत

- सचिव विवेक श्रीवास्तव, अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा, संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह, वित्त नियंत्रक दीपक सिंह, मुख्य अभियंता नवनीत शर्मा, मुख्य नगर नियोजक केके गौतम, बोर्ड के सदस्य पुष्कर शुक्ला एवं पीएन सिंह आदि की उपस्थिति में पेश किए गए योजनाओं के 59 और तीन अनुपूरक प्रस्ताव में सभी स्वीकृत किए गए।

ग्रीन कॉरिडोर के निर्माण में उपयोग होगा सुख-सुविधा शुल्क

- शहीद पथ, किसान पथ व ग्रीन कॉरिडोर को विशेष सुख सुविधा के रूप में अधिसूचित कराने का निर्णय लिया गया है। भवन मानचित्रों पर लगने वाले विशेष सुख सुविधा शुल्क में वृद्धि प्रस्तावित की है। ये 250 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये स्क्वायर मीटर शुल्क किया है। मद में प्राप्त होने वाली धनराशि को अवस्थापना निधि की तरह ग्रीन कॉरिडोर (पक्का पुल से डालीगंज तक) के निर्माण में उपयोग किया जाएगा। ऐसा घाटे में चलने के कारण किया है।

साउथ सिटी में यूनीटेक का अनुबंध निरस्त, नहीं पड़ेगा स्टांप शुल्क

- बोर्ड बैठक में रायबरेली रोड पर साउथ सिटी के लिए वर्षों पहले प्राधिकरण एवं मेसर्स यूनीटेक लि के मध्य हुआ अनुबन्ध निरस्त कर दिया है। क्योंकि संबंधित बिल्डर का पता नहीं है। इससे आधी-अधूरी योजना विकसित हो पाई है। वहीं, विभिन्न योजनाओं में आवंटित आश्रयहीन व ईडब्ल्यूएस भवनों के आवंटियों को अन्य योजनाओं में समायोजित करने पर समायोजन तिथि से ब्याज लिया जाएगा। इसके अलावा जिनकी रजिस्ट्री हो चुकी है तो समायोजित भूखंड और फ्लैटों मिलने पर रजिस्ट्री के दौरान स्टाम्प व अन्य शुल्क एलडीए वहन करेगा।

चारबाग में बनेगा बस टर्मिनल, एयपोर्ट का लेआउट स्वीकृत

- चारबाग में उप्र सड़क परिवहन कारपोरेशन को आवंटित भूमि पर निजी विकासकर्ता द्वारा पीपीपी मोड पर बस टर्मिनल का निर्माण कराया जाएगा। महायोजना मार्ग को ले-आउट के अनुसार 30 मीटर चौड़ा करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। क्योंकि इस योजना के लिए 45 मीटर सड़क चौड़ी होने का नियम है। इस वजह से मानचित्र स्वीकृत नहीं हो पा रहा था। वहीं, एयरपोर्ट के 110 एकड़ में ले-आउट प्लान स्वीकृत एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया तथा अडानी लखनऊ इन्टरनेशनल एयरपोर्ट लि के मध्य कन्सेशन एग्रीमेन्ट के माध्यम से संचालन के लिए दिये गये एयरपोर्ट के क्षेत्रान्तर्गत 110 एकड़ क्षेत्रफल में प्रस्तुत ले-आउट प्लान को स्वीकृति दी गई है।

स्ट्रेचर पर पड़ी मरीज निर्मला। अमृत विचार

वीआईपी को हाथों-हाथ, आम मरीज खाएं धक्के

लोहिया संस्थान की ओपीडी से दवा लेने तक मरीजों को लग रहे छह से आठ घंटे

कार्यालय संवाददाता,लखनऊ

अमृत विचार : डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में वीआईपी मरीजों को तो हाथों हाथ लेने की व्यवस्था की जा रही है, लेकिन आम मरीज धक्के खा रहे हैं। ओपीडी से लेकर इमरजेंसी तक आम मरीजों को इलाज के लिए जद्दोजहद करनी पड़ रही है। इमरजेंसी में भर्ती मरीजों तक को बाहर कर दिया जा रहा है। मंगलवार को भी कई मरीजों को ओपीडी में डॉक्टर को दिखने से हॉस्पिटल ब्लॉक में फार्मेसी से सस्ती दर पर दवाएं लेने में मशक्क्त करनी पड़ी। दवा काउंटर पर घंटों नंबर खड़े-खड़े थककर महिलाएं थककर वहीं बैठ गईं। संस्थान के प्रवक्ता डॉ. भुवनचंद्र तिवारी का कहना है किओपीडी में दिखाने के लिए पर्चा जरूरी है। मरीज को कोई परेशानी आती है तो हेल्प डेस्क और पीआरओ से संपर्क कर सकता है। दवा काउंटर बढ़ाए गए हैं, फिर भी दवा मिलने में देरी हो रही है तो इसे दिखवाया जाएगा।

अधूरा इलाज देकर किया इमरजेंसी से बाहर

- बाराबंकी की निर्मला (54) को किडनी की समस्या है। बेटे दिलीप ने बताया सोमवार दोपहर व इलाज के लिए लोहिया संस्थान की इमरजेंसी लाया था। दोपहर करीब 3 बजे इमरजेंसी में मरीज को भर्ती किया गया। रात करीब 9 बजे डॉक्टरों ने ओपीडी में दिखाने की बात कहकर बाहर कर दिया। परिजन पूरी रात संस्थान की ओपीडी में स्ट्रेचर पर लिटाए रखे। मंगलवार सुबह घंटों इंतजार बाद पर्चा बना तब तक देरी हो चुकी थी। डॉक्टर भी ओपीडी से चले गए थे। बेटे का आरोप है इलाज न मिलने पर मरीज को वापस ले गए।

दवा काउंटर की लाइन में थककर बैठीं महिलाएं। अमृत विचार

7 बजे से लाइनों में लगे हैं

- मोहनलालगंज के राजेंद्र यादव ने बताया कि पत्नी सिरोसिस से ग्रसित है। 7 बजे आ गए थे। करीब एक घंटे लाइन में लगने के बाद पर्चा बना। डॉक्टर को दिखने में दो घंटे लग गए। अब दवा के लिए डेढ़ घंटे से लाइन में लगा हूं, उम्मीद है कि एक घंटे में दवा मिल जाएगी।

मरीजों की परेशानी

- गोंडा की मरीज श्रीमती मंगलवार सुबह छह बजे संस्थान के अस्पताल ब्लॉक की ओपीडी में पहुंच गई थीं। दो घंटे के इंतजार बाद उनका पर्चा बना। इसके बाद महिला एक से डेढ़ घंटे बाद डॉक्टर को दिखाकर जांच भी करा ली। हॉस्पिटल ब्लॉक में खुले दवा काउंटर पर दवा लेने के लिए पहुंची। करीब दो घंटे तक वह कतार में खड़े-खड़े थक गई। इसके बाद भी उनका नंबर नहीं आया।
- मोहनलालगंज की रहने वाली महिला संतोष ने बताया वह भी करीब डेढ़ घंटे से दवा काउंटर की कतार में लगी हैं। इसके बाद भी उनका नंबर नहीं आया है।

बीमार पति के साथ अनीता।

ओपीडी बाहर के जमीन पर तड़पता रहा मरीज

गोसाईगंज के मरीज पवन कुमार को लेकर परिजन मंगलवार सुबह हॉस्पिटल ब्लॉक की ओपीडी में लाए थे। पर्चा काउंटर पर लंबी कतार होने की वजह से मरीज ओपीडी के बाहर गेट पर पड़ा तड़प रहा था। मरीज का बीपी संग शुगर बढ़ा हुआ था। पत्नी अनीता ने बताया सुबह 10 बजे आए थे, दो घंटे कतार में लगे रहे मगर पर्चा नहीं बन सका।

सिटी ब्रीफ

जालसाजों ने दो के खाते से उड़ाए 1.28 लाख

अमृत विचार, लखनऊ : साइबर जालसाज ने कस्टमर केयर कर्मी बनकर बुजुर्ग समेत दो के खातों से 1.28 लाख रुपये उड़ा लिए। पीड़ितों ने जानकीपुरम और गोमतीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जानकीपुरम सेक्टर-एफ निवासी राकेश कुमार ने बताया कि पुरनिया में डॉ. डीपी सिंह को दिखाने के लिए गूगल पर नंबर सर्च कर अपाइंटमेंट के लिए कॉल की। फोन के पीछे मौजूद शख्स ने लिंक भेज अपाइंटमेंट लेने को कहा। पीड़ित ने जैसे ही लिंक ओपन किया तो खाते से दो बार में 68 हजार रुपये पार कर दिए। पीड़ित ने साइबर क्राइम सेल में शिकायत की है। वहीं, गोमतीनगर के विपुल खंड-3 निवासी रामपाल वर्मा ने बताया कि टाटा वन एमजी से राइजोडेक इंसुलिन खरीदा था। इंसुलिन का प्रयोग करने पर पता चला कि उसकी कार्टेज काम नहीं कर रही है। पीड़ित ने कस्टमर केयर पर कॉल की तो एप डाउनलोड कराई गई। उसके बाद रिफंड का झांसा देकर खाते से 59,908 रुपये निकाल लिए।

बच्ची के दुष्कर्मी को उम्रकैद

अगवा कर दुराचार करने के मामले में ठहराया दोषी

विधि संवाददाता,लखनऊ,

अमृत विचार: शादी समारोह से सात साल की बच्ची को अगवा कर उसके साथ दुराचार करने के एक मामले में दोषी ठहराते हुए, पॉक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश आशुतोष कुमार सिंह ने सरोजनी नगर थाने के शांति नगर निवासी मोहित कुमार को उम्र कैद की सजा की अलावा चालीस हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया है।

अभियोजन की ओर से विशेष अधिवक्ता विनय तिवारी व अनुपमा श्रीवास्तव ने अदालत को बताया कि इस मामले की रिपोर्ट पीड़िता के पिता द्वारा 18 अप्रैल 2019 को सरोजनी नगर थाने में दर्ज कराई गई थी जिसमें कहा गया कि वह 17 अप्रैल 2019 को रात करीब 9 बजे पूरे परिवार के साथ जेपी लॉन में शादी समारोह में गया हुआ था।

अदालत को बताया गया कि वहीं पर उसकी सात साल की बेटी को अज्ञात व्यक्ति ले गया था जिसे उसके रिश्तेदारों ने जाते हुए देखा था तथा घर वालों को बताया था। अदालत को बताया गया कि जब वादी अपनी बेटी को ढूंढ रहा था तभी सूचना पर पुलिस वाले भी आ गए। इस दौरान एक व्यक्ति अपनी मोटर साइकिल व पीड़िता को छोड़कर भागने लगा जिसका पीछा किया गया परन्तु वह नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की मोटर साइकिल के नंबर के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया। अदालत ने अपने निर्णय में कहा है कि आरोपी पर लगाए गए जुर्माने की संपूर्ण धनराशि पीड़िता को उसके चिकित्सीय एवं मानसिक आघात की पूर्ति के लिए नियमानुसार दी जाएगी।

विवाहित स्त्री से प्रेमी द्वारा विवाह न करना अपराध नहीं

विधि संवाददाता,लखनऊ,

- हाईकोर्ट ने विवाहिता के दुराचार के आरोप से उन्मोचन के आदेश को रखा बरकरार

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने अपने एक निर्णय में स्पष्ट किया है कि विवाहित महिला से उसके प्रेमी द्वारा कथित तौर पर वादा करने के बावजूद विवाह न करना कोई अपराध या अवैधानिकता नहीं है, विशेष तौर पर तब जबकि उक्त स्त्री का अपने पति के साथ विवाह विच्छेद भी नहीं हुआ है। न्यायालय ने इस टिप्पणी के साथ सत्र अदालत के उस आदेश को विधिपूर्ण करार दिया है जिसमें अदालत ने अभियुक्त को दुराचार व भ्रूण हत्याके आरोप से उन्मोचित कर दिया था।

यह निर्णय न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थीकी एकल पीठ ने पीड़िता की याचिका पर पारित किया। याचिका में सत्र अदालत के 2 जून 2025 के आदेश को चुनौती दी गई थी, उक्त आदेश द्वारा अदालत ने अभियुक्त को दुराचार और भ्रूणहत्या के आरोप से उन्मोचित कर दिया तथा मात्र गाली-गलौज, धमकी व एससी-एसटी एक्ट केतहत अभियुक्त पर आरोप तय किया। न्यायालय ने पाया कि नवंबर 2023 में पीड़िता द्वारा लिखायी गई एफआईआर में कहा गया था कि सात साल पूर्व पीड़िता की अभियुक्त से प्रेम पर हो गया तथा इस दौरान दोनों के बीच बने संबंधों से पीड़िता गर्भवती भी हुई लेकिन अभियुक्त नेदवा देकर उसका गर्भपात करा दिया, तत्पश्चात पीड़िता का अन्यत्र विवाह हो गया लेकिन अभियुक्त उसे विवाह का झांसा देता रहा व विवाह का उक्त झूठा वादा करके उसने पीड़िता के साथ उस सम्बंध बनाए लेकिन बाद में विवाह से इंकार कर दिया। सत्र अदालत ने अभियुक्तको उन्मोचित करते हुए अपने आदेश में कहा कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध साक्ष्यों से यह स्पष्ट है कि पीड़िता ने अपनी मर्जी से अभियुक्त के साथ सम्बंध बनाए, इसमें दुराचार जैसी कोई घटना नहीं घटित हुई। सत्र अदालत ने भ्रूण हत्या के आरोप पर पाया कि अल्ट्रासाउंड दाखिल किया गया है लेकिन उस पर तिथि नहीं अंकित है, पीड़िता शादीशुदा है, ऐसे में यही मानाजाएगा कि पीड़िता अपने पति से गर्भवती हुई थी। 'अभियुक्त ने विवाह न करके कोई अपराध नहीं कारित किया'

सत्र अदालत ने प्रश्नगत आदेश में यह भी टिप्पणी की कि पीड़िता ने शादीशुदा होते हुए,बिना विवाह विच्छेद कराए, अभियुक्त से सम्बंध बनाए, यदि आईपीसी की धारा 497 असंवैधानिकन घोषित हुयी होती तो पीड़िता पर इसके तहत अपराध कारित करने का आरोप होता। वहीं हाईकोर्टने अपने निर्णय में कहा कि एक विवाहिता से विवाह न कर के अभियुक्त ने कोई अवैधानिकतानहीं कारित की है।

बाइक मैकेनिक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

अमृत विचार, चिनहट: थाना क्षेत्र के कंचनपुर मटियारी स्थित राधापुरम कॉलोनी निवासी बाइक मैकेनिक अमित कुमार वर्मा (23) ने मंगलवार सुबह घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि परिजन अमित को फंदे से उतारकर राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर का कहना है कि आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल सका है।

सर्राफ की दुकान से 700 ग्राम सोना लेकर कारीगर फरार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

फुटेज में हाथ में नीले रंग का पैकेट ले जाता दिखा कर्मचारी। अमृत विचार

अमृत विचार: चौक स्थित पन्ना लाल मार्केट में ज्वैलर्स धर्मेंद्र की दुकान से उनका कारीगर 700 सोने के जेवर लेकर फरार हो गया। जानकारी होने पर उन्होंने चौक कोतवाली में मंगलवार को तहरीर दी है। जेवर को नीले रंग के पैकेट ले जा रहा कारीगर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। पीड़ित ने मामले की तहरीर चौक कोतवाली में तहरीर दी। पुलिस तहरीर के आधार पर आरोपी की तलाश में जुट गयी है।

यहियागंज के रहने वाले सर्राफ धर्मेंद्र की बान वाली गली की पन्ना लाल मार्केट में आभूषण की दुकान है। उन्होंने बताया कि कई साल से सिटी स्टेशन के पास गढ़इया का रहने वाला अनिल चौधरी उनकी दुकान में काम करता था। उसी में उनका ज्वैलरी बनाने का कारखाना है। सोमवार दोपहर कारीगर खाना खाने के लिए गए थे। इस बीच अनिल पहुंचा और उसने करीब 700 ग्राम सोने के जेवर एक पैकेट में रखे। उसके बाद नीले रंग के थैले में पैकेट लेकर फरार हो गया।

- पीड़ित ने चौक कोतवाली में दी तहरीर

खाने से लौटने पर कारीगरों ने जेवर कम होने पर जानकारी दी। कैमरों की पड़ताल की गई तो अनिल काली शर्ट और आसमानी जींस पहने हुए हाथ में पैकेट पकड़े दिखा। जेवर की कीमत करीब 55 लाख रुपये है। पीड़ित ने बताया कि अनिल पूर्व भी कई बार ज्वैलरी चुराई है। पीड़ित ने मामले की शिकायत चौक कोतवाली में की। इंस्पेक्टर चौक नागेश उपाध्याय ने बताया कि अनिल के खिलाफ तहरीर मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

मंदिर में मूर्तियां और मुकुट चोरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: नगराम के चार धाम मंदिर में सोमवार देर रात चोरों ने मूर्तियां व चांदी के मुकुट पर हाथ साफ कर दिया। सीसी कैमरे में दो नकाबपोश चोर कैद हुए हैं। वहीं, बक्शी का तालाब में दुकान और ठाकुरगंज में मकान का ताला तोड़कर चोरों ने नकदी व जेवर समेत लाखों के माल पर हाथ साफ कर दिया है। पुलिस आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

नगराम के तमोरिया गांव स्थित चार धाम मंदिर में सोमवार देर रात चोरों ने मूर्तियां और हनुमान जी का चांदी का मुकुट पार कर दिया। मंगलवार सुबह मंदिर में रहने वाले पुजारी सत्यनारायण दास की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। सीसीटीवी फुटेज में देर रात करीब 2 बजे दो नकाबपोश चोर मंदिर में दाखिल होते कैद हुए हैं। एसओ नगराम विवेक कुमार चौधरी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

वहीं, बक्शी का तालाब के शिवपुरी मानपुर निवासी अतीक की संसारपुर चौराहे के पास परचून की दुकान है। उन्होंने बताया कि 30 जुलाई की देर रात चोरों ने दुकान की जाली काट कर गोदाम में घुस कर करीब तीन लाख रुपये का सामान चोरी कर लिया। अगले दिन दुकान पहुंचने पर अतीक को जानकारी हुई। उधर, ठाकुरगंज के न्यू हैदरगंज निवासी मो. युसूफ 19 जुलाई शाम करीब पांच बजे घर में ताला लगाकर परिवार संग रिश्तेदार के घर गए थे।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
मो0-9696715133

सूचना

मैने अपना नाम RAHUL से बदलकर RAHUL NISHAD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-DHEERENDRA KUMAR NISHAD ADD-BENSING PURWA BAHUVAN MADAR MANJHA PURE AJAB DIST-GONDA-271504 (U.P)

सूचना

मैने अपना नाम MAIRAJ से बदलकर MAIRAJ KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MAINUDDIN ADD-TURANTI PURWA VIJAY GARHWA POST-PURE BASALAT DIST-GONDA-271603 (U.P)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी द्वारा कराई गई भारतीय जीवन बीमा निगम मे पालिसी संख्या 218341640 के पालिसी बांड मे प्रार्थिनी का नाम इनामुल निशा दर्शाया गया है, जबकि आधार कार्ड एवं बैंक खाता मे प्रार्थिनी का नाम अमीना अंकित है। दोनों नाम मेरा ही है। **प्रार्थिनी इनामुल निशा उर्फ अमीना पत्नी तकरार अली निवासिनी ग्राम मंगलनगर, पोस्ट–भैरमपुर, जिला–गोंडा (उप्र)**

सूचना

यह कि मैरे पुत्र मो. आलम का चाल चलन सही न होने कारण उससे संबध विच्छेद करते हुए चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया। अब उसके द्वारा किए गए किसी कार्य से मेरी कोई जिम्मेदारी नही है वह अपने कार्यो का स्वंय जिम्मेदार होगा। **नविशेर शेख पुत्र रफीक निवासी निस्तौली थाना ठठिया जनपद कन्नौज**

सूचना

मेरा नाम प्रांजलि त्रिपाठी से बदलकर प्रांजल त्रिपाठी हो गया है। मुझे प्रांजल त्रिपाठी नाम से जाना पहचाना/लिखा जाएगा। **प्रांजल त्रिपाठी पुत्र डा. पाटेश्वरी प्रसाद त्रिपाठी, 87 धुसाह, बलरामपुर।**

सूचना

मैने अपना नाम (IRAFAN) इरफान से बदलकर (MOHD IRFAN) मो0 इरफान रख लिया अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **मो0 इरफान पुत्र श्री सुलेमान पता–4/82 रामनगर–4 बाराबंकी उत्तर प्रदेश**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं प्राची जैन आयु लगभग 31 वर्ष पत्नी रजत जैन निवासी ए–41, वैदेही नगर कालोनी तहसील सदर जिला अयोध्या सशपथ बयान करती हूं कि मेरे हाई स्कूल प्रमाण पत्र में मेरे पिता का नाम DILIP KUMAR JAIN दर्ज है। जबकि मेरे पिता के आधार कार्ड में पिता का नाम DILEEP KUMAR JAIN दर्ज है। मेरे हाई स्कूल प्रमाण पत्र में एवं पिता के आधार कार्ड में दर्ज दोनों नाम एक ही व्यक्ति यानी प्राची जैन के पिता का नाम है तथा दोनों नाम सत्य एवं सही है। अतः मेरे पिता का नाम आधार कार्ड के अनुसार ही मान्य होगा।
शपथी – प्राची जैन पत्नी रजत जैन, पता उपरोक्त

सूचना

मैं **सौम्य तिवारी** (Saumy Tiwari) **पुत्र विनय कुमार तिवारी, निवासी– एकता नगर कल्ली पश्चिम, रायबरेली रोड, जिला लखनऊ, उ0प्र0 ,** मेरे शैक्षणिक अभिलेखों में मेरा नाम Saumya Tiwari अंकित है जबकि आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र में मेरा नाम Saumy Tiwari अंकित हैं, जो कि सत्य व सही है। अतः मेरे शैक्षणिक अभिलेखों में मेरा सही नाम Saumy Tiwari अंकित किया जाय।

सूचना

मैं **अरुण कुमार मिश्रा, पुत्र राज कुमार मिश्रा, निवासी 3/96 गांधी नगर, शुक्लागंज नेतुआ, गंगाघाट, जिला उन्नाव,** यह सूचित करता हूँ कि मेरे पुत्र अकुल मिश्रा की हाईस्कूल (10वीं) की अंकपत्र (मार्कशीट) रोल नंबर 1241126321 की मूल प्रति दिनांक 17.01.2025 को रास्ते में गिरकर गुम हो गई है। यदि किसी को यह दस्तावेज़ प्राप्त हो तो कृपया उपरोक्त पते या मोबाइल नंबर 8707080655 पर संपर्क करें।

सूचना

मैं, **सुनील शर्मा, पुत्र स्व. रामशंकर शर्मा, निवासी कंचन नगर बी, शुक्लागंज, थाना गंगाघाट, जिला उन्नाव,** यह घोषित करता हूँ कि मैंने अपने पुत्र जीतेश शर्मा एवं पुत्रवधू तान्या शर्मा को उनके गलत आचरण, अमर्यादित व्यवहार एवं पारिवारिक विवादों के चलते अपने सभी चल–अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उनके द्वारा किए गए किसी भी कार्य, लेन–देन एवं व्यवहार से मेरा तथा मेरे परिवार का कोई संबंध नहीं रहेगा।

सूचना

मेरा पुत्र सत्यजीत उर्फ सचिन भदौरिया व पुत्रवधू शालू का शादी के बाद से चाल चलन अच्छा नहीं रहा। ससुराली जनों के कहने पर वह मुझे व मेरी पत्नी को प्रतिदिन प्रताडित करता है। जिससे पूरा परिवार तनाव में है इसलिए हम लोग सत्य जीत उर्फ सचिन व पुत्रवधू शालू को अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है। इनके द्वारा किए गये लेन देन से हम लोग जिम्मेदार नहीं होगें। **सुरेश सिंह भदौरिया पुत्र विश्वनाथ सिंह, प्रवंचना पत्नी सुरेश भदौरिया, निवासी– 637 अजीत नगर फेंड्स कालोनी इटावा, मो0– 9045791204**

सूचना

यह सूचित किया जाता है कि मैंने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (UP Board) से हाईस्कूल (10वीं) वर्ष 2009, रोल नंबर: 1936301 तथा इंटरमीडिएट (12वीं) वर्ष 2011, रोल नंबर: 0747018 की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। मेरी हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की मूल मार्कशीट (Original Marksheet) कहीं गुम/खो गई है। काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिली है। यदि किसी व्यक्ति को यह दस्तावेज प्राप्त हो तो कृपया नीचे दिए गए पते या मोबाइल नंबर पर संपर्क करें। ANIL KUMAR HAUSHILA PRASAD HARIJAN BASTI, SHAHGARH, AMETHI, 227411, मोबाइल नंबर: 7985275480, 8948095992

CORRECTION OF NAME

I Shalini Maurya (incorrect name) (Daughter's High School Marksheet). Residing at Saryou Nagar, Bahraich (dehat), Uttar Pradesh - 271801. Here by declare that there is a mistake in my daughter's High School Report card. So I want to correct it as Shalini Devi (correct name). Adhar number (6056 5545 8524) W/O. Nirmal Kumar Maurya.

सूचना

मेरा पुत्र सत्यजीत उर्फ सचिन भदौरिया व पुत्रवधू शालू का शादी के बाद से चाल चलन अच्छा नहीं रहा। ससुराली जनों के कहने पर वह मुझे व मेरी पत्नी को प्रतिदिन प्रताडित करता है। जिससे पूरा परिवार तनाव में है इसलिए हम लोग सत्य जीत उर्फ सचिन व पुत्रवधू शालू को अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है। इनके द्वारा किए गये लेन देन से हम लोग जिम्मेदार नहीं होगें। **सुरेश सिंह भदौरिया पुत्र विश्वनाथ सिंह, प्रवंचना पत्नी सुरेश भदौरिया, निवासी– 637 अजीत नगर फेंड्स कालोनी इटावा, मो0– 9045791204**

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I ALOK KUMAR DWIVEDI S/O VED PRAKASH DWIVEDI R/O 18, PACHAUR, FARRUKHABAD, TALGRAM RURAL, KANNAUJ, UTTAR PRADESH-209731 declare that name of my my minor son have been wrongly written as AYUSH DWIVEDI in my minor son namely AYUSHMAN ALOK DWIVEDI aged 16 years in his aadhaar card No. 2701 0696 5276. The actual name of my minor son is AYUSHMAN ALOK DWIVEDI which may be amended accordingly.

शेयर ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर कारोबारी से ऐंठे 1.77 करोड़

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: अमृत विचार, लखनऊ : शेयर ट्रेडिंग में निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर साइबर ठग ने मूल रूप से बाराबंकी के सफेदाबाद निवासी कारोबारी से 1.77 करोड़ रुपये ऐंठ लिए। जालसाज ने युवती बनकर पहले व्हाट्सएप मैसेज भेजकर दोस्ती की। उसके बाद ट्रेडिंग पर निवेश के नाम पर फंसाया। फिर लिंक भेजकर 22 बार में रुपये जमा करा लिए। मुनाफा न मिलने पर पीड़ित ने पड़ताल की तो ठगी का पता चला। कारोबारी ने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर बृजेश यादव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

अंसल निदेशकों ने प्लॉट व फ्लैट के नाम पर ठगे 1 करोड़

अमृत विचार, लखनऊ: आवासीय योजना के नाम पर अरबों का फर्जीवाड़ा करने वाले अंसल निदेशकों व अन्य के खिलाफ सुशांत गोल्फ सिटी थाने में आठ और रिपोर्ट दर्ज की गई हैं। पीड़ितों ने फ्लैट और प्लॉट के नाम पर 99.96 लाख की ठगी का आरोप लगाया है। पीड़ित देहरादून और लखनऊ के रहने हैं। इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह ने बताया कि मामलों की जांच की जा रही है।

स्कूल में तीसरी मंजिल से गिरी डिप्टी एसपी की बेटी, गंभीर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मार्डन अकादमी में मंगलवार सुबह हुई घटना, पेड़ पर गिरने से बची जान
- दायें पैर की हड्डीम टूटी, कमर में गंभीर चोट के कारण जान पर खतरा

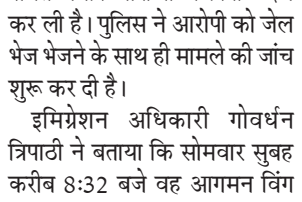

फुटेज की जांच करते पुलिसकर्मी।

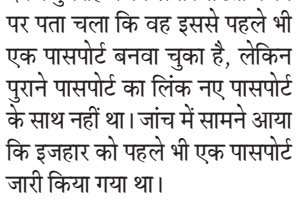

विद्यालय परिसर, जहां हुआ हादसा।

अमृत विचार: गोमती नगर स्थित माडर्न अकादमी की हाई स्कूल की छात्रा आस्था सिंह सुबह अचानक से स्कूल की तीसरी मंजिल से गिर गई। आनन-फानन स्कूल प्रशासन ने घायल छात्रा को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने छात्रा का इलाज शुरू किया। छात्रा के पिता संतोष सिंह उन्नाव के बांगरमऊ सीओ के पद पर तैनात है। परिजन अस्पताल में पहुंच गये हैं। डॉक्टर के मुताबिक छत से गिरने के कारण छात्रा के पैर की हड्डी टूटी और इंटरनल ब्लीडिंग के कारण आईसीयू में रखा गया है।

मूलतः वाराणसी के रहने वाले संतोष सिंह कठौता झील के पास परिवार के साथ रहते हैं। उनकी बेटी आस्था सिंह माडर्न अकादमी में हाई स्कूल की छात्रा है। मंगलवार को कॉलेज के ग्राउंड में स्वतंत्रा दिवस की तैयारी का रिहर्सल चल रहा था। पिता संतोष के मुताबिक मंगलवार सुबह करीब 9.15 बजे के आसपास स्कूल प्रशासन ने बच्ची की गिरने की सूचना फोन पर दी थी। स्कूल प्रशासन ने बताया कि आस्था तीसरी मंजिल की रेलिंग पर खड़े होकर के नीचे ग्राउंड फ्लोर पर 15 अगस्त की तैयारी को लेकर बच्चों का रिहर्सल चल रहा था, वह उसी को देख रही थी। तभी अचानक से वह नीचे गिर गई और नीचे गिरते समय वह नीचे वालों पेड़ पर उलझ गई और फिर नीचे गिरी जिसके कारण उसके दाएं पैर की हड्डी, बाएं पैर की हड्डी दो जगह से टूटी है और कमर की हड्डी भी टूट गई है। उन्होंने बताया कि बच्ची का कोई भी मेडिकल बैकग्राउंड नहीं है। वह रोज की तरह ही स्कूल गई थी। घटना को लेकर स्कूल प्रशासन व पुलिस में किसी भी तरह की शिकायत दर्ज करने से इनकार किया है। छात्रा के छत से गिरने की खबर मिलते ही स्कूल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

35 लाख रुपये के 221 मोबाइल किए वापस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

मोबाइल पाने वालों के साथ पुलिस अधीक्षक रेलवे रोहित मिश्रा। अमृत विचार

अमृत विचार: जीआरपी लखनऊ द्वारा यात्रियों के खोये हुए 35 लाख रुपये के 221 मोबाइल उनके स्वामियों मंगलवार को वापस किया गया। पुलिस अधीक्षक रेलवे लखनऊ रोहित मिश्रा ने बताया कि पुलिस उपाधीक्षक प्रथम अमित कुमार सिंह एवं पुलिस उपाधीक्षक द्वितीय हृषीकेश यादव और जीआरपी अनुभाग लखनऊ के समस्त थाना प्रभारी व चौकी प्रभारी के नेतृत्व में गुमशुदा मोबाइल की बरामदगी के लिए विशेष अभियान चलाया गया। जिसके तहत विभिन्न प्रदेश के जनपद एवं अन्य राज्यों से गुम हुए 221 अदद मोबाइल स्क्रीन टच बरामद किया गया। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत लगभग 35 लाख रुपये है, मोबाइल स्वामियों को जीआरपी अनुभाग लखनऊ के संगोष्ठी भवन में बुलाकर उनसे आवश्यक प्रपत्र लेकर उनके मोबाइल वापस कर दिए गए।

टूरिस्ट वीजा खत्म होने के आठ माह बाद दुबई से पहुंचा लखनऊ, गिरफ्तार

अमृत विचार , सरोजनीनगर: चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को इमिग्रेशन अधिकारी ने जांच के दौरान दुबई से आए एक यात्री को पुराने पासपोर्ट की जानकारी छिपाकर दूसरा पासपोर्ट बनवाने के आरोप में पकड़ा गया। पूछताछ के बाद इमिग्रेशन अधिकारियों ने उसे सरोजनीनगर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने पासपोर्ट अधिनियम और धोखाधड़ी समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज भेजने के साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है।

इमिग्रेशन अधिकारी गोवर्धन त्रिपाठी ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 8:32 बजे वह आगमन विंग में काउंटर संख्या A-27 पर मौजूद थे। तभी दुबई से आई एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट (आईएक्स-194) से यात्री मोहम्मद इजहार इमिग्रेशन क्लीयरेंस के लिए पहुंचा। जांच में पाया गया कि यात्री 12 नवंबर 2024 को पर्यटन वीजा पर दुबई गया था, लेकिन वह वीजा अवधि के दौरान वापस नहीं लौटा। 8 महीने बाद 4 अगस्त वापस लौटने पर उससे पूछताछ की गई तो गलत जानकारी देकर गुमराह करने लगा। सख्ती करने पर पता चला कि वह इससे पहले भी एक पासपोर्ट बनवा चुका है, लेकिन पुराने पासपोर्ट का लिंक नए पासपोर्ट के साथ नहीं था। जांच में सामने आया कि इजहार को पहले भी एक पासपोर्ट जारी किया गया था।

सड़क पार कर रहे मोटर कर्मी को अज्ञात वाहन ने रौंदा

अमृत विचार, चिनहट: बीबीडी स्थित तिवारीगंज मोड़ पर मंगलवार सुबह सड़क पार कर रहे पुनीत ऑटो मोबाइल के कर्मचारी सुनील (40) को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल सुनील को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर राम सिंह ने बताया कि मृतक ग्राम रामपुर दादरा थाना सफदरगंज बाराबंकी का रहने वाला था। पुलिस ने जेब में मिले मोबाइल से परिजन को सूचना देने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

भेजा जाएगा नोटिस | भाई ने बहन की हत्या व प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए दर्ज कराई थी रिपोर्ट

सीआईडी के एएसपी व परिवार के दर्ज होंगे बयान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल व व्हाट्एसप चैट के आधार पर हत्या समेत अन्य बिंदुओं पर जांच शुरू
- पुलिस लाइन आवास में फंदे पर लटका मिला था एएसपी की पत्नी का शव

नीतेश सिंह (फाइल फोटो)

अमृत विचार: रिजर्व पुलिस लाइन के ट्रांजिट हॉस्टल में नीतेश सिंह की मौत के मामले में महानगर पुलिस हत्या समेत सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। सोमवार को पुलिस ने मृतका के भाई की तहरीर पर सीआईडी में तैनात एएसपी मुकेश प्रताप सिंह, पिता, तहसीलदार भाई, मां और बहन के खिलाफ हत्या व प्रताड़ना की रिपोर्ट दर्ज की थी। सीसी फुटेज, कॉल डिटेल व व्हाट्एसप चैट के आधार पर जांच कर रही पुलिस जल्द ही आरोपियों को बयान दर्ज कराने के लिए नोटिस भेजेगी।

इंस्पेक्टर महानगर अखिलेश कुमार मिश्र ने बताया कि नामजद आरोपियों के बयान से पहले केस के वादी और मृतका के भाई प्रमोद कुमार के बयान दर्ज किए जाएंगे। मामले की जांच की जा रही है। गठित जांच टीम में शामिल पुलिस एएसपी के घर के सीसी कैमरे की फुटेज का अवलोकन करेगी। इसके साथ ही घटनास्थल का दोबारा निरीक्षण किया जाएगा। विधि विज्ञान प्रयोगशाला को घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों की रिपोर्ट जल्द देने के लिए पत्र भेजा जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बताते चलें कि 30 जुलाई को एएसपी की पत्नी नीतेश का शव घर के अंदर फंदे पर लटका मिला था। अंतिम संस्कार करने के बाद मृतका के भाई प्रमोद ने शनिवार को महानगर कोतवाली में तहरीर दी थी। सोमवार को महानगर पुलिस ने एएसपी मुकेश प्रताप सिंह, उनके पिता रमेश चंद्र, मां सुधार, तहसीलदार भाई अनुभव और बहन आस्था के खिलाफ हत्या और प्रताड़ना की रिपोर्ट दर्ज की थी। प्रमोद ने आरोप लगाया था कि एएसपी की कृषि विभाग में तैनात एक महिला से प्रेम प्रसंग हैं। उसी के चलते वह बहन को परेशान करते थे। मारपीट करते और तलाक की धमकी देते थे।

शाइन सिटी के सीएमडी समेत चार पर एफआईआर

अमृत विचार, लखनऊ: गोमतीनगर थाने में शाइन सिटी के सीएमडी राशिद नसीम, उसके भाई आसिफ नसीम और दो रिश्तेदारों के खिलाफ जालसाजी की रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वकील व इंवेस्टर काउंसिल सत्येंद्र नाथ श्रीवास्तव ने बताया कि वह शाइन सिटी के खिलाफ निवेशकों की ओर से लगातार कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। राशिद नसीम का हेड ऑफिस में उनकी वजह से ही ताला लगा है। आरोप है कि राशिद नसीम, आसिफ नसीम अपने परिवार वालों के साथ मिलकर लगातार उन्हें और उनके साथियों मृदुल त्रिपाठी, ऋषभ राज तथा मनोज कुमार को फंसाने के लिए फर्जीवाड़ा कर रहा है। आरोपी जाली दस्तावेज तैयार कर उसे फेसबुक पर पोस्ट कर रहे हैं। आसिफ नसीम के साले काशिर जिलानी ने दो आधार कार्ड बनवा रखे हैं। आरोपी जाली दस्तावेज तैयार कर उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। अधिवक्ता ने डीसीपी पूर्वी से मामले की शिकायत की। जांच के बाद गोमतीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज किया गया है।

आसिफी इमामबाड़े में निकला 72 ताबूत का जुलूस

हजारों अजादारों का उमड़ा हुजूम, कर्बला के शहीदों के ताबूतों पर महिलाओं ने चढ़ाईं फूलों की चादर और दिया आंसुओं का नजराना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: हजरत इमाम हुसैन की मासूम बेटी जनाबे सकीना की शहादत के मौके पर एतिहासिक आसिफी इमामबाड़े में मंगलवार को कर्बला के 72 शहीदों के ताबूत का जुलूस निकाला गया। ताबूतों की जियारत के लिए इमामबाड़ा परिसर में हजारों अजादारों का हुजूम उमड़ पड़ा।

मौलाना तकी रजा ने असिफी इमामबाड़े में मजलिस को खिताब किया। मौलाना ने मजलिस में यूं तो कई शहीदों का जिक्र किया लेकिन हजरत इमाम हुसैन की 4 साल की बेटी पर हुए जुल्मों की दास्तान सुनाई तो लोग फूट-फूटकर रो पड़े। मासूम बच्ची के कान से खींचकर उनके जेबर उतार लिए गये। मासूम बच्ची के गल पर तमाचे मारे गये। भूखी प्यासी बच्ची को कर्बला से शाम तक ले जाया गया। बच्ची पर इतने जुल्म हुए कि उन्होंने कैदखाने में ही दम तोड़ दिया।

मजलिस के बाद ताबूत निकलने का सिलसिला शुरू हुआ। जैसे-जैसे ताबूत इमामबाड़े से बाहर आते रहे इरम आब्दी यह परिचय कराते रहे कि यह किस शहीद का ताबूत है। ताबूतों के साथ-साथ हजरत अब्बास का अलम, हजरत इमाम हुसैन का घोड़ा जुलजनाह, 6 महीने के हजरत अली असगर का झूला भी इस जुलूस का हिस्सा बना।

ऐतिहासिक बड़े इमामबाड़े से अंजुमन ए शब्बीरिया की ओर से निकाले गए 72 ताबूत के जुलूस में शामिल अजादार। अमृत विचार

कासिम शहीद बाबा का उर्स आज से

- **अमृत विचार, लखनऊ:** दिलकुशा गार्डन के विलायती बाग़ स्थित हजरत कासिम शहीद बाबा का तीन दिवसीय सालाना उर्स बुधवार 6 अगस्त को शाम 6:30 बजे शुरू होगा। सज्जादानशीन जुबैर अहमद खान ने बताया कि उर्स 11, 12 व 13 सफ़र को मनाया जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 6,7 व 8 अगस्त को होगा। जिसमें मौलाना सैय्यद अंसार, कारी जमील, हाफिज शहजाद, हाफिज मोहम्मद अली, मोहम्मद तारिक, मोहम्मद सद्दाम और हाफिज जलीस खिताब करेंगे। इसके बाद सज्जादानशीन के घर से सरकारी चादर लेकर जायरीन दरगाह में कव्वाली के साथ चढ़ाई जाएगी।

दहकती आग पर किया मातम

- 10 सफ़र को रात 8 बजे दरियावाली मस्जिद में मौलाना इकरार रजा आब्दी ने मजलिस को ख़िताब किया। मजलिस के बाद आग पर मातम शुरू हुआ। आग पर मातम की तैयारियां दो दिन पहले ही शुरू कर दी गई थी। लगातार हो रही बरसात के मद्देनजर वाटरप्रूफ पंडाल का इंतजाम किया गया था। शाम से ही आग दहकाने का काम शुरू कर दिया गया था। मजलिस के बाद हाथों में अलम लेकर अजादार दहकती आग पर या हुसैन की सदाएं बुलंद करते हुए गुजर गए। उधर गोलागंज स्थित मकबरा-ए-आलिया में मौलाना मिर्जा अनवर हुसैन ने मजलिस को खिताब किया। मजलिस के बाद बड़ी संख्या में अजादार हाथों में अलम लिए या हुसैन या अब्बास की सदाएं बुलंद करते हुए दहकती हुई आग पर से गुजर गए। मकबरा-ए-आलिया में इस मौके पर 18 बनी हाशिम के ताबूत, हजरत अब्बास का अलम, हजरत अली असगर का झूला और हजरत इमाम हुसैन के जुलजनाह की जियारत करायी गयी। यह आयोजन अंजुमन दस्ता-ए-कश्मीरी ने किया था।

गोलागंज स्थित मकबरा आलिया में आग पर मातम करते अजादार। अमृत विचार

रक्षाबंधन पर भद्रा नहीं, बहनें पूरा दिन बांध सकेंगी राखी

अमृत विचार, लखनऊ: इस बार रक्षाबंधन पर भद्रा का योग नहीं है, इससे भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के लिए पूरा दिन शुभ रहेगा। हालांकि राखी बांधने का उत्तम समय दोपहर र 1:24 बजे तक ही रहेगा। रक्षाबंधन सावन की पूर्णिमा यानी शनिवार 9 अगस्त को मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि पूर्णिमा तिथि 8 अगस्त दोपहर 2:12 बजे लग जाएगी और 9 अगस्त दोपहर 1:24 बजे तक रहेगी। भद्रा 8 अगस्त को दोपहर 2:12 बजे से देर रात 1:52 बजे समाप्त हो जाएगी। 9 अगस्त को सुबह 5:47 बजे से दोपहर 1:24 बजे तक राखी बांधने का उत्तम समय रहेगा। इस बार रक्षाबंधन पर सौभाग्य योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और श्रवण नक्षत्र का भी विशेष संयोग बन रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग 9 अगस्त को सुबह 5:47 से दोपहर 2:23 बजे तक प्रभावी रहेगा। सौभाग्य योग 9 अगस्त से 10 अगस्त को रात 2:15 बजे तक रहेगा। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जब भगवान श्रीकृष्ण के हाथ में चोट लगी थी, तब द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर उनके हाथ में बांधा था। श्रीकृष्ण ने उसे रक्षा सूत्र मानते हुए द्रौपदी की लाज की रक्षा की थी। इस दिन बहनें भाई को राखी बांधकर उसकी लंबी उम्र की कामना करने के साथ रक्षा का वचन लेती हैं।

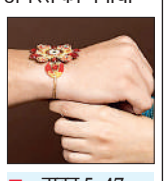

- सुबह 5:47 बजे से दोपहर 1:24 बजे तक उत्तम समय

सिटी ब्रीफ

चौक डिपो के समाचार पत्र वितरक का निधन

जितेन्द्र साहू

अमृत विचार, लखनऊ: चौक डिपो के वरिष्ठ समाचार पत्र वितरक जितेंद्र साहू (47) का 5 अगस्त सुबह 9:45 बजे आकस्मिक निधन हो गया। उनके पिता स्वर्गीय सिद्धनाथ साहू नाई बाड़ा निवासी थे। अंतिम संस्कार गुलाला घाट में किया गया। इस अवसर पर डिपो अध्यक्ष प्रदीप कुमार वर्मा सहित राजेंद्र सिंह, सत्य प्रकाश दीक्षित, उमाशंकर मिश्रा, संजय अवस्थी, गोपाल नाथ शर्मा समेत कई वितरक व प्रेस प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित कर ईश्वर से परिवार को दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

बुद्धेश्वर धाम पैदल यात्रा आज

अमृत विचार, लखनऊ: 22वीं बुद्धेश्वर धाम पैदल यात्रा बुधवार को दोपहर 2 बजे मंगल बाबा आश्रम जेहटा से शुरु होगी। यह यात्रा पुरोहित बोर्ड के गठन और स्थानधारी संतों की पेंशन की मांग को लेकर निकाली जाती है। यात्रा जेहटा, हयात नगर, बरी धाम, दुबग्गा होते हुए बुद्धेश्वर धाम पहुंचेगी। मार्ग में जंगलेश्वर महादेव मंदिर सहित विभिन्न स्थलों पर स्वागत होगा। बड़ी संख्या में साधु-संत, चित्रकार, वकील आदि भाग लेंगे। आदिगंगा गोमती और त्रिवेणी के जल से बुद्धेश्वर महादेव का महाअभिषेक किया जाएगा।

स्वामी बाल भरत की श्रीमद्भागवत कथा कल से

अमृत विचार, लखनऊ: अयोध्या धाम के कथाव्यास स्वामी बाल भरत 7 से 13 अगस्त तक गोमती तट स्थित खाटू श्याम मंदिर में संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा प्रस्तुत करेंगे। कथा का आयोजन रोजाना शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक किया जाएगा। मुख्य आयोजक प्रदीप कुमार अग्रवाल ने बताया कि कथा वैकुण्ठवासी रूपनारायण अग्रवाल (बच्चे लाला) की स्मृति में की जा रही है। 7 अगस्त को सुबह 9 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी। कथा में अयोध्या धाम, नैमिषारण्य तथा लखनऊ के भी प्रतिष्ठित संत-महंत शामिल होंगे।

वंचितों का अधिकार सम्मेलन 21 सितंबर को

अमृत विचार, लखनऊ: वंचित शोषित सामाजिक संगठनों के अखिल भारतीय परिसंघ व मित्र संगठनों की चिंतन मंथन सभा में 21 सितंबर को होगी। ये निर्णय परिसंघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चन्दन लाल वाल्मीकि की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आरक्षण वर्गीकरण, नगर निकायों में संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण, ठेका प्रथा की समाप्ति, सीवर डेथ रोकथाम, मृत कर्मचारियों के परिवारों को नौकरी, सफाई कर्मचारियों की नियमित भर्ती व अनुसूचित जातियों में जनगणना जैसे मुद्दे सम्मेलन के केंद्र में रहेंगे। मुख्य वक्ता राजू प्रधान वाल्मीकि, राष्ट्रीय प्रवक्ता महेंद्र गौतम, राम कुमार बागी, अजय धानुक, सुनील वाल्मीकि, शिव चौधरी, राकेश कोतवाल, देवेंद्र राही ने भी विचार रखे। संचालन विपेंद्र सुधा वाल्मीकि ने किया।

दिव्यांगों ने लगाए हस्तनिर्मित वस्तुओं के स्टॉल

अमृत विचार लखनऊ: खुन खुन जी गर्ल्स पीजी कॉलेज चौक में आशा ज्योति संस्थान की प्रबंधकारिणी समिति सदस्या व एपी सेन डिग्री कॉलेज की पूर्व एसोसिएट प्रो. डॉ. श्रीराय के माध्यम से मंदबुद्धि व विकलांग छात्रों द्वारा बनाई गई राखी, धूपबत्ती, बैग आदि के स्टाल लगाए गए। इन वस्तुओं को खरीदकर छात्राओं एवं शिक्षिकाओं ने बच्चों के मनोबल को भी बढ़ाया। प्राचार्या प्रो. अंशु केडिया ने पौधा देकर सभी को सम्मानित किया।

जल निगम कर्मियों-पेंशनरों ने किया प्रदर्शन

संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल ने उप मुख्यमंत्री को बताईं समस्याएं

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : छह महीने का वेतन और पेंशन न मिलने से परेशान जल निगम कर्मियों व पेंशनर्स ने मंगलवार को जल निगम मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। इसके बाद जल निगम संघर्ष समिति के आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल ने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से मिलकर समस्याएं बताईं।

प्रतिनिधिमण्डल ने उप मुख्यमंत्री को बताया कि जल निगम में सातवां वेतनमान लागू न होने तथा महंगाई भत्ता राहत 252 प्रतिशत के स्थान पर 212 प्रतिशत (40 प्रतिशत कम देकर) आधा अधूरा वेतन व पेंशन ही दिया जा रहा है। 6 माह का वेतन व पेंशन बकाया है। निगम में 25 प्रतिशत स्टाफ बचा है, इससे चार-चार पटलों का कार्य एक कर्मचारी से लिया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री तक मांगें पहुंचाकर समस्याओं के जल्द निराकरण का आश्वासन दिया है। प्रतिनिधिमण्डल में संघर्ष समिति के संयोजक वाईएन उपाध्याय, राम अधार पाण्डेय, एसपी मिश्रा, अजयपाल सिंह सोमवंशी, वीके बाजपेयी, विनय कुमार यादव, गिरीश कुमार वर्मा, मंजीत कुमार वर्मा रहे।

जल निगम परिसर में धरना सभा को संबोधित करते शिवरथ द्विवेदी। अमृत विचार

बिना पंजीकरण चल रहा जनता मेडिकल सेंटर

कार्यालय संवाददाता,लखनऊ

अमृत विचार : गुडंबा थाना क्षेत्र के आदिल नगर स्थित जनता मेडिकल सेंटर में सिजेरियन प्रसव के बाद सुषमा देवी (28) की की मौत मामले में जांच शुरू हो गई है। मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग के अपर निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता टीम के साथ अस्पताल जाकर जांच की। बिना पंजीकरण अस्पताल अस्पताल एक घर में संचालित मिला। प्रशिक्षत स्टाफ और डॉक्टर तक नहीं मिले। एडी ने संचालक को सुषमा के इलाज समेत अस्पताल के सभी दस्तावेजों के साथ अपने कार्यालय में तलब किया है। विकास नगर गंजरहा पुरवा निवासी आनंद कुमार गौतम की पत्नी सुषमा की अधिक रक्तस्राव से मौत हो गई थी।

एडी मंडल ने बताया कि अस्पताल का संचालन दो मंजिला मकान में किया जा रहा है। वहां मिले ईएमओ ने खुद को बीएएमएस डॉक्टर बताया, लेकिन डिग्री आदि नहीं दिखाई। संचालक पंजीकरण के दस्तावेज नहीं दिखा सका। कोई डॉक्टर व सर्जन नहीं मिला। संचालक के पास डॉक्टर पैनल लिस्ट भी नहीं मिली। फायर और प्रदूषण एनओसी नहीं मिली। ओटी में जरूरी उपकरण और मशीनें नहीं थीं। जानकारी पर पता चला कि महिला को लोहिया संस्थान से बिचौलिया नितिन अच्छा इलाज का झांसा देकर यहां लाया था।

- इलाज के दौरान अधिक रक्तस्राव से हो गई थी प्रसूता की मौत
- स्वास्थ्य विभाग के एडी मंडल ने शुरू की जांच
- बिचौलिए ने बेहतर इलाज का झांसा दे लोहिया से कराया था शिफ्ट

अस्पताल का निरीक्षण करते एडी।

संगीत के सुरों के बीच कैनवास पर उकेरे चित्र

ललित कला अकादमी के स्थापना दिवस पर आयोजित किया गया कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः ललित कला अकादमी नई दिल्ली के 71वें स्थापना दिवस पर मंगलवार को अकादमी के अलीगंज स्थित क्षेत्रीय केंद्र पर कला और संगीत का अद्भुत संगम एक तरफ मंच पर संगीत की स्वर लहरियां बिखरती रहीं, दूसरी तरफ कलाकार कैनवस पर लाइव चित्रकारी करते नजर आए।

एक दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत उत्तर प्रदेश पीसीएफ के प्रबंध निदेशक डॉ. चंद्रभूषण, कला एवं शिल्प महाविद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य प्रो. जय कृष्ण अग्रवाल, ललित कला अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र मिश्रा, संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष जयंत खोत, उपाध्यक्ष विभा सिंह, बिरजू महाराज कथक संस्थान की अध्यक्ष प्रो. कुमकुम धर, ललित कला अकादमी के क्षेत्रीय सचिव डॉ. देवेंद्र त्रिपाठी ने दीप जलाकर की।

शास्त्रीय संगीतज्ञ प्रो. जयंत खोत ने शास्त्रीय गायन और अथर्व प्रताप सिंह ने बांसुरी वादन किया। स्वतंत्र कलाकार हंसराज एवं अकादमी के आठ शोधार्थी कलाकार पायल सिंह, तानिया गुप्ता, कोमल देवी, सौरभ सिंह, संजय कुमार, प्राची अग्रवाल, ट्विंकल नंदा और कोनूमोनु वेणु ने पेंटिंग, मूर्तिकला, सिरेमिक एवं फोटोग्राफी से अपनी कला का प्रदर्शन किया। क्षेत्रीय सचिव डॉ. देवेन्द्र त्रिपाठी ने वरिष्ठ कलाकारों जय कृष्ण अग्रवाल, मोहम्मद शकील, किरण सिंह राठौड़, शिव बालक, आलोक कुमार कुशवाहा, विभावरी सिंह, पूनम नाग चतुर्वेदी, ममता राभा, अमित कुमार, संदीप भाटिया, विनीत कुमार पांडेय आदि को सम्मानित किया।

अकादमी के अलीगंज स्थित क्षेत्रीय केंद्र पर प्रस्तुति देते कलाकार। अमृत विचार

सिटी डायरी

जनहित व्यापार मंडल ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

एसडीएम सरोजनीनगर को ज्ञापन देते व्यापारी।

अमृत विचार, सरोजनीनगर: बारिश की वजह से ट्रांसपोर्ट नगर मेट्रो स्टेशन से अमौसी मेट्रो स्टेशन तक कानपुर रोड पर जल भराव की समस्या को लेकर उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मंडल ने मंगलवार को सरोजनी नगर एसडीएम अंकित शुक्ला को ज्ञापन सौंपा। मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा ने कहा कि जलभराव से व्यापार प्रभावित हो रहा है। एसडीएम अंकित शुक्ला ने नगर निगम जोन 5 और जोन 8 के अधिकारियों से बात कर जल्द ही समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। अमौसी एयरपोर्ट जनहित व्यापार मंडल के अध्यक्ष पवन तिवारी, महामंत्री बृजेंद्र शर्मा, कोषाध्यक्ष आसिफ खान, उपाध्यक्ष शिवम गुप्ता, प्रदेश महासचिव दिलीप द्विवेदी, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अवधेश कुमार सिंह, अतुल सिंह, सरोजनी नगर विधानसभा प्रभारी जितेंद्र कुमार हजेला मौजूद रहे।

काकोरी शहीद स्थल का निरीक्षण करते जिलाधिकारी और अन्य।

काकोरी पहुंचे जिलाधिकारी

अमृत विचार, लखनऊ: जिलाधिकारी विशाख जी ने मंगलवार को काकोरी ट्रेन ऐक्शन की वर्षगांठ पर 8 अगस्त को काकोरी के शहीद स्मारक स्थल बाज नगर में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण किया। अपर निदेशक संस्कृति से कहा कि स्मृति स्थल के अंदर निर्मित शहीद मंदिर व प्रदर्शनी स्थल का थीम आधारित पेंटिंग शीघ्र पूर्ण कराएं। जगह-जगह काकोरी ट्रेन एक्शन की थीम पर सेल्फी प्वॉइंट बनवाएं। कार्यक्रम स्थल की साफ-सफाई के भी निर्देश दिए। कहा, चंदन, रुद्राक्ष आदि पौधे लगाना प्रस्तावित है। निरीक्षण में मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन, एसीपी काकोरी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राकेश सिंह, अपर जिलाधिकारी नगर पूर्वी महेंद्रपाल सिंह, उप जिलाधिकारी सदर मनोज सिंह साथ रहे।

बैठक में शामिल प्रदेश महामंत्री, महानगर अध्यक्ष व अन्य।

हर घर पर तिरंगा होना चाहिए

अमृत विचार, लखनऊ: हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा महानगर इकाई ने हजरतगंज हलवासिया कोर्ट में बैठक की। इसमें सदस्य विधान परिषद, प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला और महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने अभियान की रूपरेखा तय की। गोविंद ने कहा घर छोटा हो या बड़ा हो हर घर पर तिरंगा होना चाहिए। 15 अगस्त स्वतंत्रता पर्व तक प्रत्येक घर, प्रतिष्ठान और कार्यालय में तिरंगा फहरना चाहिए। अभियान का मंडल स्तर पर 8 अगस्त तक होगा। 10 से 12 अगस्त के मध्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। 12 से 14 अगस्त के बीच महानगर के स्मारकों की स्वच्छता का कार्य और उसके बाद पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित होंगे।

लोककला | 10 दिवसीय कार्यशाला के समापन पर दक्ष कलाकारों ने दी प्रस्तुतियां

अल्पिका की कार्यशाला में गूंजे मुंडन, छठ व गोदना के गीत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था अल्पिका ने धरोहर संकलन के तहत 10 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें संगीत नाटक अकादमी के पूर्व सदस्य गोरखपुर के गुरु राकेश श्रीवास्तव ने विभिन्न शहरों के 30 प्रतिभागियों को भोजपुरी लोकगीतों का ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया। इस 10 दिवसीय कार्यशाला में दक्ष कलाकारों ने मंगलवार को गोमतीनगर के विभव खंड स्थित आमोद आश्रम में भोजपुरी और अवधी गीतों की प्रस्तुतियां दीं।

अल्पिका की अध्यक्ष उमा त्रिगुणायत ने बताया कि कलाकारों ने शिव भजन, सोहर, सावनी कजरी, देश गीत, मुंडन गीत, छठ गीत और गोदना गीत प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों में अनिता, कुमुद, रूपाली, अरुणा, वीना, सुमन, अंजलि, सरिता, रीता, रिंकी विश्वकर्मा, सुषमा प्रकाश, अनीता सिंह, सरिता अग्रवाल, अल्पना श्रीवास्तव तथा सुमन वर्मा आदि मौजूद रहीं।

प्रतिभागियों के साथ ढोलक पर सत्यम शिवम् सुन्दरम और की बोर्ड पर चंद्रेश पाण्डेय ने संगत की। आमोद आश्रम की सचिव और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अनिता श्रीवास्सव ने कार्यक्रम का आयोजन किया। समापन समारोह में पद्मश्री डॉ. विद्या बिंदु सिंह, पद्मा गिडवानी पूर्व निदेशक आकाशवाणी रश्मि चौधरी आदि मौजूद थे।

अल्पिका की कार्यशाला में लोकगीतों की प्रस्तुति देतीं महिलाएं। अमृत विचार

फीडबैक में बेहतर सहभागिता को सराहा

अमृत विचार, लखनऊ : अलीगंज स्थित पंचायती राज निदेशालय में मंगलवार को स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2025 की लखनऊ मंडलीय कार्यशाला में जिलों से फीडबैक में मिली सहभागिता को सराहा गया। उपनिदेशक पंचायत लखनऊ मंडल शाश्वत आनंद सिंह द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक अमित कुमार सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि संयुक्त विकास आयुक्त केके सिंह रहे।

कार्यक्रम में मंडल के सभी डीपीआरओ, एडीपीआरओ, एडीओ, सचिव, जिला कन्सलटेंट व खंड प्रेरक आदि ने प्रतिभाग किया। राज्य सलाहकार ओम मणि त्रिपाठी व माहिम कुमार ने स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2025 के विभिन्न घटकों की जानकारी साझा की।

छात्राओं ने बनाई राखी, सजाए थाल

सजाए गए थाल और राखियां लिए छात्राएं। अमृत विचार

अमृत विचार, लखनऊ: ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग में बुधवार को राखी निर्माण व थाली सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक और आधुनिक शैलियों के समन्वय से रंग-बिरंगी राखियां और कलात्मक पूजा थालियां तैयार कीं। प्रतिभागियों में सांस्कृतिक विविधता और कलात्मकता देखने को मिली। डॉ. तल्हीर फात्मा ने बताया श्रेष्ठ कृतियों को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई।

सिटी ब्रीफ

कल अडानी देंगे आईआईएम में व्याख्यान

अमृत विचार, लखनऊ : देश के प्रख्यात उद्योगपति गौतम अडानी लखनऊ के आईआईएम में छात्रों को संबोधित करेंगे। कल गुरुवार को उनका कार्यक्रम प्रस्तावित है जिसमें वह छात्रों से अपनी सफलता की कहानी बताने के साथ ही सफल उद्योगपति बनने के टिप्स देंगें।

परास्नातक की प्रथम आवंटन सूची जारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक सत्र 2025-26 के अंतर्गत एमए इन पब्लिक हेल्थ की सीट आवंटन सूची 5 अगस्त को अपराह्न 5 :00 बजे के बाद आधिकारिक पोर्टल पर जारी कर दी है। योग्य अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपने अप्लीकेशन फार्म नंबर के माध्यम से लॉग इन कर अपना आवंटन देख सकते हैं।

पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने सभी विभागों व संकायों को पत्र लिखकर पदम नागरिक पुरस्कारों के लिए निर्धारित प्रारूप पर सूचना उपलब्ध कराने को कहा है। कुलसचिव ने कहा है कि शिक्षक जो पद्म विभूषण, पद्म भूषण या पद्म श्री हेतु आवेदन करना चाहते हैं, निर्धारित प्रारूप पर सूचना 5 अगस्त से 8 अगस्त के बीच उपलब्ध कराने को कहा गया है। पद्म पुरस्कार भारत सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देने के लिए दिए जाते हैं।

लविवि को रैंकिंग में मिला सर्वोच्च स्थान

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय को सर्वाधिक उन्नत सामान्य सरकारी विश्वविद्यालयों की सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय की पिछले 5 वर्षों (2020-2025) में शैक्षणिक उत्कृष्टता, प्रशासनिक सुधार और समग्र विकास के प्रति संस्थान की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय (गुंटूर), गुरु नानक देव विश्वविद्यालय (अमृतसर), भरतियार विश्वविद्यालय (कोयंबटूर) और डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (समस्तीपुर) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष 5 में पहला स्थान प्राप्त किया है।

एनसीसी में नामांकन का पहला चरण संपन्न

अमृत विचार, लखनऊ : 5 यूपी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी की सीनियर डिवीजन विंग के लिए सत्र 2025-26 हेतु ओपन कैटेगरी के तहत नामांकन प्रक्रिया का पहला चरण लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस प्रक्रिया में लखनऊ के विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से लगभग 150 छात्र-छात्राओं ने लिखित परीक्षा में भाग लिया। यह चरण एनसीसी में शामिल होने के इच्छुक युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था। इस अवसर पर फ्लाइंग ऑफिसर अर्चना सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहीं, जिन्होंने छात्रों का मार्गदर्शन किया।

टीचर्स सेल्फ केयर टीम की जीवन दान योजना शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में शिक्षकों द्वारा शिक्षकों के लिए बनाई गई चार लाख सदस्यों वाली संस्था टीचर्स सेल्फ केयर टीम ने गंभीर बीमारी के लिए जीवन दान योजना शुरू कर दी है। इस योजना में सदस्य 5 अगस्त से 10 अगस्त के बीच 200 रुपए का सहयोग करेंगे जो एक कार्पस फंड में एकत्रित होगा। इस धनराशि का उपयोग सदस्य शिक्षकों की गंभीर बीमारी में सहयोग के लिए किया जाएगा जैसे ही इस फंड में धन की आवश्यकता होगी पुन : संस्था के माध्यम से सहयोग अलर्ट जारी किया जाएगा। संस्थापक अध्यक्ष विवेकानंद आर्य ने बताया कि गंभीर बीमारी के लिए जीवन दान योजना पूरी तरह से ऐच्छिक व्यवस्था होगी।

अंक बढ़ाने के नाम पर ठगी से रहें सतर्क

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी बोर्ड की कंपार्टमेंट/इंप्रूवमेंट परीक्षा में पास कराने के नाम पर शातिर ठगी कर करने का प्रयास कर रहे हैं। बोर्ड को शिकायत मिली है कि वर्ष हाईस्कूल कंपार्टमेंट/ इंप्रूवमेंट परीक्षा तथा इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट परीक्षा के छात्र-छात्राओं के अंक बढ़ाने तथा उन्हें पास कराने का प्रलोभन देकर कुछ साइबर ठग परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों से धन की मांग कर रहे हैं। बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने सभी परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों को आगाह किया है कि ऐसे फोन कॉल्स का कदापि संज्ञान न लें, और इसकी शिकायत बोर्ड से करने को कहा है।

विवि जिले के श्रेष्ठ रचनाकारों पर कराएं शोध : अम्बर

उत्तर प्रदेश साहित्य सभा के चौथे स्थापना दिवस पर अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में 'आश्वस्ति' का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अर्न्तराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के प्रेक्षागृह में महापौर सुषमा खर्कवाल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते अध्यक्ष शिव ओम अम्बर अन्य।

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश साहित्य सभा के चौथे स्थापना दिवस पर अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में कार्यक्रम आश्वस्ति का आयोजन किया गया। इसमें चुनिंदा साहित्यकारों को उनके विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महापौर सुषमा खर्कवाल और अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर की।

समारोह के विशिष्ट अतिथि एमएलसी पवन सिंह चौहान, इंजीनियर अवनीश सिंह, डॉ. शिवओम अम्बर एवं साहित्य सभा के प्रधान सर्वेश अस्थाना ने चयनित रचनाकारों को प्रतीक चिन्ह, अंगवस्त्र एवं सम्मान पत्र भेंट किया।

उत्तर प्रदेश साहित्य सभा ने वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. उदय प्रताप सिंह एवं प्रमिला भारती को जीवन सिद्धि सम्मान, डॉ. राम बहादुर मिश्र को लोक साहित्य उन्नयन सम्मान, डॉ. अवधी हरि को सनातन साहित्य सृजन सम्मान, माध्यम साहित्यिक संस्थान को सार्थक साहित्यिक संस्था सम्मान, अटल नारायण को साहित्य नवोन्मेष सम्मान से अलंकृत किया। इसके साथ ही साहित्य के उन्नयन में विशेष योगदान देने वाली भावना सिंह, रीना सिंह, शर्मिला सिंह, अनिल अग्रवाल तथा आनंद शेखर सिंह को साहित्य उन्नायक सम्मान दिया गया।

उत्तर प्रदेश साहित्य सभा की ओर से आयोजित गीत प्रतियोगिता में उत्कृष्ट गीत लिखने वाले मुरादाबाद से मयंक शर्मा को प्रथम पुरस्कार, सहारनपुर से बृजेंद्र पाल शर्मा को द्वितीय पुरस्कार एवं दिल्ली से प्रीति त्रिपाठी को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। सोशल मीडिया पर सर्वाधिक प्रसार प्रतियोगिता की विजयी प्रतिभागी निशा नवल को विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया।

- उप्र साहित्य सभा के चौथे स्थापना दिवस पर साहित्यकारों का सम्मान
- सांस्कृतिक विरासत को संजोते हैं ऐसे आयोजन : सुषमा खर्कवाल

महापौर सुषमा खर्कवाल ने साहित्यकारों को दिये संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश साहित्य सभा भाषा और साहित्य को सहेजने का सराहनीय कार्य कर रही है। हम ऐसे आयोजनों से अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोते हैं। साहित्यकारों ने सदैव समाज को नई दिशा प्रदान की है।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. शिवओम अम्बर ने कहा कि उत्तर प्रदेश साहित्य सभा साहित्य के प्रश्रय, प्रस्तुति और प्रशंसा की त्रिवेणी का संगम है। सरकार को आईना दिखाते हुए शिवओम अम्बर ने कहा हवाई जहाज पर बैठे लोग जमीन की हकीकत समझें। हिंदी अपनी अंतिम सांसे गिन रही है। विद्यालयों में सभी विषय हिंदी में पढ़ाना अनिवार्य हो। उन्होंने कहा कि हिन्दी संस्थान, भाषा संस्थान और आकाशवाणी में प्रवेश की अनिवार्य शर्त हिन्दी में एमए हो। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को भी अब लीक से हटकर सूर, कबीर, तुलसी पर शोध कराने के बजाय अपने जिले के श्रेष्ठ रचनाकार पर शोध कराना चाहिए।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश साहित्य सभा कार्यकारिणी सदस्य डॉ. विष्णु सक्सेना, मुकुल महान, गजेन्द्र प्रियांशु, अर्जुन सिंह चांद, आशीष अनल, अर्जुन सिसौदिया, बलराम श्रीवास्तव, सोनरूपा विशाल, राजीव राज, गिरिधर खरे, शफीकुर्रहमान कश्फी, रश्मि श्रीवास्तव शफक, अभय सिंह निर्भीक, योगी योगेश, प्रवीण अग्रहरि, सुभाष चंद्र रसिया सहित प्रदेश के अनेक साहित्यकार मौजूद रहे।

मां, मातृभूमि और मातृभाषा का कोई विकल्प नहीं

बीबीएयू : राष्ट्र प्रथम कार्यक्रम में कुलपति डॉ. मित्तल व अन्य। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: बाबासाहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में राष्ट्र प्रथम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नेशनल कैडेट कोर, बीबीएयू के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्र प्रथम-राष्ट्र सर्वोपरि के समर्थन में एक अभियान' विषय पर एकदिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। मुख्य अतिथि के तौर पर सेवानिवृत्त विशिष्ट सेवा मेडल मेजर जनरल शरभ पचौरी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त मंच पर विशिष्ट अतिथि 20 यूपी गर्ल्स बटालियन की लेफ्टिनेंट कर्नल कविता रामदेवपुत्र, स्थायी आयोजन समिति के चेयरमैन प्रो. के.एल. महावर, कैप्टन (डॉ.) राजश्री, लेफ्टिनेंट (डॉ.) मनोज कुमार डडवाल व डॉ. सूफिया अहमद उपस्थित रहीं। कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि इस आयोजन का मूल उद्देश्य राष्ट्र प्रथम की भावना को जागृत करना है। मेजर जनरल शरभ पचौरी ने कहा कि राष्ट्र की एकता उसकी साझा विशेषताओं जैसे इतिहास, जातीयता, क्षेत्रीयता और संस्कृति से बनती है, जो हमें एक सूत्र में बांधती हैं। लेफ्टिनेंट कर्नल कविता रामदेवपुत्र ने कहा कि हमें इस बात पर गंभीरता से सोचने की आवश्यकता है कि राष्ट्रभक्ति केवल कुछ विशेष दिनों तक ही सीमित क्यों रह जाती है। कार्यक्रम के दौरान प्रॉक्टर प्रो. एम.पी. सिंह, डीएसडब्ल्यू प्रो. नरेंद्र कुमार, सीओई प्रो.विक्रम सिंह यादव सहित शिक्षकगण, गैरशिक्षण कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

पांच प्रतिष्ठित स्वर्ण पदकों के लिए नामांकन मांगे गए

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह की तैयारी

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने वार्षिक दीक्षांत समारोह 2025 की तैयारी शुरू कर दी है। जो इस साल 10 सितंबर को आयोजित होने वाला है। विश्वविद्यालय ने चार प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक-द सिल्वर जुबली गोल्ड मेडल, श्रीमती गुरु देवी गोल्ड मेडल, पंडित अम्बिका प्रसाद वाजपेयी मेमोरियल गोल्ड मेडल और पिरि मेमोरियल गोल्ड मेडल के लिए पात्र उम्मीदवारों से नामांकन मांगे हैं। सभी नामांकनों की अंतिम तिथि 20 अगस्त निर्धारित की गई है।

द सिल्वर जुबली गोल्ड मेडल राजनीति विज्ञान विभाग में एम.ए., पीएचडी या डी.लिट. के छात्र को दिया जाएगा, जिन्होंने वर्ष के दौरान सर्वश्रेष्ठ शोध कार्य किया हो। श्रीमती गुरु देवी गोल्ड मेडल यह पदक रोटेशन के आधार पर सर्वश्रेष्ठ महिला डॉक्टरेट डिग्री धारक को दिया जाएगा। इस वर्ष यह पदक कला, विज्ञान, वाणिज्य और कानून संकायों में से किसी एक को मिलेगा। यदि टाई होती है, तो कम उम्र की छात्रा को यह पदक दिया जाएगा। पंडित अम्बिका प्रसाद वाजपेयी मेमोरियल गोल्ड मेडल यह पदक हिंदी में सर्वश्रेष्ठ डी.लिट. थीसिस के लिए दिया जाएगा। पिरि मेमोरियल गोल्ड मेडल यह पदक संबद्ध महाविद्यालयों के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिया जाएगा। इसके लिए उम्मीदवारों के शैक्षणिक और एथलेटिक रिकॉर्ड का विवरण भी भेजना होगा। कुलसचिव ने संबंधित विभागों के अध्यक्षों और संकायों के डीन को निर्देशित किया है कि वे इन नियमों के अनुसार पात्र उम्मीदवारों के नाम 20 अगस्त से पहले भेज दें।

बीबीएयू के प्रो. नरेंद्र कुमार को मिली अनुसंधान क्षेत्र में जिम्मेदारी

अमृत विचार, लखनऊ : बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रो. नरेंद्र कुमार को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की स्वायत्तशासी संस्था अनुसंधान राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान की उच्च स्तरीय समिति एडवांस्ड रिसर्च ग्रांट की तकनीकी कार्यक्रम समिति में सदस्य के रूप में नामित किया गया है। यह समिति पृथ्वी एवं वायुमंडलीय विज्ञान के क्षेत्र में उच्चस्तरीय अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु गठित की गई है, जिसके अंतर्गत चयनित शोध परियोजनाओं को 5 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जायेगी। इस समिति में कुल 28 सदस्य हैं, जिनमें विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे आईआईटी, आईआईएससी, एनआईटी एवं केंद्रीय विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ वैज्ञानिक, प्रोफेसर एवं अनुसंधानकर्ता सम्मिलित हैं।

रोजगार मेले में 56 युवाओं का हुआ चयन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

रोजगार मेले में भर्ती होने आए अभ्यर्थी। अमृत विचार

अमृत विचार: राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने जानकारी दी कि रोजगार मेले में वेकमेट इंडिया लिमिटेड, श्रीराम पिस्टन एंड रिंग्स लिमिटेड, बी-एबल फाउंडेशन (डॉ. लाल पैथलैब्स) तथा श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों ने प्रतिभाग किया। उन्होंने कंपनियों के प्रतिनिधियों से अधिक से अधिक युवाओं को चयनित करने का आग्रह किया और चयनित अभ्यर्थियों को शीघ्र जॉइनिंग हेतु प्रेरित भी किया।

एमए खां, ट्रेनिंग, काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट ऑफिसर ने बताया कि रोजगार मेले में 78 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 56 अभ्यर्थियों का चयन विभिन्न पदों के लिए किया गया। चयनित युवाओं को कंपनियों द्वारा 10,000 से 19,000 रूपए प्रतिमाह तक का वेतन प्रदान किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि जो अभ्यर्थी इस मेले में भाग नहीं ले सके, वे आगामी रोजगार मेले में 21 अगस्त को आईटीआई अलीगंज, लखनऊ में प्रतिभाग कर सकते हैं। इस रोजगार मेले को सफल बनाने में मकबूल कादिर, जेड रहमान (अनुदेशक), ग्रे सिम फाउंडेशन तथा क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

13 तक दिव्यांगजन रोजगार अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : कौशल विकास मिशन द्वारा 6 से 13 अगस्त, 2025 तक दिव्यांगजन रोजगार अभियान आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत प्रदेश के प्रत्येक जनपद में कौशल प्रशिक्षित एवं अन्य पात्र दिव्यांगजनों को सेवायोजन के अवसर प्रदान किए जाएंगे। इससे उनकी आजीविका को मजबूती मिलेगी और वे स्वावलंबन की राह पर अग्रसर होंगे। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के मिशन निदेशक पुलकित खरे ने सभी जिलों के मुख्य विकास अधिकारियों, दिव्यांग सशक्तीकरण अधिकारियों, जिला उद्योग उपायुक्तों एवं समन्वयकों के साथ समीक्षा बैठक कर अभियान के संचालन हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025-26 में सभी प्रशिक्षण लक्ष्यों में दिव्यांगजनों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। इससे उन्हें सम्मानजनक जीवन और रोजगार का अवसर प्राप्त होगा।

एकेटीयू छात्रों को देगा चैलेंज मूल्यांकन का मौका

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय और इससे जुड़े करीब 750 तकनीकी कॉलेज में सत्र 2024-25 की परीक्षा में अनुचित साधनों के प्रयोग के कारण परीक्षा परिणाम से वंचित छात्रों को चैलेंज मूल्यांकन का मौका दिया जाएगा। सत्र 2024-25 के सम सेमेस्टर की पहले चरण की परीक्षाओं में शामिल हुए छात्रों के लिए चैलेंज मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की है। यह मूल्यांकन बी.टेक, बी.फार्मा, बी.एफ.ए. और बी.एफ.टी.डी. जैसे पाठ्यक्रमों के लिए होगा। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. दीपक नगरिया द्वारा जारी नोटिस के अनुसार 17 मई से 13 जून के बीच आयोजित इन परीक्षाओं के परिणाम पहले ही घोषित किए जा चुके हैं। जो छात्र अपने परिणामों से संतुष्ट नहीं हैं, वे अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के चैलेंज मूल्यांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं। छात्रों को सबसे पहले अपनी मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका देखने के लिए प्रति विषय 300 रुपये का ऑनलाइन भुगतान अपने ईआरपी लॉगिन के माध्यम से करना होगा। इसके लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 12 अगस्त है। आवेदन के बाद डिजिटल मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाएं छात्रों के ईआरपी लॉगिन पर उपलब्ध करा दी जाएंगी। उत्तर पुस्तिका देखने के बाद यदि छात्र असंतुष्ट होते हैं, तो वे निर्धारित तिथि तक चैलेंज मूल्यांकन के लिए आवश्यक शुल्क जमा करके अंतिम आवेदन कर सकते हैं।

लविवि में 'शिव संध्या' का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

शिव संध्या के आयोजन के दौरान कुलपति व अन्य शिक्षकगण। अमृत विचार

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय व सांस्कृतिकी के संयुक्त तत्वावधान में शिव संध्या शीर्षक से सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संध्या का आयोजन एपी सेन सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत ज्योतिर्विज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. श्यामलेश तिवारी एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण रुद्राष्टकम एवं लिंगाष्टकम स्त्रोत से हुई, जिसने सम्पूर्ण वातावरण को शिवमय बना दिया। इसके पश्चात आदियोगी लाइट एंड साउंड शो की रिकॉर्डिंग जो कि शैक्षणिक भ्रमण के दौरान प्रो केया पाण्डेय एवम् उनके समूह द्वारा बनाई गई थी, को प्रदर्शित किया गया। आरती का सामूहिक गायन किया गया। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने इस अवसर पर अपने प्रेरणास्पद शब्दों के माध्यम से सभी को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएँ प्रदान कीं।

कार्यक्रम का समापन प्रो. अंचल श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। जिसमें उन्होंने सभी आमंत्रित अतिथियों, सहभागियों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की सम्पूर्ण औपचारिक व्यवस्थाओं एवं समन्वय में टैगोर पुस्तकालय की मानद पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. केया पांडेय की प्रमुख भूमिका रही, जिनके कुशल निर्देशन में कार्यक्रम सफलतापूर्वक एवं गरिमापूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन डॉ. अंश शर्मा द्वारा किया गया, जबकि आयोजन का समग्र निर्देशन कला संकायाध्यक्ष प्रो अरविन्द मोहन तथा सांस्कृतिकी की निदेशक प्रो. अंचल श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुआ।

बीबीए-एमबीए में प्रवेश लेने वाले छात्रों का हुआ स्वागत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अमृत विचार: ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए बीबीए व एमबीए कार्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले नए विद्यार्थियों के स्वागत हेतु एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे वी.पी. सिंह, महासचिव, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ पर्सोनेल मैनेजमेंट (एनआईपीएम), विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे उमर तसकीर दोनों अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आज के बदलते व्यवसायिक परिदृश्य, कौशल विकास, और उद्योग जगत में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के संदर्भ में महत्वपूर्ण विचार साझा किए। वी.पी. सिंह ने अपने वक्तव्य में मानव संसाधन प्रबंधन की भूमिका पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज और उद्योग में सार्थक योगदान देने की तैयारी करना होना चाहिए। वहीं, उमर तसकीर ने डिजिटल उद्यमिता के अनुभव साझा करते हुए कहा कि डिजिटल मार्केटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक समझ विद्यार्थियों को भीड़ से अलग करती है। सीखना केवल कक्षा तक सीमित न रहे, बल्कि एक सतत प्रक्रिया बननी चाहिए। इस अवसर पर वाणिज्य संकाय के डीन प्रो. सैयद हैदर अली, विभागाध्यक्ष प्रो. मुशीर अहमद, डॉ. दुआ नक़वी भी उपस्थित रहे।

पायनियर मॉण्टेसरी स्कूल की जानकीपुरम शाखा में कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व शिक्षकगण।

छात्र अलंकरण समारोह सम्पन्न

अमृत विचार, लखनऊ : पायनियर मॉण्टेसरी स्कूल की जानकीपुरम शाखा में सत्र 2025-26 के लिए छात्र परिषद् के शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. नीरज बोरा, विधायक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। नव निर्वाचित छात्र प्रतिनिधि में हेड बॉय शशांक रावत, हेड गर्ल वैष्णवी यादव, स्पोर्ट्स कैप्टन कबीर मिश्रा, हाउस कैप्टन नीलगिरि मोहम्मद सज्जाद, अरावली अदिति पांडे, हिमालय प्रत्युष शुक्ल, विंध्या आस्था सिंह, प्रबंधक डॉ. ब्रजेन्द्र सिंह शर्मिला सिंह एवं प्रधानाचार्या फराह काज़मी ने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ और आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने छात्रों को ईमानदारी, नेतृत्व और कर्तव्यनिष्ठा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

आईईटी लखनऊ को मिलीं 622 सीटें

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के संबद्ध संस्थानों के बीटेक पाठ्यक्रम में जेईई की रैंकिंग के आधार पर दूसरे चरण की काउंसलिंग में बची सीटें संस्थानों को आवंटित कर दी गईं। इसमें लखनऊ के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी को सबसे अधिक 622 सीटें आवंटित की गई हैं। बीआइटी झांसी को 605 और टेक्सासाइल्स टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट कानपुर में 186 सीटें दी गई हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज में इस सत्र से बीटेक शुरू किया जा रहा है। इसमें कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस इन एआई एंड एमएल, वीएलएसआई डिजाइन और मैकेनिकल एंड मेकाट्रॉनिक्स ब्रांच में 180 सीट है। जिसमें दूसरे चरण की काउंसलिंग में सभी सीटों पर आवंटन हो गया।

ज्यादातर सरकारी संस्थानों की सीटें आवंटित हो गई हैं। इसमें केएनआईटी सुल्तानपुर की 510, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्पेट टेक्नोलॉजी भदोही को 23, आरईसी बांदा को 171, आरईसी बिजनौर को 145, आरईसी आजमगढ़ को 144, आरईसी अंबेडकर नगर को 165, आरईसी कन्नौज को 267, आरईसी मैनपुरी को 321, आरईसी सोनभद्र को 249, आरईसी बस्ती को 178, आरईसी गोंडा को 118, आरईसी मिर्जापुर को 219 और आरईसी प्रतापगढ़ को 128 सीटें आवंटित की गई हैं।

लविवि | लेक्चर थियेटर, रिकार्डिंग रुम और एथलेटिक भवन का निर्माण प्रस्तावित

प्रयोगशाला से लेकर छात्रावास तक बनेंगे हाईटेक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 54.54 करोड़ रुपये होंगे विकास कार्यों पर खर्च

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के आधारभूत संरचना विकास और नवीनीकरण की तैयारी है जिसमें कई नए भवनों का निर्माण किया जाना है। विश्वविद्यालय को प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान पीएम-उषा के तहत कुल 54.54 करोड़ रुपये की लागत वाले नौ विभिन्न कार्यों को किया जाना है। विश्वविद्यालय में पहली बार मॉडर्न रिकार्डिंग रुम, लेक्चर थियेटर, एथलेटिक्स ऐसासिएशन भवन का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। जबकि पुस्तकालय, प्रयोगशाला और छात्रावासों को आधुनिक जरूरतों के हिसाब से तैयार कर हाईटेक किया जाएगा।

लेक्चर थियेटर कॉम्प्लेक्स, छात्रावास, फैकल्टी आवास, सड़क और सीवर का नवीनीकरण का कार्य किया जाएगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय के हेरिटेज भवनों का भी नवीनीकरण किया जाना है। टैगोर पुस्तकालय के नवीनीकरण, ऑडिटोरियम की योजना भी प्रस्तावित है। इसके अलावा चेंज रूम और एथलेटिक एसोसिएशन भवन, मॉडर्न रिकॉर्डिंग स्टूडियो और लेक्चर थियेटर का नया निर्माण किया जाना है। विश्वविद्यालय परिसर में वाई-फाई सिस्टम का नवीनीकरण किया जाएगा। इन कार्यों की कुल अनुमानित लागत 5454.53 लाख रुपये (लगभग 54.54 करोड़ रुपये) है।

विलेज साइंटिस्ट प्रोग्राम के तहत हर जिले में बनेगी स्पेस लैब

अमृत विचार, लखनऊ : अब प्रदेश के गांवों में भी बच्चों को राकेट, चंद्रयान और उपग्रह तकनीक को समझना आसान हो गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लिकेशन सेंटर (एसएसी) विलेज साइंटिस्ट प्रोग्राम के तहत बड़ा अभियान शुरू किया जा रहा है। इसके लिए इसरो ने प्रदेश के 15 जिलों में सरकारी स्कूलों में स्पेस लैब स्थापित की है, जिनसे 10,000 से अधिक छात्र लाभान्वित हो रहे हैं। स्पेस लैब्स को स्थापित करने में 2.5 से 3 लाख रुपए का खर्च है। इसमें उपकरण और शिक्षकों का प्रशिक्षण भी शामिल है। अब इसे प्रदेश के सभी 75 जिलों में विस्तार देने की योजना है। इसके तहत गांवों के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को अंतरिक्ष विज्ञान, उपग्रह तकनीक और डाटा प्रोसेसिंग से जोड़ा जाएगा। इस योजना को व्योमिका स्पेस संस्था के माध्यम से क्रियान्वित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत स्पेस आन व्हील्स बस के माध्यम बच्चों तक मोबाइल प्रयोगशाला पहुंचेगी। इसरो वैज्ञानिकों द्वारा वेबिनार और सेमिनार का आयोजन होगा। समग्र शिक्षा के वरिष्ठ विशेषज्ञ मुकेश सिंह ने बताया की छात्रों को इसरो सेंटर का शैक्षिक भ्रमण कराया जाएगा। हर जिले के 75 स्कूलों से चयनित बच्चों द्वारा शैक्षिक सैटेलाइट पेलोड तैयार कर राष्ट्रीय स्तर पर प्रक्षेपण कराया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

सांसद संजय सिंह के केस में सुनवाई टली

सुलतानपुर: आदर्श चुनाव आचार संहिता और महामारी अधिनियम का उल्लंघन करने के मामले में अभियोजन गवाह वादी मुकदमा तत्कालीन एसओ प्रवीण कुमार के न आने से सुनवाई मंगलवार को 25 अगस्त तक टल गई। राज्यसभा सांसद संजय सिंह समेत 13 पर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान 13 अप्रैल 2021 को हसनपुर में आम आदमी पार्टी की जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी सलमा बेगम पत्नी मकसूद अंसारी के पक्ष में जनसभा करने का आरोप में तत्कालीन एसओ प्रवीण कुमार यादव ने केस दर्ज कराया था।

किशोरी से अश्लील हरकत में 10 साल जेल

अयोध्या, अमृत विचार: किशोरी से अश्लील हरकत करने के मामले में कोर्ट ने युवक को 10 साल के कठोर कारावास की सजा से दंडित किया है। उस पर 10 हजार जुर्माना भी हुआ है। जुर्माने की रकम में से पांच हजार पीड़िता को देने का आदेश भी हुआ है।

अयोध्या : सपा कार्यालय पर हंगामा व मारपीट

मोहल्ले के एक युवक को सिगरेट पीने से रोके जाने पर हुआ विवाद, घटनाक्रम के बाद फोर्स तैनात

अयोध्या कार्यालय

सपा पार्टी कार्यालय में मंगलवार शाम पहुंचे मोहल्ले के लोगों को बाहर करती पुलिस।

चोट दिखाता मो. तलहा खान उर्फ अमान।

अमृत विचार: रीडगंज गुलाबबाड़ी के निकट स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर मंगलवार देर शाम हंगामा हो गया। जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव द्वारा मोहल्ले के युवक को कार्यालय के पीछे सिगरेट पीने से टोकने पर विवाद हुआ। बात इतनी बढ़ी कि मोहल्ले के लोग सपा कार्यालय में घुस आए और दोनों पक्षों के बीच जमकर गाली गलौज, धक्का मुक्की और हाथापाई हुई। पुलिस ने किसी तरह लोगों को कार्यालय से बाहर किया और मुख्य प्रवेश द्वार बंद कर दिया। शाम साढ़े छह बजे पर हुए इस घटनाक्रम के बाद रात 8 बजे तक कार्यालय का गेट बंद कर मोहल्ले के मानिंद लोगों से सुलह समझौते की कवायद जारी थी।

जानकारी के मुताबिक मंगलवार को सपा कार्यालय पर पूर्व केंद्रीय मंत्री व संस्थापक सदस्य जनेश्वर मिश्र और पूर्व जिलाध्यक्ष गंगा सिंह यादव की जयंती को लेकर श्रद्धांजलि सभा और गोष्ठी का आयोजन था। कार्यक्रम के बाद जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव, पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय पवन समेत तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता वहां मौजूद थे। बताया गया है कि देर शाम मोहल्ले का एक युवक कार्यालय के एक छज्जे के नीचे खड़ा होकर सिगरेट पी रहा था। जिलाध्यक्ष ने युवक को सिगरेट पीते देखा तो टोका। इस पर युवक ने सपा जिलाध्यक्ष से वाद विवाद किया। कार्यालय में मौजूद लोग युवक को अंदर घसीट कर पीटने लगे। शोर सुनकर बड़ी संख्या में मोहल्ले के लोग कार्यालय में घुस आए, दोनों पक्षों में धक्का-मुक्की और हाथापाई होने लगी। माहौल बिगड़ता देख सपा के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सपा कार्यालय पर मारपीट और हंगामे की सूचना पर कोतवाल अश्वनी कुमार पाण्डेय भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात को किसी तरह नियत्रंण में लिया। उन्होंने अंदर घुसे लोगों को बलपूर्वक बाहर निकाला और सपा पदाधिकारियों की सुरक्षा को लेकर मुख्य गेट बंद करा दिया। आस-पास के दुकानदारों ने बताया कि विवाद और हंगामा इतना बढ़ा कि गुलाबबाड़ी के निकट दुकान लगाने वाले लोग वहां से निकल लिए। दुकानदारों ने भी अप्रिय घटना की आशंका के कारण कुछ देर के लिए दुकान बंद कर दी। एक घंटे के इस घटनाक्रम के दौरान दोनों ओर खासा तनाव फैल गया। बताया जाता है कि वहां मौजूद सपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी उत्तेजित हो गए, लेकिन वरिष्ठ नेताओं ने किसी तरह उन्हें संभाला। घटना के बाद भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। कुछ युवाओं को पुलिस ने उठाया भी। हालांकि पुलिस से इसकी पुष्टि नहीं की जा रही है।

चलते वाहन से शव फेंकने के मामले में 27 पर एफआईआर

गोंडा, अमृत विचार : देहात कोतवाली क्षेत्र के बालपुर जाट गांव के समीप चलते शव वाहन से शव को सड़क पर फेंकने और राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाकर प्रदर्शन करने के मामले में पुलिस ने 12 नामजद और 15 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

देहात कोतवाली क्षेत्र के बालपुर जाट गांव के रहने वाले हृदयलाल चौहान (27) की दबंगों की पिटाई के चार दिन बाद सोमवार को इलाज के दौरान लखनऊ में मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव वाहन से शव लेकर गोंडा आ रहे थे। बालपुर जाट के पास पहले से ही 50-60 लोग एकत्रित थे। वे शव को रखकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रदर्शन करना चाहते थे। जैसे ही शव वाहन पहुंचा, लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। मौके पर मौजूद देहात कोतवाली और करनैलगंज कोतवाली पुलिस ने शव को गाड़ी से नहीं उतरने दिया और गांव ले जाने को कहा। इसी बीच परिजन और एंबुलेंस चालक स्ट्रेचर पर शव को लादकर तेज रफ्तार से चले। करीब 20 मीटर दूर पहुंचते ही उन्होंने स्ट्रेचर पर रखे शव को नीचे फेंक दिया। स्थानीय लोगों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। देहात कोतवाली पुलिस ने मृतक हृदयलाल चौहान के साथ मारपीट करने वाले चारों नामजद आरोपी रामकिशोर, जगदीश, पंकज और चंदन को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि चार अगस्त की भोर को घायल हृदयलाल की उपचार के दौरान मृत्यु हो गयी थी। पोस्टमार्टम के उपरांत शव को शव वाहन से लखनऊ से गोंडा उनके गांव ले जाया जा रहा था। रास्ते में बालपुर जाट गांव के पास परिवार वालों द्वारा कुछ लोगों के उकसावे में आकर जो चलता हुआ शव वाहन था परिजनों द्वारा उसमें से शव उतार लिया गया।

रामलला की राखियों का हुआ पूजन

- प्राकृतिक और आध्यात्मिक तत्वों से बनी है विशिष्ट राखी

अयोध्या कार्यालय

अयोध्या पहुंची रामलला की राखी।

अमृत विचार: राम मंदिर के दूसरे प्राण प्रतिष्ठा के बाद राजा राम व माता सीता सहित तीनों भाई का पहला रक्षाबंधन पर्व अति विशिष्ट व ऐतिहासिक होने जा रहा है। श्रावण शुक्ल पूर्णिमा के शुभ मुहूर्त पर सभी विग्रहों को बड़ी बहन शांता की ओर से महाराष्ट्र व लखनऊ के कारीगरों के द्वारा तैयार की गई मधुबनी शैली पर बनी जरी व मोतियों की राखियां बांधी जाएंगी। तैयार की गईं राखियां मंगलवार को अयोध्या पहुंचीं, जहां विधिपूर्वक राखियों का पूजन किया गया। शृंगी ऋषि आश्रम से देवी शांता द्वारा यह रक्षासूत्र भेजा जाएगा। यहां से तीन दिवसीय 6 वां 'रामलला रक्षाबंधन महोत्सव' मनाया जाएगा। 8 अगस्त को शोभायात्रा के साथ राखियां, फल व मिष्ठान कारसेवकपुरम में मंदिर ट्रस्ट को सौंपा जाएगा। इससे पूर्व आश्रम में तीन दिवसीय पूजा अर्चना व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी अनुराग सिंह ने बताया कि इस बार की विशेष राखियां जूट फॉर लाइफ संस्था की महिला कारीगरों द्वारा तैयार की गई हैं। इन राखियों में कलावा, रेशम, तुलसी बीज, मोती, सिल्क व जूट आदि प्राकृतिक व आध्यात्मिक तत्वों का उपयोग किया गया है। हर राखी प्रेम, भक्ति व भारतीय परंपरा की भावना से बनाई गई है। 'जूट फॉर लाइफ' संस्था ग्रामीण व शहरी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्यरत है और पर्यावरण-संरक्षण के उद्देश्य से जूट जैसे ईको-फ्रेंडली उत्पादों को बढ़ावा देती है।

घूस लेते हुए कनिष्क सहायक गिरफ्तार

कुशीनगर, अमृत विचार: गोरखपुर भ्रष्टाचार निवारण संगठन एंटी करप्शन टीम ने मंगलवार को कुशीनगर जनपद में बड़ी कार्रवाई की। टीम ने क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी कार्यालय के कनिष्क सहायक को 18000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक की गिरफ्तार कर्मचारी ओम प्रकाश भारती पुत्र वंश राज ग्राम कस्तूरबा, तहसील कसया थाना चौरा खास निवासी है जो वर्तमान में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी कार्यालय पडरौना में तैनात था। शिकायतकर्ता ध्रुव नारायण ओझा निवासी ग्राम सिहुलिया, थाना अहिरौली बाजार ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन से शिकायत दर्ज कराई थी।

गंगा में नहाने गये पांच किशोर डूबे, 3 की मौत

संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। प्रयागराज के थरवई थानाक्षेत्र के भीमकुंडा मंदिर के पास बढ़ी गंगा में दोपहर गंगा नहाने गये पांच किशोर दोस्त नहाने के दौरान डूबने लगे। एनडीआरएफ और जल पुलिस ने बचाव कार्य शुरू किया जिसमें दो किशोर को किसी तरह बचाया गया जबकि तीन दोस्त बढ़ी गंगा में डूब गए।

थरवई थानाक्षेत्र के पांच दोस्त मनसैता निवासी राजनपाल (14) पुत्र मनोज कुमार, लकी पाल (15) निवासी पूरनतारा, उत्कर्ष पाल (16) निवासी बहमलपुर, शिवम पाल (14) और अमनपाल (18) बहमलपुर के निवासी थे। यह सभी आज दोपहर टहलने निकले थे। इसी दौरान यह लोग बढ़ी गंगा में भीमकुंड मंदिर मनसैता नाले के पास नहाने के लिए गया। इस दौरान घाट के आसपास कई लोग बैठे थे, सभी पांचों साथी बढ़ी गंगा में नहाने लगे, इस दौरान वह सभी गहरे पानी में डूबने लगे। आसपास के लोगों ने शोर मचाया तो एनडीआरएफ, जल पुलिस और आसपास नाव चला रहे नाविक बचाव कार्य में लगे जिसमें राजन पाल, लकी पाल और उत्कर्ष पाल की डूबने से मौत हो गयी जबकि शिवम् और अमन किसी तरह से बचाए जा सके।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निम्न कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	प्रोविशन ऑफ न्यू एयर प्रेशर लाइन ऑफ लिफ्टिंग शॉप, बोगी शॉप, व्हील शॉप, आर०एम०पी०यू० शॉप, रोलर बेअरिंग शॉप, लाइन नं.–22, 24 एन्ड एल०एच०बी० शेड इन कैरिज वर्कशॉप आलमबाग, लखनऊ।		
कार्यस्थल	सवारी एवं डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ		
अनुमानित लागत	₹1,56,58,561.87 मात्र	निविदा प्रपत्र का मूल्य	शून्य
बिड सिक्योरिटी	₹2,28,300/- मात्र	कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह
निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	दिनांक 26.08.2025 समय 15:00 बजे तक		
खुलने का समय	निविदा फार्म जमा होने के पश्चात निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा। निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है।		
कार्यालय जहां से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है।	निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तों सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है		
वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है			

निविदा सूचना सं.: 2025–ए.एम.वी.–सी एंड डब्ल्यू ईनिविदा–47
दिनांक: 02.08.2025 2379/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सरयू लाल निशान के पार राहत व बचाव कार्य शुरू

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : उफनाई सरयू का जल स्तर मंगलवार को लाल निशान पार कर गया। खतरे के निशान से लगभग चार सेमी ऊपर पहुंच गई। प्रत्येक दो घंटे में एक सेमी पानी बढ़ने का रूझान है। जल स्तर में इस बार ज्यादा वृद्धि होने के आसार है। कारण पीछे से लगभग 1.75 क्यूसेक छोड़ा गया पानी है। बहराइच में घाघरा लाल निशान से लगभग एक मीटर ऊपर बह रही है। ऐसे में उस पानी के यहां पहुंचने पर जल स्तर बढ़ेगा। जिले की रुदौली, सोहावल और सदर तहसीलों के कछारीय गांव प्रभावित हैं। स्थिति ज्यादा खराब होने लगी है। कछार में फसलें जलमग्न हो गई हैं। गांवों में पानी पहुंच गया है। लोग अब सुरक्षित स्थान की ओर जाने के लिए मजबूर हैं। जिले की तीनो तहसीलों में 18 गांव कछार में है। बाढ़ का पानी रुदौली कैथी, सल्लाहपुर, सोहावल के मांझा कला और सदर के कई गांवों में लग गया है।

बाढ़ के बने हालात, ग्रामीणों का पलायन शुरू

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

टेपरा गांव पहुंचे बाढ़ के पानी को निहारता ग्रामीण।

अमृत विचार: पड़ोसी देश से फिर छोड़े गए तीन लाख क्यूसेक पानी से हालात और बिगड़ने के आसार बन गए हैं। उधर सरयू नदी के जलस्तर ने रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। खतरे के निशान से 40 सेमी ऊपर पहुंच गई नदी का पानी तमाम गांवों में तेजी से घुसता जा रहा और खेत, रास्ते, खलिहान जलमग्न हो रहे हैं। तराई में पलायन ही आखिरी चारा मान ग्रामीणों ने तैयारी पूरी कर ली है। तीन तहसीलों में अलर्ट जारी करते हुए ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की गई है।

सिरौलीगौसपुर प्रतिनिधि के अनुसार नेपाल से छोड़े गए पानी से सरयू नदी के केनिारे बसे कई गांव बाढ़ के पानी से घिर गए हैं। वहीं मंगलवार को नेपाल द्वारा तीन लाख सत्रह हजार छः सौ बाइस क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद प्रशासन भी अलर्ट मोड में है। तहसील प्रशासन ने अपने राजस्व निरीक्षक लेखपाल आदि को अलीनगर रानीमऊ तटबंध के भीतर बसे गांवों कहारनपुरवा, सनांवा, टेपरा, कुर्मिन टेपरा, पासिन पुरवा, बघौली पुरवा, गोबरहा, तेलवारी, सिरौली गुंग, सरदहा, परसा, कोठीडीहा में भेज कर ग्रामीणों को जागरूक कर रहे हैं कि इस बार नेपाल से छोडा गया पानी तेजी से गांवों में पंहुच सकता है। सभी ग्रामीण अपनी गृहस्थी का सामान समेट कर बांध एव अन्य ऊंचे स्थानों पर रुकें। तहसीलदार बालेन्दु भूषण वर्मा ने तेलवारी, सरदहा परसा बबुरी कोठीडीहा इत्यादि गांवों के ग्रामीणों को सचेत कर बाढ चौकियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। तहसीलदार ने बाढ चौकियों पर लगे राजस्व कर्मियों से कहा है कि कि बाढ़ की स्थिति की अपडेट तहसील के बाढ कंट्रोल रूम को देते रहे। उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह ने विभागों को अलर्ट करते हुए सभी अपनी अपनी ड्यूटी अच्छे से निभाने के निर्देश दिये हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डर

ई-निविदा सूचना संख्या- एन-235-62 टेली टेण्डर 07-2025

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर / टेली/मुख्यालय, पूर्वोत्तर रेलवे /गोरखपुर एवं कृते भारत के राष्ट्रपति के ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए टेण्डर प्रपत्र में अंकित निर्धारित योग्यता का पर्याप्त अनुभव रखने वाले ठेकेदारों से ई– टेन्डर आमंत्रित करते हैं। **1. निविदा सूचना सं०:** एन–235–62 टेली टेण्डर 07–2025. **2.** कार्य का नाम : पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर में विभिन्न रेलवे ई–सर्विसेस के लिए ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी का विस्तार/ विश्वसनीयता सुधार का कार्य। **3.** निविदा लागत : ₹ 9251568.43/– (बयानवे लाख इक्यावन हजार पांच सौ अड़सठ रूपये एवं तैतालीस पैसे मात्र) **4.** बिड सिक्यूरिटी (बयाना धनराशि) : ₹ 1,85,000/– **5.** ऑफर की वैधता : 60 दिन **6.** निविदा खोलने एवं बंद होने का स्थान, तिथि तथा समय : कार्यालय मण्डल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजी/टेली, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर. दिनांक– 25.08.2025, समय – 15:00 बजे **7.** कार्य के पूर्ण करने की अवधि : 06 (छः) माह **8.** मूल निविदा में किसी तरह के परिवर्तन के लिए कृपया इन्टरनेट वेबसाइट पर जारी शुद्धि पत्र का अवलोकन करें। **9.** विस्तृत निविदा सूचना, निविदा प्रपत्र, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं। **नोट:** निविदादाता / बिडर को अपने बिड के साथ सभी निर्दिष्ट संलग्नों/ फॉर्मेट/ अनुलग्नक को अपलोड करना होगा।

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/टेली/मुख्यालय
मुजाधि/सिगनल- 38 पूर्वोतर रेलवे, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना सं.: इज्जत/ इलै./ओ.टी./13/2025 दि. 28.07.2025

निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)/इज्जतनगर द्वारा अनन्त्रित की जाती है:–**क्रम सं.:–01, कार्य का नाम:–** इज्जतनगर मण्डल में रामनगर यार्ड में नयी वाशिंग पिट एवं पैसेन्जर लाइनों के विस्तार में वाधक मौजूदा ''संरचनात्मक अवरोधको'' को हटाये जाने से सम्बन्धित सामान्य विद्युतीकरण कार्य।, **विवरण:– अनुमानित लागत रु. में:–** 80,86,048.72, **धरोहर राशि रु. में:–**1,61,800.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में:–**शून्य, **ई–निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि व समय:–** 25.08.2025 15.00 बजे तक, **स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:–** 11 माह, • इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। • पूर्ण विवरण वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दिया गया है। • निविदादाता के पास क्लास III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और IREPS पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए। • केवल पंजीकृत निविदादाता ही ई टेण्डरिंग में भाग ले सकते हैं। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लने के समय में अपलोड किये जाने चाहिए।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)/
मुजाधि/विद्युत–109 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

आज बरेली और मुरादाबाद में देंगे अरबों की सौगात

बरेली/मुरादाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को मंडलीय समीक्षा कार्यक्रम के तहत बरेली और मुरादाबाद में रहेंगे। इस दौरान दोनों मंडलों के 9 जिलों के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था के साथ ही अरबों रुपये के विकास कार्यों की सौगात भी देंगे। मुख्यमंत्री बरेली में करीब तीन घंटे रहेंगे, जबकि मुरादाबाद में रात्रि विश्राम भी करेंगे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर दोनों ही जिलों में मंगलवार को दिन भर तैयारियां होती रहीं। मुख्यमंत्री बरेली से हेलीकॉप्टर से मुरादाबाद की बिलारी तहसील के ग्राम पीपली जाएंगे। जहां अटल आवासीय विद्यालय का लोकार्पण करेंगे। साथ ही करोड़ों रुपये की योजनाओं और परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। बुद्धि विहार में हनुमान वाटिका, संविधान साहित्य पार्क का निरीक्षण भी करेंगे। रात्रि विश्राम करने के बाद गुरुवार सुबह संभल पहुंचेंगे।

रक्षाबंधन पर बनेगा दुर्लभ सौभाग्य और सिद्ध योग

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : रक्षाबंधन पर इस बार 95 साल बाद सौभाग्य योग बनेगा। यह सभी भाई-बहनों के लिए अति शुभ है। 9 अगस्त को केवल राहुकाल सुबह 9 से 10:30 बजे तक छोड़कर पूरा दिन राखी बांधना शुभ रहेगा। ज्योतिषियों के अनुसार इस दिन शनि श्रवण का मिलन, बुधादित्य योग, सर्वार्थ सिद्ध योग और सौभाग्य योग बन रहा है। साथ ही मकर राशि में चंद्रमा की उपस्थिति रहेगी। ये योग इतने दुर्लभ हैं कि एक साथ इनका संयोग शादियों में ही देखने को मिलता है। महा संयोग में निवेश, खरीदारी के लिए उत्तम समय है।

आचार्य रमाकांत दीक्षित ने बताया रक्षाबंधन के दिन सुबह सूर्योदय से दोपहर 2:40 बजे तक सर्वार्थसिद्धि योग रहेगा, जो इस पर्व की शुभता को कई गुना बढ़ा देता है। इसके बाद संध्या तक शुभ योगों की उपस्थिति रहेगी, जिससे दिनभर रक्षाबंधन मनाना अत्यंत लाभकारी रहेगा।

राशि के अनुसार बांधे भाई की कलाई पर राखी

ज्योतिषाचार्य रमाकांत के अनुसार यदि राशि के अनुसार भाई को राखी बांधी जाए तो इसका महत्व और प्रबल होता है। उन्होंने बताया मेष राशि वालों के लिए लाल रंग, वृषभ राशि वालों के लिए नीले रंग की, मिथुन राशि वालों को हरे रंग, कर्क राशि वालों को सफेद रंग, सिंह राशि वालों को लाल या पीले रंग की, कन्या राशि वालों को गहरे हरे रंग की राखी बांधे। वहीं तुला राशि वालों को गुलाबी रंग की, वृश्चिक राशि वालों को मेहरून रंग की, धनु राशि वालों को पीले रंग की, मकर राशि वालों को नीले रंग, कुंभ को गहरे हरे रंग या नीले रंग और मीन राशि पीले रंग की राखी बांधने से भाइयों के लिए रक्षाबंधन अति शुभ रहेगा।

रेलवे ट्रैक पर भी भरा पानी, वंदे भारत समेत कई ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक

बरेली। बारिश में मुरादाबाद मंडल के अलग-अलग रेलवे स्टेशनों और ट्रैक पर पानी भरने से ट्रेनों की रफ्तार पर भी ब्रेक लग गया है। ट्रेनों को जहां-तहां रोकना पड़ रहा है। वंदे भारत, राज्यरानी एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें घंटों लेट हो गईं।

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र विशाल पाल व पुत्रवधू सीमा देवी को उनकी समाज विरोधी गतिविधियों, क्रिया कलापों एवं व्यवहार व गलत बर्ताव के कारण अपनी चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। यदि कोई मेरे पुत्र से लेन–देन करता है, तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार की कोई देनदारी जिम्मेदारी नहीं होगी। **सूरज पाल पुत्र स्व0 रामदीन पाल, निवासी– 161, हाता रामदास, सदर बाजार कैंट, लखनऊ, उ0प्र0– 226002**

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता नलकूप खण्ड गोण्डा

सार्वजनिक नीलामी सूचना संख्या–02/2025–26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नलकूप खण्ड गोण्डा में उपलब्ध निष्प्रयोज्य वाहन की सार्वजनिक नीलामी तालिका में अंकित तिथि को नलकूप खण्ड गोण्डा के कार्यालय परिसर में की जायेगी। बोलीदाताओं को निर्धारित शर्तो का पालन करना होगा। सार्वजनिक नीलामी वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड–5 भाग–1 नियम 260 ए के परिशिष्ट 19 डी में उल्लिखित नियम व शर्तों के अधीन होगी। इच्छुक व्यक्ति/फर्म को ही बोली बोलने के अधिकार प्राप्त होगा। नीलामी में कोई भी एक बोली अथवा समस्त बोली बिना कारण बताये अस्वीकार/निरस्त करने का अधिकार नीलामीकर्ता अध्यक्ष के पास पूर्ण रूप से सुरक्षित रहेगा।

क्र0 सं0	खण्ड का नाम	लाट संख्या	वाहन का प्रकार	वाहन संख्या	मात्रा	टोकन मनी	नीलामी की प्रस्तावित तिथि	जी0एस0टी0
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	नलकूप खण्ड गोण्डा	01	जीप	यू.पी.–42–5894	01	400.00	03.09.2025	जी0एस0टी0 अतिरिक्त देय होगी।
2		02	जीप	यू0आर0एल0–4687	01	400.00		

नीलामी की संक्षिप्त शर्त निम्नवत है:–

01. नीलामी में भाग लेने हेतु आवश्यक नीलामी प्रपत्र दिनॉक 07.08.2025 से 28.08.2025 तक कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में नीलामी प्रपत्र प्राप्त कर/भरकर प्रत्येक लाट हेतु अलग–अलग समस्त अभिलेखों सहित दिनॉक 28.08.2025 तक कार्यालय में कार्य दिवस के समय जमा करना होगा। जिसकी जॉचोपरान्त बोलीदाताओं की सूची दिनॉक 03.09.2025 को निर्गत की जायेगी तथा उसी दिन अपराह्न 13.00 बजे से नीलामी की कार्यवाही प्रारम्भ की जायेगी।
02. समस्त प्रमाण पत्रों की प्रतियॉ स्पष्ट एवं स्वयं सत्यापित होना अनिवार्य है।
03. नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति/फर्म का GST/TIN N0 होना आवश्यक है।
04. नीलामी में भाग लेने से पूर्व उक्त लाट की नीलामी के लिए दिनॉक 03.09.2025 को तालिका में अंकित टोकन मनी (डिमॉड ड्राफ्ट अधिशासी अभियन्ता नलकूप खण्ड गोण्डा के पक्ष में निर्गत) के साथ GST/TIN Registration की प्रति संयोजक सहायक अभियन्ता, प्रथम नलकूप खण्ड गोण्डा के पास जमा करके टोकन प्राप्त करना होगा। केवल एक टोकन धारक ही नीलामी में भाग ले सकेंगे। डिमॉड ड्राफ्ट नीलामी समाप्त होने पर समायोजित/वापस कर दी जायेगी।
05. नीलामी का विवरण बेवसाइट www.gonda.nic.in तथा सिंचाई विभाग की www.idup.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।
06. सामग्री का अवलोकन किसी भी कार्य दिवस/कार्य अवधि में नलकूप खण्ड गोण्डा के स्टोर में किया जा सकता है।
07. सामानों की नीलामी जहॉ है, के आधार पर की जायेगी तथा उच्चतम् बोलीदाता द्वारा GST अतिरिक्त नियमानुसार देय होगा।
08. उच्चतम बोलीदाता को सामान के मूल्य की 25 प्रतिशत धनराशि राष्ट्रीयकृत बैंक के बैंक ड्राफ्ट के रूप में नीलामी प्राप्त होने के पश्चात उसी दिन अधिशासी अभियन्ता नलकूप खण्ड गोण्डा के पक्ष में नलकूप खण्ड गोण्डा के कार्यालय में जमा करना होगा, अन्यथा टोकन मनी की धनराशि जब्त कर ली जायेगी और नीलामी द्वितीय उच्चतम बोलीदाता अथवा तदानुक्रम में अगले बोलीदाता के पक्ष में की जा सकती है।
09. फर्म/अथवा बोलीदाता द्वारा अधिकृत व्यक्ति ही नीलामी में ही भाग ले सकेंगे इसके अतिरिक्त अन्य कोई भी व्यक्ति नीलामी परिसर में प्रवेश नही करेगा, तथा प्राधिकार प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। (व्हाट्सएप, मेल इत्यादि मान्य नही होगा)।
10. फर्म/पंजीकृत बोलीदाता द्वारा अधिकृत व्यक्ति को नीलामी में प्रवेश हेतु पहचान पत्र, आधार कार्ड एवं निवास प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने वाले सभी बोलीदाता जिलाधिकरी द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति उपलब्ध करायेंगे, तथा सभी बोलीदाता को अपना GST नम्बर एवं पैन कार्ड की सत्यापित प्रति तथा इनके मूल प्रमाण पत्र अवलोकनार्थ प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
11. नीलामी के उपरान्त उच्चतम बोलीदाता को सक्षम अधिकारी से स्वीकृति प्राप्त होने के बाद एक सप्ताह के अन्दर शेष धनराशि का (डिमॉड ड्राफ्ट अधिशासी अभियन्ता नलकूप खण्ड गोण्डा के पक्ष में GST एवं अन्य करों के साथ जमा करना होगा तदोपरान्त ही भण्डार से सामग्री निर्गत की जायेगी। सामग्री बिलम्ब से उठाये जाने की स्थिति में 0.5 प्रतिशत प्रति सप्ताह स्टोरेज चार्ज देना होगा। उक्त के सम्बन्ध में कोई भी जानकारी अधोहस्ताक्षरी से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

(अखिलेश कुमार सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
नलकूप खण्ड गोण्डा

UP-236557 दिनांक 04.08.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

वकीलों की हड़ताल का आह्वान मानना पीठासीन अधिकारी के लिए दुराचार के समान सरीखा

प्रयागराज, एजेंसी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वकीलों की हड़ताल को गंभीरता से लेते हुए कहा कि बार एसोसिएशन के आह्वान पर पेशेवर दायित्व से किसी तरह विरत रहना और इस तरह की हड़ताल के आह्वान को स्वीकार करना पीठासीन अधिकारी की तरफ से दुराचार के समान हो सकता है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने अलीगढ़ के स्थानीय बार एसोसिएशन द्वारा न्यायिक कार्य से विरत रहने का वकीलों से किए गए आह्वान के आलोक में एक मामले की सुनवाई टालने के लिए उप जिलाधिकारी (एसडीएम) को फटकार लगाई।

अदालत ने कहा कि इस तरह की हड़ताल स्वीकार करना पीठासीन अधिकारी की ओर से दुराचार के समान हो सकता है। उसे पद से हटाने समेत अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की जा सकती है। कोर्ट ने संबंधित अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा कि बार के प्रस्ताव को देखते हुए एक मामले में सुनवाई टालने के लिए क्यों न उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। यह मामला सत्यपाल सिंह नाम के एक व्यक्ति द्वारा एसडीएम के समक्ष उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा 38(2) के तहत दाखिल बहाली आवेदन से जुड़ा है। इस मामले में इसी साल 25 जुलाई को सुनवाई होनी थी। लेकिन अधिवक्ताओं की हड़ताल की वजह से इस मामले की सुनवाई 28 जुलाई तक के लिए टाल दी गई। संबंधित एसडीएम के आचरण की आलोचना करते हुए कोर्ट ने कहा कि अब यह सुस्थापित है कि बार एसोसिएशन के आह्वान पर पेशेवर ड्यूटी से किसी तरह विरत रहना पूरी तरह से अवैध है। कोर्ट ने 28 जुलाई को अपने आदेश में संबंधित एसडीएम को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

ता0पे0– 08/08/2025
हेतु संदर्भित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)
न्यायालय नायब तहसीलदार रामनगर बाराबंकी
वाद संख्या अ.धा. 34 सन् 2006
वाद सं. T20210410402350
उ.प्र. ग्राम रिछली तहसील रामनगर
धनीराम आदि ... वादी
बनाम
मो0 अहमद ... प्रतिवादी

धनीराम, कमलेश, नेवल कुमार पुत्रगण बलवन्त प्रसाद ग्राम मदरहा पोस्ट– डिहुवा, तह0 रामनगर, बाराबंकी। चूंकि उपरिनामांकित धनीराम आदि को इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि बाजदायर अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए सन् 2025 ई0 के 08 के 08 दिवस को 10 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनविष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 05.08.2025 ई0 के 10 बजे के दिवस को निकाली गई।

आज्ञा से न्यायालय

सार्वजनिक सूचना

सूमिटोमो मितसूई फॉईनेन्सियल ग्रुप, इण्डिया क्रेडिट कम्पनी लि०, लखनऊ (एस०एम०एफ०जी०) के निर्देश के तहत, सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री चन्द्र प्रकाश गुप्ता जो कि एक किता भूखण्ड, नगर निगम संख्या 365/301(040), जिसका रकबा 1935 वर्गफीट, स्थित–मोहम्मदगंज, वार्ड– सहादतगंज, लखनऊ के पूर्णतया स्वामी है। उपरोक्त सम्पत्ति को श्री चन्द्र प्रकाश गुप्ता ने मो० मुनीश व मो० नावेद से विक्रय विलेख के माध्यम से क्रय किया जो कार्यालय उप–निबन्धक पंचम लखनऊ मे दिनांक 08.01.2021, क्रमांक 262, बुक नंबर 1, जिल्द नंबर 14719, पर पंजीकृत है। जैसा कि उपरोक्त सम्पत्ति को इसके पूर्व स्वामी स्व० भगवानदीन पुत्र स्व० जगन्नाथ प्रजापति ने जरिये नीलामी न्यायालय के आदेश दिनांकित 16.02.1931 के अनुक्रम में क्रय किया था जिसका मूल विक्रय विलेख एवम् उक्त आदेश अनुपलब्ध है विदित हो ये दस्तावेज कहीं खो चुके है जिसके सम्बन्ध में एक एन०सी०आर० दिनांक 05.08.2025. एल०ए०आर० संख्या 2025000550746 को पुलिस यूनीटः पुलिस कंप्यूटर केंद्र, तकनीकी सेवायें मुख्यालय, लखनऊ में दर्ज की गयी है। जैसा कि श्री चन्द्र प्रकाश गुप्ता, पूजा प्लास्टिक के नाम से उपरोक्त सम्पत्ति के एवज मे सूमिटोमो मितसूई फॉईनेन्सियल ग्रुप, इण्डिया क्रेडिट कम्पनी लि०, लखनऊ से ऋण लेना चाहते है तथा ये विश्वास दिलाते है कि किसी भी न्यायालय के समक्ष उपरोक्त विक्रय विलेख प्रतिभूति के रूप में दाखिल नहीं है अतः किसी भी व्यक्ति को इस सम्पत्ति में किसी भी पूर्व अधिकार या ब्याज का दावा करने या किसी भी तरह से दावा करने या किसी व्यक्ति / बैंक / निगम / वित्तीय को उपरोक्त विलेख जमा करके ऋण उठाया है तो सार्वजनिक सूचना की तारीख से 7 दिनों के भीतर लिखित आपत्ति दे सकता है। इस सम्बन्ध मे नोटिस दे सकता है। इस नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद, किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा और इस तरह के दावे का कानून की नजर में कोई मूल्य नहीं होगा, यह भी माना जाएगा कि सूमिटोमो मितसूई फॉईनेन्सियल ग्रुप, इण्डिया क्रेडिट कम्पनी लि०, लखनऊ के साथ उपरोक्त सम्पत्ति को गिरवी रखने के लिए किसी को कोई आपत्ति नहीं है। **विवेक श्रीवास्तव (एडवोकेट)**
कार्यालय/निवासी– 3/40, वास्तु खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ–226010, फोन: 9839485155

अदालती नोटिस

हेतु संदर्भित करने की सूचना/साधारण प्रारूप
बअदालत न्यायालय श्रीमान् जनपद न्यायाधीश, लखनऊ
प्रकीर्ण वाद संख्या–470/2025
ता0पेशी–27.08.2025

श्री गोपेश्वर गौशाल समिति स्थित दिन्नी शाह पक्का तालाब, आर्यनगर, मलिहाबाद, जिला–लखनऊ द्वारा सचिव अभिषेक गुप्ता पुत्र श्री अरूण कुमार निवासी–गल्लामंडी, मिर्जागंज, मलिहाबाद, लखनऊ–प्रार्थी/वादी

बनाम

1–उ0प्र0 सरकार
2–सुनील कुमार गुप्ता पुत्र स्व0 लालता प्रसाद गुप्ता निवासी–गल्ला मंडी, मलिहाबाद, लखनऊ – विपक्षीगण

जन सामान्य हेतु सूचनार्थ:–चूंकि उपरोक्त नामांकित–प्रार्थी/वादी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा–5(क) सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट–1860 हेतु। अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए 27.08.2025 के दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनविष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजाता हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और मोहर न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 28.05.2025 के दिवस को दिखायी गयी। दस्तखत हाकिम–मोहर अदालत

अमृत विचार

बुधवार, 6 अगस्त 2025

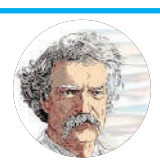

अगर आप सच बोलते हैं तो आपको कुछ भी याद रखने की जरूरत नही है। – मार्क ट्वेन

आपदा और आफत

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बादल फटने की भयावह घटना स्थानीय लोगों के लिए बड़ी आपदा बनकर आई है। अथाह जल राशि के तेज वेग के साथ बहकर आए मलबे में पलक झपकते ही सारा इलाका तबाह हो गया। मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गए। बाजार, बस्ती, इंसान और मवेशी सभी बह गए। पहाड़ों पर पिछले कुछ समय से बादल फटने की बढ़ती घटनाएं लगातार विचलित कर रही हैं। ऐसे प्राकृतिक हादसे अधिकतर मानसून की बारिश में ही होते हैं। बादल फटने का मतलब होता है, सीमित अंतराल और दायरे में अचानक काफी भारी बारिश होना। इसके पीछे भौगोलिक और परिस्थितिजन्य कारणों के अलावा विशेषज्ञ जलवायु परिवर्तन, अनियोजित विकास, अवैध निर्माण, जंगलों की आग, पेड़ों की अंधाधुंध कटान और कचरा जलाने को जिम्मेदार ठहराते हैं। वजह कुछ भी हो, बादल फटने से जीवन और संपत्ति का जिस तरह बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है, उसे देखते हुए जरूरी हो गया है कि ऐसी घटनाओं की रोकथाम के उपाय खोजने के साथ लोगों को पहले से अलर्ट करने वाले इंतजाम खोजने ही पड़ेंगे। हालांकि बरसात का मौसम केवल पहाड़ों के लिए आफत भरा है, ऐसा भी नहीं है।

मुसीबत मैदानी इलाकों में भी कम नहीं है, जहां कुछ घंटे की बारिश में सारा विकास धुल जाता है, जगह-जगह पानी भर जाता है। कहीं सड़क तो कहीं पुल-पुलिया बह जाती है। सब कुछ डूब जाता है। नाले-नाली और रोड के बीच का फर्क खत्म हो जाता है। यह कहानी हर साल की तब है, जब शहरों में जल निकासी को लेकर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। सीवेज लाइन, नालियां बनाई जाती हैं। हर बार दावा किया जाता है कि अबकी बारिश में जलभराव नहीं होगा। फौरी तौर पर लगता भी है कि समस्या का समाधान हो गया है, लेकिन जरा सा ज्यादा पानी बरसने पर जल निकासी के प्रबंध पूरी तरह फेल हो जाते हैं या नाला-नाली की सफाई में हुई लापरवाही की भेंट चढ़ जाते हैं। एक और बड़ी बेपरवाही यह भी है कि हर कहीं नगर निगम, पालिका या जल, विद्युत और सड़क निर्माण विभाग अलग-अलग काम करते हैं। इसके चलते सड़कें बनते ही फिर खोद दी जाती हैं। सीवेज और ड्रेनेज सिस्टम को बर्बाद होने का यह भी बड़ा कारण है। दरअसल, शहरों में नई और ऊंची इमारतें तो धड़ल्ले से बन रही हैं, लेकिन ड्रेनेज मैनेजमेंट या सिस्टम को लेकर कोई खास काम नहीं हो रहा है, जबकि हर शहर की आबादी, रियायशी इलाकों और कम से कम आगे के 30 सालों की परिस्थिति आकलन करके योजना तैयार की जानी चाहिए। वर्ना बादल फटने जैसी घटना तो कुछ हद तक प्राकृतिक आपदा कही जा सकती है लेकिन शहरों को डुबाने का गुनाह तो हमारा ही है। बाढ़ से निपटने के लिए जल निकासी की मजबूत व्यवस्था बनाने के लिए अगर जिम्मेदार गंभीर नहीं होंगे तो बरसात का मौसम आफत बनकर जन-जीवन की मुश्किलें बढ़ाता ही रहेगा।

हिरोशिमा की राख से उठते कुछ सवाल

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

6 अगस्त 1945, इतिहास में यह तारीख उस भयावह क्षण के रूप में अंकित है, जब विज्ञान की शक्ति ने मानवता की सीमा लांघ दी थी और विनाश का नया अध्याय शुरू हुआ था। यही वह दिन था, जब अमेरिका ने जापान के शांत और सांस्कृतिक शहर हिरोशिमा पर 'लिटिल ब्वाय' नामक परमाणु बम गिराया था। उस एक विस्फोट ने लगभग एक लाख चालीस हजार लोगों की जान ले ली थी और लाखों अन्य को पीड़ा, विकलांगता, कैंसर, मानसिक संताप और सामाजिक बहिष्करण के लंबे दौर में धकेल दिया था। हिरोशिमा केवल एक शहर नहीं था, जो जलकर राख हुआ, वह मानव विवेक, चेतना और सहअस्तित्व की अवधारणा पर लगा एक ऐसा स्थायी घाव था, जो आज भी रिस रहा है।

हर साल 6 अगस्त को मनाया जाने वाला 'हिरोशिमा दिवस' पूरी दुनिया को यह याद दिलाता है कि जब वैज्ञानिक उपलब्धियां नियंत्रण से बाहर होती हैं तो वे मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाती हैं। हिरोशिमा पर गिराया गया बम कोई आम हथियार नहीं था। वह लगभग 15 किलोटन यानी 15 हजार टन टीएनटी विस्फोटक के बराबर शक्ति रखता था और उसकी विभीषिका ने केवल शहर की इमारतों को नहीं बल्कि वहां की मिट्टी, जल, वायु और मानव शरीर तक को रेडियोधर्मी विकिरण से बुरी तरह प्रभावित किया। बम विस्फोट के तुरंत बाद लगभग 80 हजार लोग मारे गए और वर्ष के अंत तक यह संख्या 1.4 लाख के पार पहुंच गई। वहां की संतानों में जन्म दोष, कैंसर, मानसिक विकार और सामाजिक कलंक के ऐसे दाग लगे, जो पीढ़ियों तक नहीं मिट सके।

परमाणु बम से बच निकले लोगों को जापान में 'हिबाकुशा' कहा गया। इन लोगों ने केवल शारीरिक पीड़ा ही नहीं, सामाजिक तिरस्कार और मानसिक आघात भी सहा। जिन लोगों ने त्रासदी झेली, उन्हें अक्सर हीन दृष्टि से देखा गया। यही त्रासदी कुछ ही दिन बाद, 9 अगस्त को नागासाकी में भी दोहराई गई, जब अमेरिका ने 'फैट मैन' नामक बम गिराया और एक बार फिर करीब 70 हजार लोगों की जानें चली गईं। उन दो हमलों के बाद द्वितीय विश्वयुद्ध भले ही समाप्त हुआ, लेकिन मानवता की चेतना पर जो चोट पड़ी, उसकी भरपाई आज तक नहीं हो पाई है। उन बम हमलों ने वैश्विक राजनीति को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया। उसके बाद युद्ध केवल सैनिकों और हथियारों का खेल नहीं रह गया बल्कि एक ऐसी होड़ में तब्दील हो गया, जिसमें विनाश की क्षमता को ही शक्ति का मानक माना जाने लगा।

हिरोशिमा और नागासाकी की विभीषिका के बाद परमाणु हथियारों की दौड़ शुरू हुई। अमेरिका के बाद सोवियत संघ, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल जैसे देशों ने परमाणु बम बनाए और धीरे-धीरे यह शस्त्र राजनीतिक शक्ति और रणनीतिक नियंत्रण का प्रतीक बन गया। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) और व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) जैसे प्रयासों के बावजूद परमाणु खतरा कम नहीं हुआ। कुछ देशों ने इन संधियों को स्वीकार नहीं किया, कुछ ने औपचारिकता निभाई और कुछ ने गुपचुप परमाणु जखीरा बढ़ाया।

भारत ने 1974 में 'स्माइलिंग बुद्धा' के नाम से पहला परमाणु परीक्षण किया और 1998 में पोखरण-2 द्वारा स्वयं को परमाणु संपन्न राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। भारत ने 'नो फर्स्ट यूज' यानी पहले हमला नहीं करने की नीति अपनाई, जो एक जिम्मेदार परमाणु राष्ट्र की पहचान है, लेकिन पाकिस्तान, जिसने 1998 में अपने परमाणु परीक्षणों से ताकत दिखाई, बार-बार इस नीति को चुनौती देता रहा है। भारत-पाक के बीच जब-जब तनाव बढ़ा, चाहे वह कारगिल युद्ध हो, पठानकोट हमला हो, बालाकोट स्ट्राइक हो या पुलवामा अथवा पहलगाम जैसे आतंकी हमले, विश्व समुदाय ने परमाणु टकराव की आशंका के साथ चिंताओं का इजहार किया।

आज हिरोशिमा दिवस की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है, क्योंकि विश्व फिर से उन्हीं खतरों की छाया में जी रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध, जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकियां दी गई हैं, इस बात को स्पष्ट करती हैं कि परमाणु बम केवल संग्रहालय की वस्तु नहीं हैं। उत्तर कोरिया का मिसाइल परीक्षण, ईरान का परमाणु कार्यक्रम, चीन का परमाणु शस्त्रागार बढ़ाने का प्रयास हमें बार-बार इस सच्चाई से अवगत कराते हैं कि हिरोशिमा जैसे दृश्य दोहराए जाने की आशंका कभी भी पैदा हो सकती है।

आज जब विश्व जलवायु परिवर्तन, वैश्विक महामारी, जैविक हथियारों और साइबर युद्ध जैसी नई चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब परमाणु हथियारों का अस्तित्व एक ऐसा छिपा हुआ विस्फोटक है, जो केवल एक गलत निर्णय, एक तकनीकी विफलता या एक गलतफहमी से ही धरती को विनाश के गर्त में धकेल सकता है। कई विशेषज्ञ मानते हैं कि हम अब परंपरागत युद्धों की नहीं बल्कि 'साइबर स्पेस', 'ड्रोन स्ट्राइक्स' और 'परमाणु धमकी' जैसे अस्थिर और अनिश्चित युद्धों के युग में प्रवेश कर चुके हैं।वर्ष 2021 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा परमाणु हथियारों को प्रतिबंधित करने के लिए 'ट्रीटी ऑन द प्रोहिबिशन ऑफ न्यूक्लियर वेपन्स' पारित की गई।

आज हिरोशिमा दिवस की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है, क्योंकि विश्व फिर से उन्हीं खतरों की छाया में जी रहा है।

सामयिकी

ट्रंप के टैरिफ का भारतीय व्यापार और नीति पर प्रभाव

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारतीय आयातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के साथ ही रूस से ऊर्जा और सैन्य उपकरण खरीदने पर जुर्माना लगाना, पहली नजर में भारत के लिए एक झटका है। एक मुक्त व्यापार समझौता जो भारतीय उत्पादों को दुनिया के सबसे बड़े बाजार तक अधिक पहुंच की अनुमति देता है और साथ ही, अपनी अर्थव्यवस्था को अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं के लिए खोलता है, दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है। 2024-25 (अप्रैल) में अमेरिका को भारत का निर्यात 86 बिलियन डॉलर था, जो किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक था। अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं करना भारत के हित में नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर व्यापार पर भारत के टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों और ऊर्जा तथा सैन्य उपकरणों पर रूस के साथ व्यवहार का हवाला देते हुए, 25 प्रतिशत टैरिफ और जुर्माना लगाने के पीछे मुख्य कारणों के रूप में उद्धृत किया। अभी तक इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है कि जुर्माना कैसा होगा, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने अतीत में ब्रिक्स देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी है।

प्रो. रिपुदमन सिंह

अर्थशास्त्री

भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में खटास पैदा करने वाले कारकों का विश्लेषण जरूरी है। हाल के परिदृश्य के पीछे किसी एक कारक को चिन्हित करना मुश्किल है। भारत के टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं का मुद्दा, राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल से ही राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा उठाया जाता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप लम्बे समय से यह शिकायत कर रहे हैं कि भारत जैसे देश यूक्रेन के साथ रूस के युद्ध को आंशिक रूप से वित्तपोषित कर रहे हैं। हालांकि, भारत ने दोहराया है कि वह अपनी राष्ट्रीय और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करेगा और अगर इसका मतलब सस्ता रूसी तेल खरीदना है, तो वह यही करेगा।

वर्तमान में रूस से भारत का तेल आयात लगभग 35-40 प्रतिशत है, जो इसे एक महत्वपूर्ण साझेदार बनाता है। इसके अलावा, भारत अपने कृषि और डेयरी क्षेत्रों के मुख्य हिस्सों को अमेरिका सहित सभी व्यापारिक समझौतों से बाहर रखने पर अडिग है। इससे अमेरिका नाराज है, लेकिन यह एक लक्ष्य रेखा है, जिसे भारत पार नहीं करना चाहेगा। इन क्षेत्रों को खोलने से भारत के अपेक्षाकृत कम उत्पादकता वाले किसान वैश्विक प्रतिस्पर्धा के सामने आ जाएंगे, जिसका उनकी आजीविका पर विनाशकारी प्रभाव पड़ सकता है। फिर यह तथ्य भी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने बार-बार कहा है कि भारत द्वारा ऑपरेशन 'सिंदूर' शुरू करने के बाद, भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम समझौते पर सहमति बनाने के लिए उन्होंने और उनकी व्यापार वार्ता ने ही काम किया था। भारत सरकार ने इस तथ्य का खंडन किया है, जिससे डोनाल्ड ट्रंप और भी नाराज हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के दावों ने भारतीय सत्ता पक्ष को भी नाराज कर दिया है, क्योंकि इससे विपक्ष को सरकार पर हमला करने का एक मौका मिल गया है।

टैरिफ के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। टैरिफ का भुगतान आयातक करते हैं। इसलिए, भारतीय आयातों पर टैरिफ का भुगतान अमेरिका में उन लोगों द्वारा किया जाएगा जो भारतीय सामान आयात कर रहे हैं। यानी भारतीय सामान उनके लिए और महंगे हो जाएंगे। यही भारत के लिए असली समस्या है। बैंक ऑफ बड़ौदा के शोध के अनुसार, वृहद स्तर पर, टैरिफ और उनका भारतीय निर्यात पर पड़ने वाला प्रभाव भारत के सकल घरेलू उत्पाद में केवल 0.2 प्रतिशत की कमी लाएगा। इसलिए, यदि भारत का विकास अनुमान 6.6 प्रतिशत था, तो ये टैरिफ, यदि लगाए जाते हैं, तो विकास दर 6.4 प्रतिशत हो सकती है। हालांकि, समस्या अलग-अलग क्षेत्रों में उत्पन्न होगी। वस्त्र, कीमती हीरे, ऑटो पार्ट्स, चमड़े के उत्पाद और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है और उन्हें अपनी रणनीतियों पर फिर से विचार करना होगा।

प्रसंगवश

वनाधिकार कानून के पालन में पिछड़ा राजस्थान

राजस्थान 19 साल बाद भी वनाधिकार कानून के पालन करने और आदिवासियों को उनकी जमीन का हक देने में पीछे है। अपने लचर प्रदर्शन के कारण वह टॉप 10 में भी नहीं है। प्रदेश के आदिवासी अभी भी अपने ही जंगलों में मेहमान की तरह जीवन जीने को मजबूर हैं। देश में वनाधिकार कानून 2006 को लागू हुए 19 साल हो चुके हैं, लेकिन राजस्थान में आदिवासी अभी भी अपने ही जंगलों में मेहमान की तरह जीवन जीने को मजबूर हैं। आंकड़ों के मुताबिक, राजस्थान में इन 19 सालों में केवल 51,766 वन अधिकार पट्टे ही वितरित किए गए हैं, जिनमें से 49,215 व्यक्तिगत और मात्र 2,551 सामुदायिक अधिकार हैं।

अमित बैजनाथ गर्ग

वरिष्ठ पत्रकार

ये आंकड़े दर्शाते हैं कि यहां के आदिवासी अब भी अपने कानूनी अधिकार पाने में बहुत पीछे हैं, जबकि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे राज्य आदिवासियों को कानूनी हक देने में काफी आगे बढ़ चुके हैं। देश में वनाधिकार के पट्टों के लिए दावों के निपटारे में सबसे अधिक 65 प्रतिशत दावों को मंजूरी देकर ओडिशा पहले पायदान पर है। वहीं केरल में 64.69 प्रतिशत और त्रिपुरा में 63.79 प्रतिशत मामलों में वन पट्टे प्रदान किए गए हैं। चौथे नंबर पर झारखंड है, जहां 55.95 प्रतिशत मामलों में वन पट्टे वितरित कर दिए गए हैं। अपने लचर प्रदर्शन के कारण राजस्थान टॉप 10 में भी नहीं है।

वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) का उद्देश्य आदिवासी समुदायों और वन्य-वन (ओटीएफडी) के साथ हुए अन्याय को दूर करना, उनकी भूमि पर स्वामित्व, आजीविका और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और वनों के संरक्षण की व्यवस्था को मजबूत करना है। साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को वन अधिकार अधिनियम के तहत दावों की अस्वीकृति की समीक्षा करने का निर्देश दिया था। 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में 13 प्रतिशत से अधिक आदिवासी आबादी है। यह आबादी राज्य के अधिकांश दक्षिण जिलों उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सिरोही और चित्तौड़गढ़ में निवास करती है। वन अधिकार अधिनियम एक अहम कानून है, जो यह सुनिश्चित करता है कि सामुदायिक अधिकारों और व्यक्तिगत अधिकारों के संदर्भ में आदिवासी समुदायों और ओटीएफडी के अधिकारों की रक्षा की जाए। राजस्थान सरकार के आंकड़ों के अनुसार, उसे कुल 99,506 दावे प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 43,326 खारिज कर दिए गए हैं। वहीं अब तक 40,015 स्वीकृत किए गए हैं और 16,165 लंबित चल रहे हैं।

वहीं राजस्थान में 310,151 एकड़ वन भूमि पर आदिवासियों को अधिकार दिया गया है, जो सुनने में एक बड़ा आंकड़ा लगता है। पर यह उन आदिवासियों के लिए बहुत कम है, जो राजस्थान में पीढ़ियों से जंगल पर निर्भर हैं। महाराष्ट्र में 38.32 लाख एकड़ और मध्य प्रदेश में 23.67 लाख एकड़ वन भूमि पर आदिवासियों को अधिकार दिए गए हैं। इससे यह सवाल उठता है कि क्या आदिवासियों के जीवन, उनकी संस्कृति और परंपराओं की कोई अहमियत है? क्या यही है जनजाति सशक्तिकरण, जिसका वादा सरकारें करती हैं।

वहीं राजस्थान में आदिवासी छात्रों को दी जाने वाली प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्तियों की स्थिति भी चिंताजनक है। 2022-23 में जहां 2.36 लाख छात्रों को पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति मिली थी, वहीं 2023-24 में यह घटकर 1.68 लाख रह गई। इस बारे में आदिवासी संगठन पूछते हैं कि यह गिरावट क्या प्रशासनिक उदासीनता का परिणाम है या फिर बजट की कमी की वजह से हो रही है? केंद्र सरकार के अनुसार, देश भर में बैकलॉग के 1.15 लाख एसटी पद भरे जा चुके हैं, लेकिन राजस्थान में इसका कोई स्वतंत्र डाटा उपलब्ध नहीं है। राज्य सरकार की यह चुप्पी आदिवासियों के अधिकारों की ओर गंभीरता की कमी को दर्शाती है। केरल में ट्राइबल प्लस योजना के तहत आदिवासियों को अतिरिक्त रोजगार मिल रहा है। वहीं राजस्थान में ऐसी कोई योजना शुरू नहीं हुई है।

आमने

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम अत्यंक चिंताजनक है और इस पर संसद में चर्चा कराने की मांग करते हुए सरकार से सवाल पूछे जा रहे हैं लेकिन सरकार जवाब देने को तैयार नहीं है, इसलिए हथकंडे अपनाने पड़ रहे हैं। सरकार को संसद में जवाब देना चाहिए।

सामने

राज्यसभा में सदन के नेता जे. पी. नड्डा ने मंगलवार को कांग्रेस सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रभावी विपक्ष बनने के लिए उन्हें ट्यूशन लेनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस अगले कुछ दशकों तक सत्ता से बाहर रहेगी। नड्डा ने विपक्ष पर 'अराजक' होने का भी आरोप लगाकर कहा- राज्यसभा में सभापति की अनुमति से बोल रहे सदस्यों को बाधित करना लोकतंत्र नहीं है।

स्त्री-स्वास्थ्य नीतिगत दोलन का शिकार

जय प्रकाश पांडेय

स्वतंत्र लेखक

हम एक ऐसी राष्ट्र-कल्पना में जी रहे हैं, जिसकी सांस्कृतिक चेतना स्त्री को मातृ रूप में प्रतिष्ठित करती है, किंतु विडंबना यह है कि राष्ट्र की यही मातृ रूपा प्रतीक-संरचना, स्वयं उसी स्त्री की अवहेलना में अपनी जड़ें खोजती है। परिणाम स्वरूप, जहां 'माता' शब्द ध्वनि की पवित्रतम आवृत्ति में गूंजता है, किंतु जब उसी 'मां' के हीमोग्लोबिन की चर्चा आती है, तो नीति-पत्रों की गलियों में 'अस्थायी सुझाव' का बोर्ड लटकता दिखता है। इस प्रकार यह प्रतीकात्मक राष्ट्रवत्ता अपने आदर्श से ही पहला विचलन प्राप्त करती है और यह चेतना, जो मां को पूज्य मानती है, उसी मां की वास्तविक सामाजिक उपस्थिति से मुंह मोड़ लेती है।

स्त्री-स्वास्थ्य का विमर्श भारत में आज भी एक ऐसी नीतिगत दोलन अवस्था में है, जहां जनसंख्या नियंत्रण और मातृत्व प्रोत्साहन दो परस्पर-विरोधी ध्रुव नहीं, बल्कि दो वैकल्पिक आंकड़े हैं, जिनके बीच स्त्री की देह एक अनुपस्थित इकाई की तरह झूलती रहती है। जिस शरीर को राज्य, जनसंख्या रेखाओं के ग्राफ़ में नियोजित करता है, उसी शरीर की थकान, पीड़ा और पुनर्निर्माण का कोई स्वतंत्र विमर्श नहीं है। विडंबना यह है कि इस अपूर्ण और लक्ष्य केंद्रित विमर्श को ही हम 'स्वास्थ्य नीति' के नाम से स्वीकृति देते हैं, मानो किसी भी संस्थान की उपस्थिति मात्र ही उसकी न्याय संगतता का प्रमाण हो।

हमें बताया जाता है कि नीतियां मौजूद हैं- जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मिशन इंद्र धनुष और हम सहर्ष मान भी लेते हैं, क्योंकि योजनाओं के नाम बड़े सुंदर और श्रद्धास्पद होते हैं। पर थोड़ी देर में समझ आता है कि इन सभी योजनाओं की परिधि वहीं तक है जहां तक स्त्री की देह मातृत्व के लिए उपयोगी मानी जाती है। नीति मानो यह संकेत देती है- 'हम तुम्हारी तब तक चिंता करेंगे, जब तक तुम्हारे भीतर कोई जनगणनात्मक संभावना पल रही हो, उसके बाद तुम्हारा शरीर हमारी दृष्टि से बाहर, तुम्हारा निजी मामला है'। किशोरावस्था, रजोनिवृत्ति, मानसिक स्वास्थ्य या वृद्धावस्था, ये सब स्त्री-जीवन के ऐसे चरण हैं, जो नीति की दृष्टि में शायद 'अवकाश प्राप्त विषय' माने जाते हैं। उनकी चर्चा करना न तो चुनावी भाषणों में उपयुक्त होता है, न बजट की घोषणाओं में शोभनीय। यही कारण है कि स्त्री के संपूर्ण जीवन-चक्र को समझने की कोई संस्थागत जिज्ञासा नहीं बन पाती।

स्त्री के जीवन चक्र को जब तक नीतिगत संरचनाओं में खंडित कर अर्थात किशोरावस्था, मातृत्व, रजोनिवृत्ति और वृद्धावस्था जैसी अवस्थाओं में पृथक-पृथक वर्गीकृत कर देखा जाएगा, तब तक कोई भी स्वास्थ्य कार्यक्रम समग्र नहीं हो सकेगा। यह दृष्टिकोण स्त्री को एक निरंतर जीवंत सत्ता के रूप में नहीं, बल्कि अवसरानुकूल हस्तक्षेप की इकाई के रूप में परिभाषित करता है। राज्य की योजनात्मक दृष्टि यदि देह के केवल उन पक्षों को संबोधित करती है जो प्रजनन-उपयुक्त हैं, तो यह एक वैचारिक अपूर्णता है। एक ऐसी अधूरी संरचना जो भीतर से रिक्त है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 का एक सूक्ष्म पर गहनतः त्रासद आंकड़ा संकेत करता है कि देश की लगभग 45 प्रतिशत ग्रामीण महिलाएं मासिक धर्म के दौरान स्वच्छ सैनिटरी उत्पादों तक पहुंच से वंचित हैं। यह कोई आकस्मिक सामाजिक विचलन नहीं, बल्कि एक दीर्घ कालिक नीतिगत विमुखता का संस्थागत प्रमाण है, जो यह दर्शाता है कि स्त्री की जैविक आवश्यकता को अभी तक सार्वजनिक स्वास्थ्य विमर्श में 'सुविधा' से आगे नहीं देखा गया।

यह उपेक्षा केवल तत्काल असुविधा नहीं लाती, यह आने वाले वर्षों की रक्तहीन संभावनाओं को जन्म देती है। किशोरियों में एनीमिया की दर उत्तर प्रदेश में 67.5%, बिहार में 63.5% और झारखंड में 65% तक पहुंच चुकी है। यह दर केवल शरीर की नहीं, नीति की भी रक्ताल्पता को प्रकट करती है। यदि इन्हीं आंकड़ों को राष्ट्र की स्वास्थ्य-आधारशिला माना जाए तो कहा जा सकता है कि हम एक ऐसे राष्ट्र-निर्माण की ओर बढ़ रहे हैं, जिसकी अगली पीढ़ियां पहले से ही रक्तविहीन हैं- शारीरिक रूप से भी और नीति की कल्पना में भी।

राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़े बताते हैं कि बिहार में आज भी 42% से अधिक प्रसव घरों में सम्पन्न होते हैं और इनमें से अधिकांश मामलों में कोई प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित नहीं होता। यह परिघटना 'स्वावलंबन' की किसी प्रेरक कथा का संकेत नहीं देती, बल्कि यह सुव्यवस्था की अनुपस्थिति की एक सामाजिक रूप से स्वीकृत स्थायी अवस्था का द्योतक है। दूसरी ओर राजस्थान, जहां प्रतिवर्ष बालिका सशक्तिकरण के नाम पर करोड़ों की योजनाएं स्वीकृत की जाती हैं, वहां केवल 28.6% महिलाएं ही प्रसवोत्तर देखभाल तक पहुंच प्राप्त कर पाती हैं। क्या यह मान लिया गया है कि शेष स्त्रियां मातृत्व के क्षण भर बाद ही आत्मचिकित्सा में स्वयंसिद्ध हो जाती हैं? झारखंड के आदिवासी क्षेत्रों की स्थिति इस विमर्श को और गहरा करती है। वहां स्वास्थ्य उपकेंद्रों तक पहुंचना आज भी 'पहाड़ चढ़ने' के तुल्य है। यह कोई भाषिक प्रतीक नहीं, अपितु भौगोलिक सत्य है। इन क्षेत्रों में कार्यरत आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका, अपनी मूल अवधारणा से विचलित हो, अब संसाधन-वितरण की अपेक्षा सांस्कृतिक संकोच के हस्तांतरण में अधिक सक्रिय दिखती हैं। वस्तुतः यह मात्र आंकड़े नहीं, सामाजिक चेतावनियां हैं। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2024–25 में सकल घरेलू उत्पाद का केवल 2.1% सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय किया जाना, उस संरचनात्मक उपेक्षा का प्रत्यक्ष संकेत है, जो दशकों से स्वास्थ्य को कल्याण नहीं, अनुदान की तरह देखती रही है।

किशोरियों में एनीमिया की दर उत्तर प्रदेश में 67.5%, बिहार में 63.5% और झारखंड में 65% तक पहुंच चुकी है।

सोशल फोरम

मीना आपा

मीना आपा के भीतर कोई चंचल-शोख़ और मन की उड़ान भरती कोई बेफिक्र लड़की रही होगी...शायद कभी...क्या पता। उनके चुनिंदा मज़ाहिया किरदार देखें तो बरबस उनके शरारती रूप पर यकीन करने का जी हो जाता है। पूरी दुनिया की कई खूबसूरत, बेमिसाल, नायाब अभिनेत्रियों के जीवन पर बहुधा मैंने किसी अभिशाप का साया देखा है।

यूनुस खान

ब्लॉगर

सख्त हक़ीक़त ये है मीना के जीवन पर उदासी का ग्रहण इतना गहरा था कि वो लड़की कहीं बिला गयी। हिरा गयी। और देखिए तो...ऐसे किरदारों में वो ख़ूब खिलीं- जहां कुछ छूट रहा है, जहां हथेली में से रेत की तरह ख़त्म हो रहा है कुछ। वीरान और उजाड़ दुनिया के किरदार, जिनके हिस्से में उनके मन का आकाश नहीं आया। उस पर शाम के सूरज ने गुलाल नहीं बिखराया। उदास शामों, गुमसुम सुबहों और मनहूस रातों वाले किरदार।

'ये बिखरी जुल्फ़ें ये खिलता कजरा/ ये महकी चुनरी ये मन की मदिरा/ ये सब तुम्हारे लिए है प्रीतम/ मैं आज तुमको जाने ना दूंगी'।

....और सामने वाला हाथ झटककर चल देता है। एक स्त्री के वजूद, उसके अरमानों और उसकी तमन्नाओं को धता बताकर। ख़्वाब देखना कोई कुसूर नहीं। क्या रहे होंगे उनके ख़्वाब। और कैसे किरच-किरच बिखरे होंगे, क्या पता...

'पंछी से छुड़ाकर उसका घर/ तुम अपने घर पर ले आये
ये प्यार का पिंजरा मन भाया/ हम जी भर-भर कर मुस्काये
जब प्यार हुआ इस पिंजरे से/ तुम कहने लगे आज़ाद रहो'

38 बरस की उम्र क्या होती है। सिर्फ़ 38 बरस। इन अड़तीस बरसों में कितने दिन बोझिल और उदास बीते होंगे मीना आपा के। तभी तो उनके लिखे में दर्द छलक-छलक पड़ता है।

आबला-पा कोई इस दश्त में आया होगा
वर्ना आंधी में दिया किस ने जलाया होगा।।
या फिर:
यूं तेरी रहगुज़र से दीवाना-वार गुज़रे
कांधे पे अपने रख के अपना मज़ार गुज़रे।।

मीना ये कहते हुए चली गयीं--

'राह देखा करेगा सदियों तक
छोड़ जाएंगे ये जहां तन्हा'

आज 'नाज़' उनासी की होतीं पर अड़तीस की होकर चली गयीं।

-फेसबुक वाल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharlucknow@gmail.com आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

कानपुर के पास स्थित ब्रह्मावर्त की महिमा पुराणों में, यहीं वाल्मीकि आश्रम में रहीं माता सीता, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की भी गवाह है यह भूमि

यहीं से दुनिया शुरू हुई यहीं रामायण लिखी गई

कानपुर शहर से 20 किमी की दूरी पर स्थित है, धार्मिक-पौराणिक और ऐतिहासिक स्थल ब्रह्मावर्त, जिसकी महिमा पुराणों में वर्णित है। इसे बिठूर के नाम से भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि यह क्षेत्र सृष्टि का केंद्र है, क्योंकि जल प्लावन के बाद सबसे पहले जल से प्रकट होने वाला भू-भाग यही था। पौराणिक साक्ष्यों के अनुसार ब्रह्मा ने यहीं सृष्टि रचना पूर्ण करने के उपरान्त ब्रह्मेश्वर शिवलिंग स्थापित कर अश्वमेद्य यज्ञ किया और अश्वनाल को कीलित कर स्थापित किया। बिठूर के ब्रह्मेश्वर घाट में इसकी आज भी ब्रह्मा की खूंटी के रूप में पूजा-अर्चना होती है। बिठूर में ही महर्षि वाल्मीकि का आश्रम है। जहां बैठकर उन्होंने रामायण की रचना की थी। इसी आश्रम में श्रीराम द्वारा परित्याग किए जाने के बाद माता सीता ने निवास किया और लव और कुश नामक दो पुत्रों को जन्म दिया था। आश्रम में तीन मंदिर हैं। इनमें से एक मंदिर महर्षि वाल्मीकि का है, जिसमें उनकी पद्मासन मुद्रा में बैठे और दाएं हाथ में लेखनी लिए प्रतिमा स्थापित है। उनके पास ही भगवान विष्णु की मूर्ति स्थापित है।

वाल्मीकि आश्रम में है स्वर्ग की सीढ़ी

- बिठूर में वाल्मीकि आश्रम ऊंचाई पर बना है। इसलिए यहां तक पहुंचने के लिए सीढ़ियां बनाई गई हैं। इन सीढ़ियों को स्वर्ग की सीढ़ी कहा जाता है। आश्रम में माता सीता की रसोई के पास यह सीढ़ियां बनी हैं। यहां श्रीराम तथा उनकी सेना के साथ लव-कुश के युद्ध के प्रमाणों के साथ घटनास्थलों के नाम भी उस कालखंड की पुष्टि करते हैं, जैसे सीता परित्याग स्थल परियर, सेना के साथ रणभूमि में मिलन रणमेल या रमेल तथा महारण झील अथवा महान झील है। यह क्षेत्र आदि काल से ही मुनियों की तपस्थली तथा यज्ञ भूमि के रूप में विख्यात रहा है। ब्रह्मा जी और मित्रसह के अश्वमेघ यज्ञ तथा पृथु द्वारा मनु महाराज से अश्वमेध यज्ञ की दीक्षा प्राप्त करने के साथ ही दुष्यंत पुत्र राजा भरत द्वारा गंगा तट पर 55 अश्वमेघ यज्ञ करने का उल्लेख श्रीमद्भागवत् के नवम् स्कन्ध में मिलता है। इससे प्रमाणित होता है कि ब्रह्मावर्त यज्ञ दीक्षा एवं यज्ञ करने का अति महत्वपूर्ण स्थान था।

इन तथ्यों और अवशेषों से मिले प्रमाण

वाल्मीकि रामायण में उत्तरकाण्ड के पैंसठवें सर्ग के श्लोक 1 तथा 2 में उल्लिखित है कि श्रीराम के भाई शत्रुघ्न ने अयोध्या से लवणासुर को मारने के लिए सेना भेजने के बाद अकेले ही प्रस्थान किया और दो दिन यात्रा के उपरान्त तीसरे दिन वाल्मीकि आश्रम पहुंचे। अयोध्या से बिठूर तक उस समय में घोड़े या अश्वरथ से 2 दिन का समय लगना पूर्णत: विश्वसनीय है। यही समयावधि सीता परित्याग की घटना में वर्णित है।

- श्रीमद्भागवत् के चतुर्थ स्कन्ध के 19वें अध्याय में राजा पृथु द्वारा मनु महाराज से ब्रह्मावर्त में अश्वमेध यज्ञ दीक्षा लेने का उल्लेख है।
- महाकवि विद्यापति द्वारा 13 वीं सदी में रचित भू परिक्रमा में बिठूर में बलराम जी के तीर्थ यात्रा में आने का उल्लेख मिलता है।
- भारत में सर्वप्रथम ताम्र निधियों की प्राप्ति बिठूर में ही हुई। इनका कालखण्ड 4000 वर्ष ईसा पूर्व तक आंका गया है।
- यहां रामायण काल के अस्त्र - शस्त्र भी मिले हैं, जिनमें से कुछ रामजानकी मंदिर में संग्रहीत हैं।
- महाराज मनु की संतान राजा उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव की तपस्थली के स्मृति स्वरूप यहां ध्रुव टीला आज भी विद्यमान है, जिससे प्रागैतिहासिक काल तक के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

नाना साहब के नेतृत्व में लड़ा गया प्रथम स्वतंत्रता संग्राम

- बिठूर का इतिहास आजादी की लड़ाई से भी प्रमुखता के साथ जुड़ा है। 1817 में पूना के पेशवा बाजीराव पेशवा द्वितीय को अंग्रेजों से हुए समझौते के कारण पेंशन लेकर बिठूर में निवास करना पड़ा। इसके बाद तमाम मराठी परिवार यहां बस गए। बाजीराव ने बिठूर में महल तथा कई इमारतें बनवाईं। 1851 में बाजीराव की मृत्यु के उपरान्त उनके दत्तक पुत्र धूंधू पन्त नाना साहब के रूप में विख्यात हुए। लेकिन अंग्रेजों ने नानाराव को पेंशन देने से मना कर दिया। अंग्रेज सरकार के इस रवैये के खिलाफ नाना साहब ने भारत को अंग्रेजों से मुक्त कराने की योजना बनाई। नाना साहब के नेतृत्व में बिठूर को केन्द्र बनाकर प्रथम स्वतंत्रता संग्राम लड़ा गया।

पूर्व वैदिक काल की मान्यता रखता है ध्रुव टीला

घने जंगल में अकेले बैठकर कैसे पांच साल के बालक ध्रुव ने भगवान विष्णु की तपस्या कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया, यह कहानी हम सभी ने सुनी है। बालक ध्रुव के समर्पण से सनातन सप्त ऋषियों ने अभिभूत होकर उन्हें विशाल अंतरिक्ष में ध्रुवपद (ध्रुव तारा) का सर्वोच्च पद प्रदान किया था। माना जाता है कि ध्रुव का जन्म बिठूर में हुआ था और जिस स्थान पर वह ध्यान के लिए बैठे थे, उसे ध्रुव टीला कहा जाता है। यह शांत स्थान गंगा नदी के किनारे स्थित है। यहां हुए पुरातात्विक उत्खनन में दुर्लभ तांबे के सिक्के, तांबे के भाले, कुल्हाड़ी, चाकू, मूर्तियां, तांबे के गोलाकार छल्ले और अन्य वस्तुएं मिली हैं। इतिहासकारों का मानना है कि ध्रुव टीला संभवत: पूर्व वैदिक काल का है। मान्यता है कि ध्रुवटीला राजा उत्तानपाद के राजकाल के दौरान का है। यहां ही ध्रुव का जन्म हुआ। 1822 में पुरातात्विक साक्ष्य के रूप में यहां से ताम्र आयुध बरामद हो चुके हैं। सभी ऐतिहासिक धरोहरें कोलकाता, लखनऊ और प्रयाग के संग्रहालय में संरक्षित हैं। ध्रुव टीला के बगल में एक प्राचीन दुर्गा मंदिर और भगवान हनुमान को समर्पित एक मंदिर है। छत्रपति शिवाजी महाराज के गुरु संत रामदास के सम्मान में एक आश्रम भी बनाया गया है।

लेखक
धर्म प्रकाश गुप्त
संयोजक सचिव
कानपुर पंचायत

प्रकृति की नैसर्गिक छटा से भरपूर नैनीताल का रंगमंच

लेखक
अभिनेता
ललित तिवारी।

नैनीताल का रंगमंच कुमाऊनी संस्कृति और सभ्यता का आईना, और भारतीय अतीत के साहित्य व सामाजिक जीवन का अदभुत रूप है। नैसर्गिक पर्वतीय क्षेत्र का आकर्षण 141 वर्ष पहले कला प्रेमी बंगाली कलाकारों को यहां खींचकर लाया था, जिन्होंने वर्ष 1884 में नाट्य मंचन का शुभारंभ किया। इसी के बाद वर्ष 1900 में इंडियन क्लब की स्थापना हुई और स्थानीय लोग भी नाट्य मंचन में हिस्सा लेने लगे। 1900 में ही इंडियन एमेच्योर क्लब और 1910 में फ्रेंड्स एमेच्योर ड्रामेटिक क्लब खुला। इस दौर में ज्यादातर धार्मिक नाटकों का मंचन हुआ करता था। आजादी के काफी बाद 1980 के दशक में युगमंच की स्थापना हुई। नैनीताल का प्रसिद्ध यह रंगमंच समूह उत्तराखंड के सांस्कृतिक इतिहास, भूगोल और नाट्य आंदोलन में योगदान दे रहा है।

नैनीताल का रंगमंच, सांस्कृतिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। इसने क्षेत्र की कलात्मक विरासत को समृद्ध किया है। कई स्थानीय कलाकारों को अलग पहचान दिलाई है। इनमें ललित तिवारी को जहां बॉलीवुड की राह मिली, वहीं निर्मल पांडे ने बैंडिट क्वीन में विक्रम मल्लाह का शानदार किरदार निभाया। ज्ञान प्रकाश भी रंगमंच से टीवी धारावाहिक और बॉलीवुड में सक्रिय हैं, जबकि इदरीस मलिक रंगमंच के जरिए युवाओं की प्रतिभा निखार रहे हैं। मशहूर रंगकर्मी मिथिलेश पांडे कहते हैं कि नैनीताल के रंगमंच ने अभिनय ही नहीं बल्कि निर्देशन के साथ फिल्म मेकिंग और कला की अनेक वर्गों में प्रतिभाओं को स्थापित किया है।

मेरी माटी, मेरा मान शिल्प को नई पहचान

सेहत के लिए संजीदा हो रहे समाज में मिट्टी के बर्तनों को हर घर की शान बनाने के अभियान में जुटी हैं, कानपुर की बिंदु सिंह। प्लास्टिक, एल्युमुनियम और नॉन स्टिक मुक्त रसोई बनाने के लिए सर्वोसार्थ माटी के बर्तनों को उन्होंने देश के हर कोने में पहुंचाने के साथ विदेशों में भी पसंदीदा बना दिया है। उनकी इस पहल ने मिट्टी के बर्तनों की मांग खत्म होने से परेशान कुम्हारों के जीवन में नया सवेरा ला दिया है। री-यूजेबल और डिस्पोजल दोनों तरह के बर्तनों के उन्होंने 360 से अधिक प्रोडक्ट तैयार किए हैं। कुम्हारों का पलायन रोकने के साथ बिंदु सिंह ने उन्हें शिक्षा देकर नयी टेक्नोलॉजी से जोड़ दिया है, इससे नए उत्पाद गढ़ने और उन्हें आधुनिकता के सांचे में ढालने का काम आसान हो गया है। वह मिट्टी के बर्तनों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए मेलों और प्रदर्शनी में स्टॉल लगाने के साथ ऑनलाइन बिक्री भी करती हैं। यही नहीं, जेल में निरुद्ध महिलाओं को मिट्टी के बर्तनों पर पेंटिंग करना सिखाकर जेल से बाहर आने पर रोजगार उपलब्ध करा रही हैं। मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए इको फ्रैंडली उत्सव और कौशल विकास के माध्यम से स्कूल, कॉलेजों व संस्थानों में वर्कशॉप आयोजित करती हैं। उनके निर्देशन में 200 से अधिक महिलाएं काम करती हैं, तो बड़ी संख्या में कुम्हारों के परिवार और गांव भी जुड़े हैं।

बिंदु सिंह।

सुंगध की सैर ले जाती मौर्य और गुप्त वंश तक

कन्नौज का पौराणिक नाम कन्याकुब्ज था। मिहिर भोज के समय में इसे महोदया नाम से भी जाना जाता था। कन्नौज कभी प्रमुख ऐतिहासिक नगर था, जिसे इतिहास में विशेष स्थान प्राप्त है। गंगा नदी के तट पर स्थित यह नगर पुरातात्विक दृष्टि से प्राचीन सांस्कृतिक विरासत है। यह नगर इतना संपन्न था कि इसे राजा हर्ष, नागभट्ट द्वितीय जैसे राजाओं ने राजधानी बनाया। राजा हर्ष के बाद यहां कई राजाओं ने राज किया। वर्ष 554 में यह मौखरी वंश की राजधानी बना। छठी सदी में सम्राट हर्ष ने राजधानी बनाया। 647 में इसकी संपन्नता को धक्का लगा। लेकिन 715 ई. में यशोवर्मन काल में फिर से कन्नौज में संपन्नता का सूरज चमका। 815 में गुर्जर-प्रतिहारों ने इसे संवारा। 1080 गहरवारों के शासन में इसकी समृद्धि बढ़ी। मगर 1194 ई. में यहां के वीर राजा जयचंद्र की पराजय के बाद इसकी समृद्धि का सूरज अस्त हो गया। जयचंद्र के समय कन्नौज में धर्म-संस्कृति कैसी थी, इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बंगाल के राजा को धर्म और सभ्यता के प्रचार-प्रसार के लिए कन्नौज से ब्राह्मणों को बुलाना पड़ा था।

राजा वेणु की सात पुत्रियां देवी के रूप में स्थापित

रामायण काल में कन्नौज के तेजस्वी व महापराक्रमी राजा वेणु हुए, जिनकी सात पुत्रियां थीं। इन सभी सातों पुत्रियों ने कठिन तप किया और वह देवी स्वरूप में परिवर्तित हो गईं। कन्नौज के अलग-अलग क्षेत्रों में इन सभी देवियों माता फूलमती, माता क्षेमकली, संदोहनी देवी, गोवर्धनी देवी, शीतला देवी, सिंह वाहिनी देवी और मौरारी देवी के मंदिर स्थापित हैं।

राजा जयचंद की मौत के बाद अस्त हो गया समृद्धि का सूरज

जयचंद की मौत के बाद कन्नौज गुलाम वंश के अधीन हो गया। तेहरवीं शताब्दी में मोहम्मद तुगलक ने कन्नौज को उजाड़ दिया। लुटेरों का बोलबाला हो गया। मंदिरों को नष्ट कर दिया गया। कांस्य युग के समय के कई पूर्व ऐतिहासिक हथियार और उपकरण यहां मिले हैं। पुराणों में कन्नौज का अश्वतीर्थ के रूप में वर्णन किया गया है। वर्तमान में कन्नौज अपने परफ्यूम उद्योग के लिए जाना जाता है। कन्नौज में टैराकोटा से बनी चीजें और प्राचीन सिक्कों का मिलना बहुत आम बात है। यहां मौर्य और गुप्त वंश के समय की चीजों को भी देखा जा सकता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	80,710 .25	24,649 .55
गिरावट	308 .47	73 .20
प्रतिशत में	0 .38	0 .30

सोना 98,820 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,12,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 6 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

मालवाहक गलियारे को महाराष्ट्र ने दी मंजूरी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को नई स्टार्टअप एवं नवाचार नीति, नए मालवाहक गलियारे, भूमि सुधार और कुष्ठ रोगियों की देखभाल में लगे संगठनों को अनुदान बढ़ाने समेत कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक, राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में 'महाराष्ट्र स्टार्टअप, उद्यमिता और नवाचार नीति-2025' को पूरे राज्य में कौशल विकास, नवाचार और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से मंजूरी दी गई है। मंत्रिमंडल ने पालघर जिले में स्थित वधावन बंदरगाह को बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग' (भरवीर स्थान) से जोड़ने वाले नए मालवाहक गलियारे को भी मंजूरी दी। इसकी योजना और भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को हरी झंडी दे दी गई है।

मेडिस्टेप हेल्थकेयर का आईपीओ 8 अगस्त को

नई दिल्ली। दवा कंपनी मेडिस्टेप हेल्थकेयर का 16 .09 करोड़ का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आठ अगस्त को खुलकर 12 अगस्त को बंद होगा। मेडिस्टेप हेल्थकेयर ने कहा कि उसके शेयर 18 अगस्त को एनएसई एसएमई मंच पर सूचीबद्ध होंगे। आईपीओ 37 .44 लाख शेयर हैं, जिनकी कीमत 43 रुपये प्रति शेयर है। इससे कुल निर्गम का आकार 16 .09 करोड़ बैठता है। सूचीबद्ध होने के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण 61 .10 करोड़ होने की उम्मीद है। कंपनी के प्रबंध निदेशक गिरधारी लाल प्रजापति ने कहा, आईपीओ से प्राप्त राशि रणनीतिक रूप से हमारे विस्तार प्रयासों को समर्थन देगी।

वन97 कम्युनिकेशंस में अपना हिस्सा एंट ने बेचा

नई दिल्ली। उद्योगपति जैक मा की एंट फाइनेंशियल ने पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में अपनी पूरी 5 .84% हिस्सेदारी 3,803 करोड़ में बेच दी है। इस हिस्सेदारी बिक्री के बाद घरेलू शेयर बाजारों में कंपनी के शेयर में गिरावट आई। एंट ग्रुप ने अपनी सहयोगी कंपनी एंटफिन (नीदरलैंड्स) होल्डिंग बीवी के माध्यम से नोएडा स्थित वन97 कम्युनिकेशंस के शेयर बेच दिए हैं। एंट ग्रुप को पहले एंट फाइनेंशियल के नाम से जाना जाता था।

गैर-कार्यकारी चेयरमैन बने गौतम अडाणी

नई दिल्ली। अडाणी समूह की कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने उद्योगपति गौतम अडाणी को तत्काल प्रभाव से कार्यकारी चेयरमैन से गैर-कार्यकारी चेयरमैन बना दिया गया है। एपीएसईजेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिश के आधार पर निदेशक मंडल ने गौतम अडाणी को कार्यकारी चेयरमैन से गैर-कार्यकारी चेयरमैन बनाने को मंजूरी दे दी है।

आईपीओ के लिए टाटा ने सेबी को भेजे दस्तावेज

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी टाटा कैपिटल ने 47 .58 करोड़ का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने को बाजार नियामक सेबी के समक्ष अद्यतन दस्तावेज दाखिल किए हैं। सेबी के समक्ष सोमवार को दाखिल दस्तावेजों (डीआरएचपी) के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ 21 करोड़ नए शेयर और 26 .58 करोड़ शेयर की बिक्री का संयोजन है। बिक्री पेशकश के तहत टाटा संस के 23 करोड़ शेयर और अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम के 3 .58 करोड़ शेयर की बिक्री शामिल है।

ब्याज दर पर बदलाव की संभावना कम

आरबीआई के गवर्नर मल्होत्रा आज करेंगे तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार को चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करेंगे। विश्लेषकों का मानना है कि हाल ही में तीन बार में रेपो दर में कुल एक प्रतिशत की कटौती के बाद इस बार नीतिगत दरों में बदलाव की संभावना कम है।

मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में नीतिगत दर पर विचार-विमर्श का सिलसिला सोमवार से ही जारी है। एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसले की घोषणा बुधवार सुबह 10 बजे की जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार रिजर्व बैंक ब्याज दर को लेकर यथास्थिति बनाए रख सकता है। अमेरिका की तरफ से भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा के बाद आरबीआई अधिक व्यापक-आर्थिक आंकड़ों का इंतज़ार कर सकता है। हालांकि, उद्योग जगत के एक तबके को उम्मीद है कि बुधवार को रेपो दर में 0.25% अंक की कटौती की जा सकती है। इस साल फरवरी से लेकर जून तक हुई तीन एमपीसी बैठकों में कुल 1% अंक की कटौती की जा चुकी है।

ग्रांट थॉर्नटन भारत में साझेदार विवेक अय्यर ने कहा कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य अब भी

● 25 प्रतिशत शुल्क की घोषणा के बाद केंद्रीय बैंक व्यापक-आर्थिक आंकड़ों का कर सकता है इंतजार

अस्थिर है और पिछली दर कटौतियों के असर को पूरी तरह देखने के लिए अभी और समय की दरकार है। उन्होंने कहा कि सीमा शुल्क से जुड़ी अनिश्चितता के पहलू को आरबीआई पिछली दर कटौती के समय ही ध्यान में रख चुका है। ऐसे में हमें नहीं लगता है कि इसका नीतिगत निर्णय पर तत्काल प्रभाव पड़ना चाहिए।

आरईए इंडिया (हाउसिंग डॉट कॉम) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रवीण शर्मा ने कहा कि इस साल पहले ही 1% अंक की कटौती हो चुकी है लिहाजा दरों को स्थिर ही बनाए रखने की उम्मीद है। शर्मा ने कहा कि घर खरीदार अब अल्पकालिक ब्याज दरों से कहीं ज्यादा दीर्घकालिक आत्मविश्वास से प्रेरित हैं। रियल एस्टेट डेवलपर भी लचीले भुगतान विकल्पों और सूझबूझ भरे प्रोत्साहनों के जरिये घरों की मांग बनाए हुए हैं।

एमपीसी में आरबीआई के तीन सदस्यों के रूप में गवर्नर मल्होत्रा, डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता और कार्यकारी निदेशक राजीव रंजन शामिल हैं जबकि बाहरी सदस्यों में नागेश कुमार, सौरभ भट्टाचार्य और राम सिंह शामिल हैं। केंद्र सरकार ने आरबीआई को खुदरा मुद्रास्फीति को 2% घटबढ़ के साथ 4% के दायरे में बनाए रखने की जिम्मेदारी दी हुई है। इस साल फरवरी से खुदरा मुद्रास्फीति लगातार चार प्रतिशत के नीचे बनी हुई है लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि दरों में बदलाव से पहले आरबीआई को और अनुकूल आंकड़ों का इंतजार रहेगा।

रिजर्व बैंक के निर्णय से पहले बाजार में आई गिरावट

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट रही। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा से पहले बैंक और तेल एवं गैस शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया। बीएसई का सेंसेक्स 308 .47 अंक की गिरावट के साथ 80,710 .25 अंक पर बंद हुआ। और एनएसई का निफ्टी भी 73 .20 अंक की गिरावट के साथ 24,649 .55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में, अडाणी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), बीईएल, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, आईटीसी और सन फार्मास्युटिकल नुकसान में रहे। वहीं, लाभ में रहने वाले शेयरों में टाइटन, मारुति, ट्रेंट, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, एलएंडटी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एनटीपीसी शामिल हैं। बीएसई का स्मॉलकैप 0 .27 और मिडकैप 0 .14% के नुकसान में रहे। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजार दोपहर के कारोबार में बढ़त में थे। अमेरिकी बाजारों में सोमवार को तेजी रही थी। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.02 प्रतिशत टूटकर 68 .06 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। शेयर बाजार के अनुसार, सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2,566 .51 करोड़ के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,386 .29 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 11 महीने के उच्च स्तर पर

● नए निर्यात ऑर्डर और समग्र बिक्री में तेज वृद्धि से मिला समर्थन, पीएमआई सूचकांक 60.5 रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में 11 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, जिसे नए निर्यात ऑर्डर और समग्र बिक्री में तेज वृद्धि से समर्थन मिला। मंगलवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.5 रहा जो जून में 60.4 पर था। विस्तार की दर अगस्त 2024 के बाद से सर्वाधिक है।

एचएसबीसी के भारत के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, सेवा गतिविधि सूचकांक के 60.5 पर होने से नए निर्यात ऑर्डर में वृद्धि के दम पर मजबूत वृद्धि की गति का संकेत मिलता है। सर्वेक्षण में कहा गया कि नए व्यवसायों में निरंतर वृद्धि उत्पादन वृद्धि का मुख्य कारण रही है। साथ ही भारतीय सेवा प्रदाताओं ने अपनी सेवाओं की अंतर्राष्ट्रीय मांग में भी मजबूत सुधार का स्वागत किया है। इसमें कहा गया, उन्हें एशिया, कनाडा, यूरोप, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका से नए काम मिलने की सूचना मिली है। कीमतों के मोर्चे पर, कच्चे माल व तैयार माल शुल्क जून की तुलना में तेजी से बढ़े। उत्पादन कीमतों में ठोस वृद्धि बढ़ी हुई लागत और मजबूत मांग को दर्शाती है। भंडारी ने कहा, कीमतों के मोर्चे पर कच्चे व तैयार माल दोनों की कीमतें जून की तुलना में थोड़ी तेजी से बढ़ीं, लेकिन आगे चलकर इसमें बदलाव हो सकता है... जैसा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक व थोक मूल्य सूचकांक के हालिया आंकड़ों से संकेत मिलता है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी से चार प्रतिशत से नीचे बनी हुई है।

श्वेत क्रांति 2.0 से दूध खरीद 50% बढ़ाने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सरकार सहकारिता-आधारित 'श्वेत क्रांति 2.0' के तहत अगले पांच वर्षों में दूध की खरीद में 50 प्रतिशत वृद्धि के लिए काम कर रही है। शाह ने संसदीय सलाहकार समिति की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए सहकारी क्षेत्र के लिए सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की रूपरेखा पेश की। इसमें दो लाख बहुउद्देशीय सहकारी समितियों की स्थापना का लक्ष्य भी है। इस पहल के तहत अब तक 35,395 नई सहकारी समितियों का गठन किया जा चुका है।

शाह ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय सहकारी समितियों को जीवंत और सफल व्यावसायिक

● सहकारिता मंत्री अमित शाह ने की संसदीय सलाहकार समिति की दूसरी बैठक की अध्यक्षता

इकाइयों में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। सहकारी क्षेत्र भूमिहीन और गरीब लोगों की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। श्वेत क्रांति 2.0 के तहत डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने में प्रगति हुई है। कुल 15,691 नई डेयरी सहकारी समितियों का पंजीकरण हुआ है, जबकि 11,871 मौजूदा समितियों को मजबूत किया गया है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और 15 राज्यों के 25 दुग्ध संघों ने डेयरी सहकारी समितियों में बायोगैस संयंत्र स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। सहकारिता मंत्री ने इस क्षेत्र के विकास के लिए स्थापित राष्ट्रीय स्तर की तीन सहकारी समितियों का भी उल्लेख किया। राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक लि. (एनसीओएल) किसानों के जैविक उत्पादों के प्रमाणीकरण, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और विपणन का कार्य करती है। राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लि. (एनसीईएल) किसानों के उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निर्यात करने की सुविधा प्रदान करती है जबकि भारतीय बीज सहकारी समिति लि. (बीबीएसएसएल) भारत के पारंपरिक बीजों के संरक्षण, भंडारण और उत्पादन पर केंद्रित है।

छोटे किसानों से अनुबंध करेगी सरकार

शाह ने कहा कि मोदी सरकार पारंपरिक बीजों के लिए छोटे किसानों के साथ अनुबंध करेगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें इन पहलों का लाभ मिले। मंत्रालय ने पिछले चार वर्षों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स), डेयरी, मत्स्य पालन, सहकारी बैंकों, चीनी सहकारी समितियों और शासन प्रणालियों को मजबूत करने के लिए 100 से अधिक पहल की हैं। इनमें डिजिटल सुधार, नीतिगत बदलाव, वित्तीय सहायता और संस्थागत क्षमता निर्माण शामिल हैं। बैठक के दौरान सहकारिता मंत्रालय ने पिछले चार साल में की गई विभिन्न पहलों पर समिति को जानकारी दी।

महिलाओं को लोन देने पर कवरेज बढ़ाएं बैंक

नई दिल्ली, न्यूज नेटवर्क

अमृत विचार। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पीएमएफबीवाई के अंतर्गत खरीफ सीजन में किसानों के नामांकन करने और ग्रामीण विकास मंत्रालय के राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में स्वयं सहायता समूहों (एसजीएच) की बहनों को अधिक लोन देने के संबंध में मंगलवार को बैंकों व राज्य सरकारों की वर्चुअल बैठक ली।

उन्होंने बैंकों को निर्देश दिया कि वह महिलाओं को लोन देने पर ध्यान दें और कवरेज बढ़ाएं, साथ ही दूरदराज व दुर्गम क्षेत्रों पर भी ध्यान देकर काम करें। सिंह ने कहा कि खरीफ सीजन के फसल बीमा में किसानों को सुरक्षा कवच देने के लिए 16-30 अगस्त तक देशभर में अभियान चलाया जाएगा।

वर्चुअल बैठक लेते केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान।

● खरीफ सीजन में अधिक नामांकन और महिला स्वरोजगार को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने ली बैठक

बैंकों ने 75% ऋण किसानो तक पहुंचाया

शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) से ऋण 10 .25 लाख करोड़ को पार कर गया है। बैंकों की ओर से 75% ऋण किसानो तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे किसान महंगे ब्याज दरों से बच रहे हैं।

शिवराज सिंह ने कहा कि कृषि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा, प्राण है। उन्होंने बताया कि देश में 90 लाख स्वयं सहायता समूह हैं, जिनसे 10 करोड़ महिलाएं जुड़ी हैं। इन समूहों को अब तक 11 लाख करोड़ का लोन दिया जा चुका है। बैठक में कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी, ग्रामीण विकास सचिव शैलेष सिंह, विभिन्न बैंकों और राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे, जिन्होंने अपने विचार रखे।

कारोबारी भरोसा सूचकांक बढ़कर 149.4 पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

आर्थिक नीति शोध संस्थान एनसीएईआर के व्यावसायिक अपेक्षा सर्वेक्षण के अनुसार कारोबारी भरोसा सूचकांक (बीसीआई) अप्रैल-जून में तेजी से बढ़कर 149.4 हो गया, जो पिछली तिमाही (जनवरी-मार्च) में 139.3 था।

नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) ने मंगलवार को कहा कि बीसीआई चार चीजों- छह महीने में समग्र आर्थिक स्थिति में सुधार, छह महीने में कंपनियों की वित्तीय स्थिति में सुधार होगा, वर्तमान निवेश माहौल और क्या वर्तमान क्षमता उपयोग महत्तम स्तर के करीब या उससे ऊपर है पर है।

पहली तिमाही में चारों घटकों में सकारात्मक प्रतिक्रियाओं की हिस्सेदारी 60% से अधिक रही और हर क्षेत्र ने पिछली तिमाही की तुलना में सुधार का रुख प्रदर्शित

● व्यावसायिक अपेक्षा सर्वेक्षण की रिपोर्ट एनसीएईआर ने की जारी

किया। उत्तरदाताओं ने छह महीनों में उत्पादन (78.7%) और घरेलू बिक्री (79.1%) में वृद्धि की उम्मीद जताई। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में अंतिम उत्पादों के निर्यात के बारे में धारणा में भी (66.5%) सुधार हुआ। सर्वेक्षण का नेतृत्व करने वाली एनसीएईआर की प्रोफेसर बोर्नाली भंडारी ने कहा, लागत में कमी के साथ कंपनियां छह महीने को लेकर अधिक आशान्वित हैं। यह तिमाही सर्वेक्षण जून में हुआ था। इसमें छह शहरों की 479 कंपनियों को शामिल किया गया।

बोनस शेयर

निवेशकों को मिलने वाला फायदा

बोनस शेयर वे शेयर हैं जिन्हें कंपनियां अपने शेयरधारकों को बिना किसी लागत के जारी करती हैं। यह कंपनी के अर्जित मुनाफे या रिजर्व से जारी किए जाते हैं, जिससे शेयरधारकों की होल्डिंग बढ़ती है लेकिन कंपनी की कुल वैल्यू पर असर नहीं पड़ता। यह एक तरीका होता है जिससे कंपनियां निवेशकों को रिवार्ड देती हैं।

क्या हैं बोनस शेयर

बोनस शेयर वे शेयर होते हैं जिन्हें कंपनी मौजूद शेयरों के अनुपात में मुफ्त में देती है। उदाहरण के लिए, यदि कोई कंपनी 1:1 के अनुपात में बोनस देती है, तो हर एक शेयर पर एक अतिरिक्त शेयर मिलेगा।

कंपनियों को लाभ

- **लिक्विडिटी बढ़ाना :** बोनस शेयर से बाजार में शेयरों की संख्या बढ़ती है, जिससे शेयरों में ट्रेडिंग की संभावना अधिक होती है।
- **सकारात्मक संकेत :** कंपनी की वित्तीय स्थिति मजबूत है और वह शेयरधारकों को अतिरिक्त लाभ देना चाहती है।
- **प्रतिष्ठा में वृद्धि :** बोनस शेयर अक्सर निवेशकों में कंपनी की छवि को सुधारते हैं, जिससे दीर्घकालीन निवेश आकर्षित होता है।

निवेशकों को लाभ

- **अधिक शेयर :** निवेशकों को उनके मौजूदा शेयरों के अनुपात में अतिरिक्त शेयर मिलते हैं, जिससे उनकी होल्डिंग बढ़ जाती है।
- **दीर्घकालीन रिटर्न :** भले ही शेयर का मूल्य बोनस से घटता है, लेकिन लंबे समय में रिटर्न की संभावना बढ़ती है।
- **कर लाभ :** बोनस शेयरों पर सीधे कर नहीं लगता, जब तक उन्हें बेचा न जाए।

जोखिम और सीमाएं

- **शेयर मूल्य में गिरावट :** बोनस जारी होते शेयर की कीमत घट जाती है, जिससे भ्रम होता है कि वैल्यू कम हो गई है।
- **कम लाभांश :** ज्यादा शेयर होने से प्रति शेयर लाभांश घट सकता है।
- **बोनस-स्टॉक स्प्लिट में अंतर :** स्टॉक स्प्लिट में भी शेयरों की संख्या बढ़ती है, कंपनी के पूंजी में बदलाव नहीं होता।
- **अर्जनिंग पर असर नहीं :** बोनस शेयर जारी करने से कंपनी की ईपीएस घटती है, मुनाफे में परिवर्तन नहीं होता।

34 हजार लेनदारों को तरुण प्लस के तहत दिए 4,930 करोड़ : सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी

बैंकों ने मुद्रा योजना की 'तरुण प्लस' श्रेणी के तहत 34,697 लेनदारों के लिए 4,930 करोड़ से अधिक के ऋण दिए गए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां मंगलवार को राज्यसभा में दी।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत सफल उधारकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए 2024-25 में 'तरुण प्लस' श्रेणी की शुरुआत हुई। यह श्रेणी उनके लिए है, जिन्होंने 'तरुण' श्रेणी के तहत ऋण का समय पर भुगतान किया है। सीतारमण ने कहा कि 'तरुण प्लस' के तहत अधिकतम 20 लाख तक के गारंटी-मुक्त ऋण दिए जा रहे हैं। वित्त मंत्री ने बताया, पीएमएमवाई दिशा-निर्देशों के अनुसार, जून 2025 तक 'तरुण प्लस' श्रेणी के तहत 34,697 ऋण खातों को 4,930 करोड़ से अधिक की राशि दी गई है। बैंक अपनी शाखा नेटवर्क से उधारकर्ताओं तक पहुंच बना रहे हैं और ऋण स्वीकृति के बाद इकाइयों की प्रगति की निगरानी भी कर रहे हैं, जिसमें स्टॉक विवरण, खाता लेनदेन, क्रेडिट सीमा का नवीनीकरण आदि शामिल हैं।

● वित्त मंत्री बोलीं- पीएमएमवाई के तहत शुरू की गई थी योजना

वृद्धि दर 6.4-6.7% रहने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

परामर्श समेत अन्य सेवाएं देने वाली कंपनी डेलॉयट इंडिया ने मंगलवार को कहा कि मजबूत घरेलू बुनियाद और बढ़ते वैश्विक अवसरों के साथ चालू वित्त वर्ष (2025-26) में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.4 से 6.7% रहने का अनुमान है। हालांकि, इसने यह भी कहा कि भारत को अपने व्यापार जोखिम पर नजर रखनी चाहिए और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं से उत्पन्न नतीजों के लिए तैयार रहना चाहिए।

डेलॉयट इंडिया के अनुसार, रणनीतिक व्यापार वार्ताएं आय, रोजगार, बाजार पहुंच और घरेलू मांग को बढ़ाने वाले शक्तिशाली कारकों के रूप में काम करेंगी। इन वार्ताओं में ब्रिटेन के साथ हुए व्यापार समझौते के अलावा अमेरिका के साथ जारी

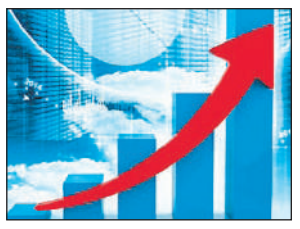

● डेलॉयट इंडिया ने मजबूत घरेलू बुनियाद व बढ़ते वैश्विक अवसरों के साथ जारी की रिपोर्ट

बातचीत और वर्ष के अंत तक यूरोपीय संघ के साथ बहुप्रतीक्षित समझौता शामिल हैं। भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2024-25 में 6.5% रही थी।

डेलॉयट ने कहा कि 2025-26 के लिए 6.4 से 6.7% की आर्थिक वृद्धि का अनुमान है। यह अनुमान मजबूत घरेलू मांग, कम होती महंगाई और घरेलू नीति व वैश्विक व्यापार कूटनीति में साहसिक कदम पर आधारित है। डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा, भारत की आर्थिक वृद्धि उतार-चढ़ाव वाले वैश्विक परिदृश्य में भी अलग ही नजर आती है। हमारी गति मजबूत पूंजी बाजार, गतिशील उपभोक्ता आधार और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी कार्यबल के जरिये संचालित है।

परामर्श कंपनी ने कहा कि भारत अपनी वैश्विक व्यापार उपस्थिति का विस्तार करने के लिए रणनीतिक कदम उठा रहा है। हाल के व्यापार समझौते रणनीतिक लाभ प्रदान करते हैं। इससे कृत्रिम मेधा, डिजिटल बदलाव और नवोन्मेष आधारित स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग और प्रगाढ़ होने की संभावना है। क्षेत्रीय संघर्ष और महत्वपूर्ण खनिजों और विशिष्ट उर्वरकों पर प्रतिबंधों से वृद्धि संभावनाओं पर असर पड़ने की आशंका है।

उन्नति की ओर | निर्यातक राज्यों की सूची में उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना भी शामिल

शीर्ष निर्यातक राज्य गुजरात, महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी

गुजरात ने बीते वित्त वर्ष 2024-25 में देश के शीर्ष निर्यातक राज्य के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी है। कुल 9.83 लाख करोड़ रुपये के निर्यात के साथ देश के कुल निर्यात में गुजरात की 26.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो ने मंगलवार यह जानकारी दी।

पिछले वर्ष की तुलना में मामूली गिरावट के बावजूद, गुजरात का निर्यात अन्य सभी राज्यों से काफी आगे रहा। यह दूसरे स्थान पर रहने वाले राज्य महाराष्ट्र (5,57,271 करोड़ रुपये) से लगभग 4.3 लाख करोड़ रुपये अधिक है। फियो के

● निर्यातकों के निकाय फियो ने कहा- देश के कुल निर्यात में गुजरात की 26.6% हिस्सेदारी

अनुसार, महाराष्ट्र के बाद तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का स्थान है। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने कहा कि गुजरात ने 2024-25 में, देश के शीर्ष निर्यातक राज्य के रूप में अपनी अग्रणी स्थिति फिर से स्थापित की है। फियो के अनुसार, गुजरात से होने वाले निर्यात में कुछ जिलों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। इसमें जामनगर 3.63 लाख करोड़ रुपये के साथ अगुवा बना हुआ है। इसका मुख्य कारण पेट्रोलियम और रिफाइनरी निर्यात है। जामनगर राज्य के कुल निर्यात में एक-तिहाई से अधिक का योगदान देता है।

राज्य से निर्यात की जाने वाली शीर्ष पांच वस्तुएं पेट्रोलियम उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, कार्बनिक रसायन, औषधि और इंजीनियरिंग वस्तुएं (मशीनरी) हैं। उत्तर प्रदेश का 2024-25 में देश के कुल 37.02 लाख करोड़ रुपये के निर्यात में 1.86 लाख करोड़ रुपये का योगदान रहा। यह देश के कुल निर्यात का पांच प्रतिशत है। यह उत्तर प्रदेश को देश के निर्यात परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण राज्य के रूप में स्थापित करता है।

अमेजन के साथ समझौता करेगा फियो

नई दिल्ली। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो ने कहा कि वह घरेलू निर्यातकों को सीमापार व्यापार के माध्यम से विदेशी बाजारों तक पहुंचने में सहायता करने के लिए वैश्विक ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करेगा। भारतीय निर्यात संगठनों का महासंघ (फियो) ने कहा कि ई-कॉमर्स को लेकर परामर्श कार्यक्रम भी होगा। इसमें प्रमुख मुद्दों, चुनौतियों और भारत से ई-कॉमर्स निर्यात के लिए अनुकूल परिवेश को बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया जाएगा। निर्यातकों के शीर्ष संगठन ने कहा, सीमापार व्यापार के माध्यम से वैश्विक बाजारों तक पहुंचने में भारतीय निर्यातकों की सहायता के इरादे से फियो प्रमुख वैश्विक ई-कॉमर्स मंच अमेजन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर छह अगस्त को हस्ताक्षर करेगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

कुलगाम में आतंकियों से मुठभेड़ 5वें दिन भी जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवाद विरोधी अभियान मंगलवार को पांचवें दिन भी जारी रहा तथा सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में शामिल आतंकवादियों पर अपना शिकंजा कस दिया है। अधिकारियों ने अखल इलाके में कड़ी घेराबंदी के बाद मंगलवार को कुछ ग्रामीणों को वहां से निकाला, जिन्हें चिकित्सा सहायता की जरूरत थी। एक अधिकारी ने बताया, मुठभेड़ पांचवें दिन भी जारी है और रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। सुरक्षा बल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टर सहित सभी साधनों का उपयोग कर रहे हैं।

रोजगार आंकड़े जारी करने पर अफसर बर्खास्त

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जुलाई में रोजगार संबंधी आंकड़े जारी होने के बाद श्रम सांख्यिकी ब्यूरो के निदेशक को बर्खास्त कर दिया। अमेरिका में नौकरियों संबंधी मासिक आंकड़ों पर शेयर बाजार के निवेशकों और अर्थशास्त्रियों की पहले से ही नजर रहती है लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस रिपोर्ट की निगरानी करने वाले अधिकारी को शुक्रवार को बर्खास्त किए जाने के बाद ये आंकड़े विशेष रूप से ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। ट्रंप ने दावा किया कि उन्हें और रिपब्लिकन पार्टी के अन्य नेताओं को खराब दिखाने के लिए जून के रोजगार संबंधी आंकड़ों में हेरफेर किया गया था।

संदीप आर्य भूटान में भारत के नए राजदूत

नई दिल्ली। संदीप आर्य को भूटान में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक वक्तव्य जारी कर यह जानकारी दी। श्री आर्य भारतीय विदेश सेवा के 1994 बैच के अधिकारी हैं। वह अभी वियतनाम में भारत के राजदूत हैं। उन्हें वर्ष 2022 में वियतनाम का राजदूत नियुक्त किया गया था। श्री आर्य को श्री सुधाकर दलेला की जगह यह जिम्मेदारी दी गयी है। मंत्रालय के अनुसार श्री आर्य के शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है।

ब्राजील अमेरिकी टैरिफ को देगा चुनौती

ब्रासीलिया। ब्राज़ील विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में नए लगाए गए अमेरिकी आयात शुल्क को औपचारिक रूप से चुनौती देने की तैयारी कर रहा है, साथ ही बातचीत के रास्ते भी खुले रखे हुए है। ब्राजील के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा बुधवार से लागू होने वाले कॉफी, बीफ और पेट्रोकेमिकल्स सहित ब्राजील के कई वस्तुओं के निर्यातों पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा के बाद आया है।

पश्चिमी देशों को क्यों रास आता है

दुनिया में तेल का खेल

तेल जिसे ब्लैक गोल्ड भी कहा जाता है, वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है। यह पूरी दुनिया के लिए एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा है, जिसमें तमाम देशों के राजनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हित शामिल हैं। रूसी तेल के आयात को लेकर भारत और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव का यही एक बड़ा कारण है। दुनिया की ऊर्जा पर निर्भरता, तेल आधारित महंगाई और बाजार नियंत्रण के साथ राजनीतिक दबाव का प्रमुख जरिया होने के कारण ही अमेरिका समेत पश्चिमी देश तेल के कारोबार पर अपना नियंत्रण चाहते हैं और इसके लिए आर्थिक प्रतिबंधों और निर्यात बाधित करने जैसी रणनीति का इस्तेमाल करते हैं।

तेल का महत्व

- **आर्थिक :** तेल सबसे बड़ी कमोडिटी है और इसका उपयोग परिवहन, विनिर्माण, और बिजली उत्पादन सहित कई उद्योगों में किया जाता है।
- **राजनीतिक :** तेल भंडार वाले देशों का वैश्विक राजनीति में महत्वपूर्ण प्रभाव होता है, तेल की कीमतें अक्सर देशों के बीच तनाव और सहयोग का कारण बनती हैं।
- **भू-राजनीतिक :** तेल की उपलब्धता और पहुंच अक्सर देशों के बीच संघर्ष और सहयोग का कारण बनती है, खासकर मध्य पूर्व और अन्य तेल समृद्ध क्षेत्रों में।

प्रमुख तेल उत्पादक

- वेनेजुएला, सऊदी अरब, कनाडा, ईरान और इराक जैसे देश सबसे बड़े तेल भंडार हैं और तेल की कीमतों को प्रभावित करने में भूमिका निभाते हैं।

पश्चिमी देशों का रुख

- अमेरिका समेत पश्चिमी देश अर्थव्यवस्था, राजनीतिक दबाव और महंगाई पर नियंत्रण के लिए दुनिया भर में तेल के कारोबार को नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं।
- अमेरिका जैसे देशों का विपरीत परिस्थितियों में अपने विशाल तेल भंडार खोलकर पूरी दुनिया में तेल कीमतों को नियंत्रित करने का पुराना हथकंडा है।
- प्रतिबंध और निर्यात नियंत्रण का भी इस्तेमाल किया जाता है। रूस-ईरान जैसे देशों पर आर्थिक प्रतिबंध लगाकर उनका तेल निर्यात सीमित किया गया है।

रूस की ताकत बना तेल

- रूस की बजट आमदनी का 40% से अधिक हिस्सा तेल और गैस से आता है। युद्ध के समय यह आय हथियारों और सेना के खर्च में लगाई जा रही है।
- यूरोप द्वारा प्रतिबंध लगाने के बाद रूस ने भारत, चीन, तुर्किए जैसे देशों को रियायती दर पर तेल बेचना शुरू किया जिससे उसकी आय बरकरार रही।
- कई देशों की ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए पूरी तरह रूस से रिश्ता नहीं तोड़ सके जैसे जर्मनी और हंगरी यूक्रेन से युद्ध की शुरुआत में।

ओपेक

ऑर्गेनाइजेशन ऑफ द पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (ओपेक) तेल उत्पादक देशों का संगठन है जिसमें 13 देश शामिल हैं। ये दुनिया के तेल उत्पादन का लगभग 40% हिस्सा नियंत्रित करता है और तेल की कीमतों को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

तेल ने बनाया अर्थशक्ति

सबसे बड़े तेल निर्यातक सऊदी अरब ने अपने सॉवरेन वेल्थ फंड में अरबों डॉलर का निवेश किया है। यूएई ने तेल के पैसे से दुबई और अबूधाबी को वैश्विक आर्थिक हब में बदल दिया। कुवैत-कतर जैसे छोटे देश प्रति व्यक्ति आय में उच्चस्तर पर है और कई सामाजिक कल्याण कार्यक्रम भी चला रहे हैं। नॉर्वे दुनिया का सबसे बड़ा पेंशन फंड बनाया है।

अमेरिका में विदेशी पर्यटकों को 15000 डॉलर का देना होगा बांड

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- **वीजा अवधि से ज्यादा समय तक रुकने वालों के लिए बना नियम**

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन एक प्रायोगिक कार्यक्रम लागू कर रहा है जिसके तहत पर्यटक या व्यावसायिक वीजा पर अमेरिका आने वाले विदेशी आगंतुकों को 15,000 अमेरिकी डॉलर तक का बांड भरना पड़ेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे अपनी वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी देश में न रुकें।

अमेरिकी विदेश विभाग ने एक 'अस्थायी अंतिम नियम' जारी किया है जिसके तहत 12 महीने का वीजा बांड प्रायोगिक कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि व्यवसाय या पर्यटन के वास्ते अमेरिका आने के लिए बी-1/बी-2 वीजा का आवेदन करने वाले विदेशियों को 15,000 अमेरिकी डॉलर तक का बांड भरना पड़ सकता है।

मंत्रालय ने कहा, व्यापार या मौज मस्ती के लिए अस्थाई आगंतुक के रूप में वीजा आवेदक और मंत्रालय द्वारा चिह्नित ऐसे विदेशी जिनका वीजा अवधि से अधिक दिन ठहरने का इतिहास रहा है, अथवा निवेश के जरिए नागरिकता की पेशकश करने वाले व्यक्ति और ऐसे विदेशी जिन्होंने बिना आवश्यकता के नागरिकता प्राप्त की हो, वे इस प्रायोगिक कार्यक्रम के अधीन हो सकते हैं। इस कार्यक्रम के दायरे में आने वाले देशों की घोषणा अभी नहीं की गई है।

आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर भारत-फिलीपींस सहमत

मोदी ने कहा- भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की, जब दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाते हुए अपने सशस्त्र बलों के बीच तालमेल बढ़ाने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी और फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर के बीच यहां संपन्न द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने की घोषणा की। इससे एक दिन पहले दोनों देशों की नौसेनाओं ने फिलीपींस तट पर संयुक्त अभ्यास किया था।

मोदी ने मार्कोस की मौजूदगी में कहा, भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं। हिंद महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तक, हम साझा मूल्यों के तहत एकजुट हैं। हमारी दोस्ती केवल अतीत की साझेदारी नहीं है, यह भविष्य के लिए एक वादा है। मोदी ने कहा, यह खुशी की बात है कि आज हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला लिया है। इस साझेदारी की संभावनाओं को नतीजों में बदलने के लिए एक व्यापक कार्य योजना भी तैयार की गई है। भारत और फिलीपींस दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इस अवसर पर मोदी और मार्कोस ने एक डाक टिकट जारी किया।

प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में भारत-फिलीपींस के बीच नौ समझौतों पर हुए हस्ताक्षर।

दोनों देशों ने किए नौ समझौतों पर हस्ताक्षर

भारत और फिलीपींस ने नौ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें रणनीतिक साझेदारी की घोषणा एवं कार्यान्वयन, दोनों देशों की सेना, वायु सेना और नौसेना के बीच वार्ता के लिए संदर्भ की शर्तें तथा बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण इस्तेमाल पर सहयोग शामिल है। मोदी ने कहा कि फिलीपींस भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' और 'महासागर' (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र उन्नति) दृष्टिकोण में एक अहम साझेदार है। उन्होंने कहा, हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, समृद्धि और नियम-आधारित व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं।

- मोदी ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े होने के लिए फिलीपींस सरकार का आभार जताया। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा संबंध गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक हैं।

फिलीपींस में त्वरित परियोजनाओं की संख्या बढ़ाएगा भारत

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास साझेदारी के तहत भारत फिलीपीन में त्वरित प्रभाव परियोजनाओं की संख्या बढ़ाएगा और संप्रभु डेटा क्लाउड अवसंरचना के विकास में भी सहयोग करेगा। उन्होंने कहा, आज जब फिलीपींस के राष्ट्रपति भारत में हैं, तब भारतीय नौसेना के तीन जहाज पहली बार फिलीपींस में किसी नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है और तीन अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। उन्होंने कहा, व्यापार संबंधों को और मजबूत करने के लिए, भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौते की जल्द समीक्षा हमारी प्राथमिकता है। हमने द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में काम करने का भी फैसला लिया है। मोदी ने कहा कि भारतीय कंपनियां सूचना एवं डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, ऑटोमोबाइल, बुनियादी ढांचे और खनिज क्षेत्रों में सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, विषाणु विज्ञान से लेकर एआई और 'एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग' (3-डी प्रिंटिंग) तक, संयुक्त अनुसंधान किए जा रहे हैं।

बांके बिहारी मंदिर का बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करना अध्यादेश का उद्देश्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- **हाईकोर्ट के जज ने दीवानी विवाद में आपराधिक समन रखा था कायम**
- **सेवानिवृत्ति तक कायम रहेगी रोक पीठ में वरिष्ठ जज के साथ बैठेंगे**

उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्चतम न्यायालय से मंगलवार को कहा कि बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट के लिए अध्यादेश लाने का उसका उद्देश्य मथुरा के वृंदावन स्थित धार्मिक स्थल का बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करना है। न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार को झटका देते हुए सोमवार को कहा था कि वह श्रद्धालुओं के लाभ के लिए वृंदावन में श्री बांके बिहारी मंदिर गलियारा विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को 15 मई को दी गई मंजूरी को स्थगित रखेगा, क्योंकि इसमें मुख्य हितधारकों की बात नहीं सुनी गई।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राज्य सरकार द्वारा गुप्त तरीके से अदालत पहुंचने के दृष्टिकोण की निंदा की थी और प्राचीन मंदिर का प्रबंधन अपने हाथ में लेने के लिए उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 लाने की जल्दबाजी पर सवाल उठाया था। पीठ के समक्ष पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने कहा कि 2025 के अध्यादेश का मंदिर प्रशासन के स्वामित्व के लंबित मुकदमे से कोई लेना-देना नहीं है। मंदिर के बेहतर प्रशासन के लिए उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई थी और निर्देश पारित किए गए थे। कहा कि अध्यादेश मंदिर के बेहतर प्रशासन के लिए जारी किया गया था, जहां हर हफ्ते लगभग दो-तीन लाख श्रद्धालु आते हैं। इसके बाद पीठ ने नटराज से कहा कि उनकी दलीलें अच्छी हो सकती हैं, लेकिन यह तब दी जा सकती हैं जब अध्यादेश को चुनौती देने का मामला उच्च न्यायालय में भेज दिया जाए।

राज्य सरकार का प्रस्ताव पीठ को सौंपा

नटराज ने राज्य सरकार का प्रस्ताव पीठ को सौंपा जिसकी समीक्षा करने पर पाया गया कि यह 4 अगस्त को अदालत द्वारा दिए गए सुझाव के समान ही है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ से आग्रह किया कि उन्हें मंदिर के प्रशासन के मुद्दे पर आठ अगस्त तक प्रस्ताव और सुझाव देने की अनुमति दी जाए। याचिकाकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 की वैधता को चुनौती दी है। पीठ ने मामले की सुनवाई 8 अगस्त के लिए स्थगित कर दी तथा याचिकाकर्ताओं को इस मुद्दे पर अपने सुझाव देने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने 15 मई को श्री बांके बिहारी मंदिर गलियारे को विकसित करने की उग्र सरकार की योजना का मार्ग प्रशस्त कर दिया था। कोर्ट ने सरकार की उस याचिका को स्वीकार कर लिया था जिसमें कहा गया था कि श्री बांके बिहारी मंदिर की निधि का इस्तेमाल केवल मंदिर के आसपास पांच एकड़ भूमि खरीदने और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बनाये गये निरुद्ध क्षेत्र (होल्डिंग एरिया) बनाने के लिए किया जाए।

दोषी एमपी-एमएलए पर ताउम्र पाबंदी पर होगी सुप्रीम सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

- **वृहद पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने पर सीजेआई करेंगे फैसला**

आपराधिक मामलों में दोषी सांसदों और विधानसभा सदस्यों को स्थाई रूप से अयोग्य घोषित करने की मांग एक याचिका पर वृहद पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने पर फैसले के लिए सीजेआई बीआर गवई के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने मंगलवार को इस मामले का उल्लेख किया और शीघ्र सुनवाई का आग्रह किया। अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर यह जनहित याचिका, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देती है, जो वर्तमान में दोषी विधायकों को सजा पूरी करने के बाद केवल छह साल तक चुनाव लड़ने से रोकती है।

पीठ ने मामले की तात्कालिकता को स्वीकार किया और निर्देश दिया कि मामले को आगे के निर्देशों के लिए सीजेआई के समक्ष रखा जाए। इस याचिका पर अंतिम सुनवाई 20 अक्टूबर को होने की उम्मीद है।

केंद्र सरकार जता चुकी है विरोध

फरवरी 2025 में केंद्र सरकार ने इस याचिका का विरोध करते हुए तर्क दिया कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की आजीवन अयोग्यता संसद के अधिकार क्षेत्र का मामला है, न्यायपालिका को इस पर निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। केंद्र ने जबाव में कहा कि कोर्ट न्यायिक समीक्षा के अधिकार के तहत किसी प्रावधान को असंवैधानिक घोषित कर सकता है, लेकिन याची द्वारा सुझाए गए छह वर्ष के स्थान पर आजीवन शब्द का प्रयोग करने के लिए कानून को फिर से नहीं लिख सकता।

ब्राजील : पूर्व राष्ट्रपति जेयर को नजरबंद करने का आदेश

ब्रासीलिया। ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को नजरबंद करने का आदेश दिया है। श्री बोल्सोनारों पर 2022 के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को पलटने की कथित साजिश रचने के आरोप में मुकदमा चल रहा है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस ने सोमवार को यह आदेश जारी करते हुए कहा कि बोल्सोनारो अदालत की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों का पालन करने में पूरी तरह से विफल रहे हैं, जिसमें सोशल मीडिया और मोबाइल फोन का उपयोग भी शामिल है। न्यायाधीश ने कहा कि बोल्सोनारो ने अन्य यूजर्स के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट के लिए भाषण रिकॉर्ड किए थे। यह तीसरे पक्ष के सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए साक्षात्कारों या सार्वजनिक या निजी भाषणों के दुरुपयोग पर रोक लगाने वाले आदेश का उल्लंघन है।

पलटवार: भारतीय सेना ने अमेरिका के चेहरे से मुखौटा उतारा

यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देने के ट्रंप के आरोपों के बाद पाकिस्तान को हथियार देने वाली पुरानी खबर साझा की

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर अमेरिका की ओर से भारत की आलोचना और यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देने के आरोपों के बीच भारतीय सेना ने मंगलवार को अगस्त 1971 की एक समाचार क्लिप साझा की, जिसमें 1954 से पाकिस्तान को हथियार देने में अमेरिका की भूमिका को उजागर किया गया है। यह समाचार क्लिप सेना की पूर्वी कमान द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में साझा की गई।

पोस्ट में हैशटैग भारतीयसेना, पूर्वीकमान, विजयवर्ष, 'लिबरेशन ऑफ बांग्लादेश' और 'मीडिया हाइलाइट्स' के साथ ही इसमें नोफैक्ट्स (तथ्यजानें) हैशटैग के साथ 'इस दिन उस वर्ष' युद्ध की तैयारी - 05 अगस्त 1971 का भी उल्लेख किया गया है। यह समाचार 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध से कुछ महीने पहले प्रकाशित हुआ था। युद्ध के परिणामस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण हुआ था। इस खबर में तत्कालीन समय से पिछले लगभग दो दशकों में पाकिस्तान को हथियार मुहैया कराने में अमेरिका की भूमिका के बारे में बताया गया था। इसका शीर्षक था, 'यूएस आर्म्स वर्थ डॉलर2 बिलियन शिप्ड टू पाकिस्तान सिंस 54' यानी '1954 से अब तक दो अरब डॉलर मूल्य के अमेरिकी हथियार पाकिस्तान भेजे गए हैं।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर और अधिक शुल्क लगाने की धमकी देने के कुछ ही घंटे बाद विदेश मंत्रालय ने मॉस्को के साथ नयी दिल्ली के ऊर्जा संबंधों की आलोचना को खारिज करते हुए एक बयान जारी किया था। आलोचना को दृढ़ता से खारिज करते हुए भारत ने इस मुद्दे पर उसे निशाना बनाने में दोहरे मापदंड की ओर इशारा किया और कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ दोनों ही रूस के साथ अपने व्यापारिक संबंध जारी रखे हुए हैं।

- **1954 से 1971 तक अमेरिका ने पाकिस्तान को की थी दो अरब डॉलर के हथियारों की सप्लाई**

तत्कालीन रक्षामंत्री ने खोली थी पोल

खबर में तत्कालीन रक्षा उत्पादन मंत्री वीसी शुक्ला का हवाला दिया गया है, जिन्होंने उस अवधि के दौरान आपूर्ति किए गए हथियारों के अनुमानित मूल्य के बारे में राज्यसभा को बताया था। सोशल मीडिया पर यह पोस्ट नई दिल्ली द्वारा रूस से कच्चा तेल खरीदने पर वाशिंगटन की बढ़ती आलोचना के बीच आया है। भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए नई दिल्ली को अनुचित और अविवेकपूर्ण' तरीके से निशाना बनाने को लेकर सोमवार को अमेरिका और यूरोपीय संघ पर जोरदार पलटवार किया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 अगस्त, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 13.12 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

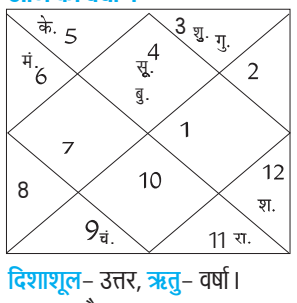

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल और ताराबल
ताराबलअश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती, चन्द्रबलमिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुम्भ, मीन

मेष आज आपके कामकाज की सराहना होगी। आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको कामयाबी मिलेगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आर्थिक दृष्टि से भी दिन उत्तम है। निवेश के लिए नए अवसर मिल सकते हैं।

वृष आपके लिए आज का दिन थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। आप संयम से काम लें। घर में किसी मुद्दे पर वाद-विवाद संभव है। कार्यक्षेत्र में विरोधियों से सतर्क रहना होगा। पैसों की लेन-देन में सावधानी बरतने की जरूरत है। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही से बचें।

मिथुन आज के दिन आप नई योजनाओं की शुरुआत कर सकते हैं। शिक्षा और प्रतियोगिता या नौकरी से संबंधित अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। घर में खुशी का माहौल रहेगा और परवार के लोगों से सहयोग मिलेगा। रुके हुए पुराने पूरे हो सकते हैं।

कर्क आज का दिन मानसिक रूप से कुछ उतार-चढ़ाव वाला है। किसी पुराने दोस्त से गलतफहमी हो सकती है। व्यावसायिक क्षेत्र में नए अनुबंध मिलने की उम्मीद है। स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और खान-पान का समय दुरुस्त रखें। दाम्पत्य जीवन में सामंजस्य बना रहेगा।

सिंह आजका दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। नेतृत्व क्षमता का लाभ मिलेगा और लोग आपके सुझावों को अहमितयत देंगे। साझेदारी में किया गया काम सफल रहेगा। आपको समाज में मान-सम्मान मिलेगा।

कन्या आज आप रचनात्मक और योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, लेकिन स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। पेट संबंधी समस्याएं आज उभर सकती हैं।

तुला आपका आज का दिन भाग्यशाली है। किसी खास आदमी से मुलाकात फायदा पहुंचाएगी। संतान से जुड़ी कोई खुशखबरी आपको मिल सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और धन का आगमन होगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल बढ़ेगा।

वृश्चिक आपको अपनी योजनाओं को लेकर गोपनीयता बरतने की जरूरत है। करियर में कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले सोच-विचार जरूर कर लें। आज घर का माहौल तनावपूर्ण हो सकता है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। मानसिक शांति के लिए ध्यान का सहारा लें।

धनु आजका दिन आपके लिए विशेष है। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति के संकेत मिलेंगे। आपकी निर्णय क्षमता मजबूत रहेगी और लोग आपसे प्रभावित होंगे। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मकर आपको धैर्य और समझदारी से आज आगे बढ़ना होगा। आपके कार्यों में कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन मेहनत से आप उन्हें पार कर लेंगे। आर्थिक मामलों में संयम रखने की जरूरत है। आज अनावश्यक खर्चों से बचें।

कुंभ आपके विचारों में आज सकारात्मकता रहेगी। योजनाओं पर गंभीरता से काम करें तो सफलता जरूर मिलेगी। आपकी आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन निवेश सोच-समझकर ही करें। घर में बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है।

मीन आपका आज का दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। निजी और पेशेवर जीवन में संतुलन बनाना आपके लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। परिवार के साथ समय बिताने से मन को शांति मिलेगी।

सुडोकू-61

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			6			5		
3	8				2		7	
			4		7			1
8				5		1		
1								9
		2		7				6
6			3		9			
	1		2				3	8
		4			8			

सुडोकू - 60 का हल

4	2	7	6	8	1	5	9	3
3	8	1	5	9	2	6	7	4
9	6	5	4	3	7	2	8	1
8	4	3	9	5	6	1	2	7
1	7	6	8	2	4	3	5	9
5	9	2	1	7	3	8	4	6
6	5	8	3	4	9	7	1	2
7	1	9	2	6	5	4	3	8
2	3	4	7	1	8	9	6	5

जब आप अपने देश के लिए खेल रहे हों, तो दर्द और तकलीफों को भूल जाइए। क्या आपको लगता है कि सीमा पर जवान ठंड की शिकायत करते होंगे। ऋषभ पंत ने आपको क्या दिखाया? भारत के लिए क्रिकेट खेलना सम्मान की बात है। **- सुनील गावस्कर**

स्टेडियम

लखनऊ, बुधवार, 6 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

थके भारतीय खिलाड़ी समूहों में स्वदेश रवाना

लंदन : ओवल में सीरीज बराबर करने वाली ऐतिहासिक जीत के बाद बड़े जश्न की उम्मीद थी लेकिन भारतीय टीम के सदस्यों ने मंगलवार सुबह स्वदेश के लिए रवाना होने से पहले शांति से समय बिताने का फैसला किया। मोहम्मद सिराज सहित भारतीय टीम के कई सदस्य लंबी और थकाऊ सीरीज के पांचवें और अंतिम टेस्ट में नाटकीय जीत के 24 घंटे से भी कम समय बाद एमिरेट्स की उड़ान से रवाना हुए। टीम के सदस्य मंगलवार शाम को दुबई पहुंचेंगे और फिर भारत में अपने-अपने गृहनगरों के लिए उड़ान भरेंगे। अंतिम टेस्ट में जीत के सूत्रधार सिराज दुबई पहुंचने के बाद हैदराबाद के लिए अगली उपलब्ध उड़ान लेंगे। अर्शदीप सिंह और शारदुल ठाकुर भी स्वदेश लौटने वालों में शामिल हैं। कुछ ने इंग्लैंड में ही रुकने का फैसला किया है।

एशिया कप टीम में चुने जा सकते हैं गिल

नई दिल्ली : शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन भारत की एशिया कप टीम में चयन की दौड़ में हैं जिसे अगस्त के तीसरे सप्ताह में चुने जाने की उम्मीद है। जायसवाल और टेस्ट कप्तान गिल व्यस्त कार्यक्रम के कारण पिछले कुछ टी20 मैचों में नहीं खेले हैं लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के बाद एक महीने के आराम के कारण वे इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने सभी विकल्प खुले रखे हैं।

मुक्केबाजी चैंपियनशिप ग्रेटर नोएडा में कल से

नई दिल्ली : भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने मंगलवार को कहा कि ग्रेटर नोएडा में सात से 13 अगस्त तक होने वाली सब-जूनियर (अंडर-15) राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 400 लड़के और 300 लड़कियों सहित 700 से अधिक मुक्केबाज भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन 15 भार वर्ग में किया जाएगा। हरियाणा लड़कियों के वर्ग में जबकि चंडीगढ़ लड़कों के वर्ग में गत विजेता है।

कनाडाई मबोको सेमीफाइनल में

मॉन्ट्रियल : कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को हराने के दो दिन बाद टोरंटो की रहने वाली 18 वर्षीय खिलाड़ी मबोको को लय हासिल करने में देर लगी लेकिन उन्होंने जल्द ही मैच पर नियंत्रण बना दिया और सीधे सेट में जीत दर्ज की। मबोको 2019 में बियांका के खिताब जीतने के बाद से इस डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली कनाडा की पहली खिलाड़ी हैं।

शीर्ष वरीयता प्राप्त ज्वेरेव अंतिम चार में

टोरंटो : शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जर्मन खिलाड़ी और यहां 2017 के चैंपियन ज्वेरेव ने पिछली बार के विजेता पोपिरिन को 6-7 (8), 6-4, 6-3 से पराजित किया। सेमीफाइनल में मुकाबला रूस के कारेन या अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन से होगा।

सब-जूनियर तैराकी में कर्नाटक चैंपियन

बेंगलुरु : कर्नाटक 41वीं सब जूनियर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में मंगलवार को यहां 104 अंक के साथ चैंपियन बना। मणिपुर 81 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। राज्य के तैराक कोइजाम अथोइबा सिंह को 28 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ पुरुष तैराक चुना गया। गोव की पूर्वी रितेश नाईक 19 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ महिला तैराक रहीं। अथोइबा ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 58.59 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि लड़कियों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में पूर्वी ने एक मिनट 4.40 सेकेंड के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

परिवर्तन के दौर की पहली परीक्षा में सफल रही भारतीय टीम

शुभमन गिल की अगुवाई वाली युवा टीम ने उम्मीद से बढ़कर किया प्रदर्शन, पूरी श्रृंखला रही रोमांचक

लंदन, एजेंसी

शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय युवा टीम जब लगभग दो महीने पहले इंग्लैंड पहुंची थी तो कुछ प्रमुख सीनियर खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में उससे ज्यादा उम्मीद नहीं की जा रही थी, लेकिन इस टीम ने पांचों टेस्ट मैच में न सिर्फ उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन किया, बल्कि भविष्य के लिए एक बेहतरीन खाका भी पेश किया।

विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने और मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के केवल तीन मैच के लिए उपलब्ध रहने के कारण भारतीय टीम से बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं लगाई जा रही थी, लेकिन वह परिवर्तन के इस दौर की पहली परीक्षा में सफल रही। दोनों कप्तानों गिल और उनके प्रतिद्वंद्वी बेन स्टोक्स के शब्दों में 45 दिनों की कड़ी टक्कर के बाद 2-2 की बराबरी शायद एक उचित परिणाम है।

भारत ने दो मैच गंवाए, लीड्स में पहला मैच और लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट। इन मैच में भी भारत जीत सकता था, लेकिन यही वह सबक है जो युवा खिलाड़ियों को मिला है। भारतीय टीम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उसने किसी भी मैच में आखिर तक हार नहीं मानी और दो मैच में शानदार वापसी की। इससे टीम के जज्बे का पता चलता है। इस श्रृंखला में यह भी साबित हो गया कि भारतीय टीम का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। गिल ने श्रृंखला में चार शतक की मदद से सर्वाधिक 754 रन बनाकर आगे बढ़कर नेतृत्व किया। इससे अन्य खिलाड़ियों को भी अच्छा प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिली। अपने करियर की शुरुआत सलामी बल्लेबाज के रूप में करने वाले गिल ने बल्लेबाजी क्रम में महत्वपूर्ण चौथे नंबर पर खुद को स्थापित करके भारत की कई चिंताओं को दूर कर दिया। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज श्रृंखला के नायक बनकर उभरे। वह दोनों टीमों की ओर से सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज थे। उन्होंने ओवल में श्रृंखला का अंतिम विकेट लिया और 23 विकेट लेकर सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। कार्यभार प्रबंधन के कारण दो टेस्ट मैचों में बुमराह के नहीं खेलने का सिराज ने पूरा फायदा उठाया। विपक्षी कप्तान बेन स्टोक्स की तरह दबाव बनाए रखने के लिए कुछ अतिरिक्त ओवर फेंकने की ज़रूरत पड़ने पर अपना योगदान दिया। बुमराह की फिटनेस पर सवाल बने रहेंगे और लंबे प्रारूप में उनका भविष्य भी अनिश्चित है।

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां व अंतिम मैच जीतने के बाद जश्न मनाते भारतीय टीम के युवा खिलाड़ी। एजेंसी

बड़े मौकों पर छूटे कैच

- **लंदन :** यह सीरीज सबसे ज्यादा छूटे हुए कैचों के मामले में भी शीर्ष पर रही। कुल 41 कैच छूट गए, जो गेंद-दर-गेंद के आंकड़े उपलब्ध होने के बाद से (2018 के बाद से) किसी भी सीरीज में सबसे ज्यादा हैं। दोनों टीमों ने कैच छोड़ने की साख भी बना ली है। सबसे ज्यादा छूटे हुए कैचों के मामले में शीर्ष चार सीरीज में से तीन भारत और इंग्लैंड के बीच हैं, जिनमें से अन्य दो तब हुई थीं जब भारत ने 2021/22 (37) और 2018 (32) में इंग्लैंड का दौरा किया था। इस दौरे पर, भारत ने 23 मौके गंवाए, जो एक सीरीज में उनके लिए सबसे ज़्यादा हैं - 2018/19 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने की तुलना में सात ज्यादा।

खराब रिव्यू

- इस सीरीज में दोनों टीमों द्वारा अंपायर के फ़ैसलों को 63 बार चुनौती दी गई, जिनमें से 44 रिव्यू असफल रहे। इस तरह, 69.8% रिव्यू बर्बाद हो गए, जिससे पता चलता है कि अंपायरों ने ज्यादातर सही फैसले दिए। भारत ने 24 असफल रिव्यू लिए (जिसमें एलबीडब्ल्यू अपील पर अंपायर कॉल के फैसले शामिल हैं), जो एक सीरीज में उनके लिए तीसरे सबसे ज्यादा हैं। हालांकि, ड्रॉप कैच की तरह, 2018 के दौरे से शुरू होकर इंग्लैंड में हर सीरीज में भारत के असफल रिव्यू की संख्या भी बढ़ी है, जबकि इंग्लैंड के रिव्यू में सुधार हुआ है। गेंदबाजी करते समय एलबीडब्ल्यू फैसलों की समीक्षा करने की बात आती है, तो इन पांचों टेस्ट मैचों में दोनों टीमें मैदान पर लिए गए फैसले को केवल दो बार ही पलट सकीं।

करीबी श्रृंखलाएं : जब गेंद और बल्ले के संघर्ष व रणनीति की हुई परीक्षा

- **नई दिल्ली :** भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली गई पांच मैच की श्रृंखला 2-2 से बराबर रही, जिससे कड़े मुकाबले वाली श्रृंखलाओं की लंबी सूची में एक और चमकदार पन्ना जुड़ गया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ जबकि कोई टेस्ट श्रृंखला रोमांच के चरम पर समाप्त हुई। पीटीआई भाषा ने पिछले डेढ़ दशक में हुए कुछ यादगार मुकाबलों का संकलन किया है, जिनमें टेस्ट क्रिकेट के उतार-चढ़ाव देखे गए।

- **भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2020-21 :** संभवत: यह खेल के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ श्रृंखलाओं में से एक थी, जिसमें भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने और कुछ कड़ी चुनौतियों से पार पाकर ऑस्ट्रेलिया पर 2-1 से जीत दर्ज की। एडिलेड में 36 रन के अपने न्यूनतम स्कोर पर आउट होने से लेकर गाबा में तीन विकेट की जीत तक, कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में भारत ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को उसकी धरती पर ही धूल चटा दी।

- **भारत बनाम इंग्लैंड, 2011-12 :** अहमदाबाद में इंग्लैंड को नौ विकेट से हराने के बाद भारत चार मैचों की श्रृंखला में अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा था लेकिन केविन पीटरसन के शतक से प्रेरित होकर एलिस्टेयर कुक के नेतृत्व में इंग्लैंड ने मुंबई में भारत को 10 विकेट से हराया और फिर ईडन गार्डन्स में सात विकेट से जीत हासिल की। नागपुर में इंग्लैंड ने चौथा टेस्ट आसानी से ड्रॉ कराकर श्रृंखला 2-1 से जीत ली। जो रूट ने उस टेस्ट में पदार्पण किया था।

- **भारत बनाम श्रीलंका, 2015 :** इस श्रृंखला से ही नए कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में अगले दशक के लिए टेस्ट क्रिकेट में भारत के दमदार प्रदर्शन की शुरुआत की। गॉल में श्रीलंका ने भारत को 63 रन से हरा दिया। लेकिन भारत ने कोलंबो में अगले दो मैचों (पी सारा ओवल और एसएससी) में कोहली के कभी हार न मानने वाले रवैये को अपनाया तथा 278 और 117 रन से जीत हासिल करके श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर दी।

- **ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2016-17 :** यह दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ों के बीच की जंग थी। दक्षिण अफ्रीका के पास कगिसो रबाडा और वर्नोन फ़िलैंडर थे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पास मिशेल स्टार्क और जोश हेज़लवुड जैसे गेंदबाज़ थे। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने इस मुकाबले में बाजी मारी क्योंकि उन्होंने पर्थ और होबार्ट में अपनी टीम को जीत दिलाई जबकि ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में दिन-रात्रि टेस्ट मैच जीता था।

- **भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका 2010-11 :** यह आखिरी टेस्ट श्रृंखला थी जिसमें सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण की मशहूर तिकड़ी ने अपना प्रभाव छोड़ा था। सेंचुरियन में पारी और 25 रन से मिली करारी हार के बाद भारत ने डरबन टेस्ट में जोरदार वापसी करते हुए 85 रन से जीत हासिल की, जहां लक्ष्मण ने डेल स्टेन और मोर्ने मोर्केल की आक्रामक जोड़ी के सामने 96 रन की पारी खेली थी। केपटाउन में अंतिम टेस्ट में भारत मैच बचाने में सफल रहा।

- **न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान 2017-18 :** जैसे ही न्यूजीलैंड ने अबू धाबी में कदम रखा, पाकिस्तान की अपने मजबूत स्पिन आक्रमण के कारण 3-0 से जीत की भविष्यवाणी की जाने लगी। लेकिन कीवी टीम ने पहला टेस्ट चार रन के मामूली अंतर से जीत लिया, जबकि पाकिस्तान ने दुबई में पारी और 16 रन से जीत हासिल की। लेकिन अबू धाबी में, कीवी टीम ने ऑफ स्पिनर विलियम सोमरविले के सात विकेटों की बदौलत 123 रन से जीत हासिल की और श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली।

- **भारत बनाम इंग्लैंड 2021-22 :** यह श्रृंखला कोविड-19 महामारी के कारण खाली स्टेडियमों में खेली गई थी। नॉटिंघम में ड्रॉ के बाद लॉर्ड्स में भारत ने 151 रन से जीत हासिल की लेकिन इंग्लैंड ने लीड्स में पारी और 76 रन से जीत हासिल करके हिसाब बराबर कर दिया था। भारत ने ओवल में चौथा टेस्ट 157 रन से जीता था, लेकिन सितंबर 2021 में मेहमान टीम के सदस्यों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने के कारण दौरे को स्थगित कर दिया गया था। उस समय भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा था, लेकिन इंग्लैंड ने जुलाई 2022 में बर्मिंघम में खेले गए पांचवें टेस्ट में 378 रन से जीत हासिल करके श्रृंखला को बराबर कर दिया था।

सितारों के मर्जी से मैच चुनने पर लगाम संभव

नई दिल्ली, एजेंसी

गौतम गंभीर हमेशा से भारतीय क्रिकेट में मेगा स्टार संस्कृति के खिलाफ रहे हैं, लेकिन इंग्लैंड दौरे पर मोहम्मद सिराज के लगातार अच्छे प्रदर्शन से भारत के मुख्य कोच को अब अपने हिसाब से टीम कल्चर बनाने का मौका मिल गया है। इंग्लैंड से श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ कराने के बाद गंभीर और चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर टीम में जरूर ऐसा माहौल बनाना चाहेंगे जिसमें सभी को बराबर माना जाए। समझा जाता है कि चयन समिति, गंभीर और भारतीय क्रिकेट के आला अधिकारी कार्यभार प्रबंधन के नाम पर खिलाड़ियों के मर्जी से मैच और श्रृंखला खेलने के चलन पर रोक लगाने को लेकर एकमत हैं।

बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा इस पर बात हुई है और केंद्रीय अनुबंध प्राप्त खिलाड़ियों को बता दिया गया है, खास तौर पर उनको जो सभी प्रारूपों में नियमित खेलते हैं कि भविष्य में अपनी मर्जी से मैच चुनने का कल्चर नहीं चलेगा। उन्होंने कहा इसके यह मायने नहीं हैं कि कार्यभार प्रबंधन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा। तेज गेंदबाजों का कार्यभार प्रबंधन जरूरी है लेकिन इसकी आड़ में खिलाड़ी अहम मैचों से बाहर नहीं रह सकते। इंग्लैंड के खिलाफ मोहम्मद सिराज ने पांच टेस्ट में 185.3 ओवर डाले जिसके अलावा नेट्स पर गेंदबाजी और फील्डिंग अलग। उन्होंने फिटनेस के नये मानदंड कायम किए। सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप के प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि बड़े से बड़े सितारे भी खेल से बढ़कर नहीं हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने भी कई दिक्कतों के बावजूद चौथे टेस्ट तक काफी लंबे स्पैल डाले। इससे यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या कार्यभार प्रबंधन को अपनी सहूलियत के हिसाब से ढाल बनाया जाता है।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में जीत के बाद अपने स्टाफ सदस्यों के साथ जमकर जश्न मनाया। एजेंसी

- **कार्यभार प्रबंधन के अधिकार पर गौर कर सकता है बीसीसीआई**

उम्मीद है कि कार्यभार प्रबंधन शब्द गायब हो जाएगा : गावस्कर

- **लंदन :** भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने उम्मीद व्यक्त की कि मोहम्मद सिराज के इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद कार्यभार प्रबंधन जैसा शब्द भारतीय क्रिकेट के शब्दकोष से हमेशा के लिए गायब हो जाएगा। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ सभी पांच टेस्ट खेले और कुल 185.3 ओवर फेंके, जिसमें उन्होंने 23 विकेट लिए। दूसरी तरफ मुख्य तेज गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह केवल तीन मैचों के लिए ही उपलब्ध रहे और अपने कार्यभार प्रबंधन के तहत ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच में भी नहीं खेल पाए। गावस्कर ने स्पष्ट किया कि वह बुमराह की आलोचना नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह किसी और चीज से ज्यादा चोट प्रबंधन का मामला था। उन्होंने कहा, आप 140 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

खिलाड़ी आते-जाते रहेंगे पर टीम कल्चर में सुधार जरूरी : गंभीर

लंदन : भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऐसी मजबूत टीम संस्कृति बनाने पर जोर दिया है जिसकी नींव कड़े परिश्रम और प्रदर्शन में सुधार पर टिकी हो और जो खिलाड़ियों को आकर्षित करे, खिलाड़ी भले ही आते-जाते रहें। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में उन्होंने कहा जिस तरह से यह श्रृंखला खेली गई है, 2-2 एक बेहतरीन नतीजा है। सभी को बधाई।

उन्होंने कहा हमें बेहतर होते रहना है। हम विभिन्न पहलुओं में अपने खेल में सुधार करेंगे क्योंकि ऐसा करके ही लंबे समय तक क्रिकेट में दबदबा बना सकेंगे। लोग आते जाते रहेंगे लेकिन ड्रेसिंग रूम का कल्चर ऐसा होना चाहिए कि लोग उसका हिस्सा बनना चाहें। हम यही बनाना चाहते हैं। न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से टेस्ट श्रृंखलाओं में मिली हार के बाद भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही थी और युवा शुभमन गिल ने इंग्लैंड में कमान संभाली थी। उन्होंने कहा शुभकानायें। पूरा मजा लो। कुछ दिन का ब्रेक ले सकते हो क्योंकि आप इसके हकदार हो।

पूरी सीरीज अपनी बारी का इंतजार करते रहे स्पिनर कुलदीप यादव। एजेंसी

जस्सी भाई की कमी खली, वह होते तो खास होता : सिराज

लंदन, एजेंसी

यह जगजाहिर है कि मोहम्मद सिराज के लिए जसप्रीत बुमराह प्रेरणा स्रोत रहे हैं और हैदराबाद के इस गेंदबाज ने स्वीकार किया कि यहां इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में भारत की जीत के बाद उन्हें अपने गौरवशाली क्षणों में अपने सीनियर साथी तेज गेंदबाज की कमी खल रही थी।

सिराज ने ओवल में पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने सोमवार को रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली। सिराज ने मैच में नौ विकेट लेकर न केवल 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, बल्कि अपने प्रशंसकों से भी खूब प्रशंसा बटोरी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में भावुक सिराज ने कहा हर बल्लेबाज, हर गेंदबाज (जिसने टेस्ट खेला), उसे मैं सलाम करता हूं। जिस तरह से हमने वापसी की वह शानदार थी। मुझे जस्सी (बुमराह) भाई की याद आती है क्योंकि अगर वह वहां होते तो यह खास होता। मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है। बुमराह ने अपने कार्यभार प्रबंधन के कारण पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्हें चौथे टेस्ट मैच के बाद टीम से रिलीज कर दिया गया था। रविवार को हैरी ब्रुक का कैच छोड़ने के बाद सिराज आखिरी दिन पूरी तरह से प्रतिबद्ध नज़र आए।

बेन स्टोक्स टीम में होते तो इंग्लैंड जीत जाता : वॉन

लंदन : पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि प्रेरणादायी कप्तान बेन स्टोक्स की अनुपस्थिति में भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन इंग्लैंड की टीम ने हड़बड़ी दिखाई, जबकि उसे जीत के लिए केवल 35 रन चाहिए थे।

वॉन ने कहा बेन स्टोक्स टीम में होते, तो इंग्लैंड यह टेस्ट मैच जीत जाता। वह इस टीम में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। वह टीम को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखते हैं। वॉन ने बीबीसी के टेस्ट मैच स्पेशल में कहा उन्हें बस एक साझेदारी की ज़रूरत थी। हैरी ब्रुक के आउट होने से पारी का पतन शुरू हुआ, लेकिन इंग्लैंड का यही खेलने का तरीका है। स्टोक्स कंधे की चोट के कारण पांचवें टेस्ट में नहीं खेल पाए, जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स को आराम दिया गया। फिलहाल ये ऑस्ट्रेलिया में होने वाली सीरीज के लिए अच्छी तैयारी है।

वनडे क्रिकेट | इंग्लैंड में युवा भारतीय ब्रिगेड के धमाकेदार प्रदर्शन से सीनियर खिलाड़ियों की चुनौती बढ़ गई

कोहली और रोहित की राह हुई मुश्किल

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत का बेहद कड़े मुकाबले वाली एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में इंग्लैंड को 2-2 से बराबरी पर रोकना टीम में शामिल नए क्रिकेटरों के आत्मविश्वास और देश तथा टीम के लिए अपना सब कुछ झोंकने की निडरता का जश्न था। मोहम्मद सिराज ने लगभग 200 ओवर गेंदबाजी की और अपने थके हुए शरीर को पांच टेस्ट मैच के दौरान अच्छी तरह संभाला।

वाशिंगटन सुंदर कभी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटे। यशस्वी ने जरूरत पड़ने पर योगदान दिया, आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा प्रभावी नजर आए और साई सुदर्शन ने अपनी दीर्घकालिक उपयोगिता की झलक दिखाई। लेकिन इस शानदार प्रयास का एक और आयाम भी है।

इससे सवाल उठता है कि टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली और रोहित शर्मा तथा चोटों से जूझने वाले जसप्रीत बुमराह जैसे सीनियर खिलाड़ियों का क्या होगा। कोहली 36 और रोहित 38 साल के हैं और ये दोनों संभवतः ऑस्ट्रेलिया में तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में खेलेंगे।

विराट कोहली व रोहित शर्मा। एजेंसी

इसके बाद इन दोनों को जनवरी-जुलाई 2026 के बीच न्यूजीलैंड (स्वदेश) और इंग्लैंड (विदेश में) के खिलाफ छह एकदिवसीय मैचों में खेलने का मौका मिलेगा। लेकिन क्या ये मुकाबले 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप की उनकी तैयारी के लिए हैं? क्या यह दिग्गज जोड़ी सिर्फ एक प्रारूप और आईपीएल के दम पर इतने लंबे समय तक खेलना चाहेगी? एक सूत्र ने बताया हां, इस पर जल्द ही चर्चा होगी। अगले विश्व कप (नवंबर 2027) के लिए हमारे पास अभी भी दो साल से अधिक का समय है।

कोहली और रोहित दोनों तब तक 40 के करीब हो जाएंगे इसलिए इस बड़ी प्रतियोगिता के लिए एक स्पष्ट योजना होनी चाहिए क्योंकि हमने पिछला खिताब 2011 में जीता था। हमें समय रहते कुछ युवाओं को भी आजमाने की जरूरत है। कोहली और रोहित ने 2024 में विश्व कप जीत के साथ टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा पर दोनों का टेस्ट संन्यास काफी शांत रहा।

घरेलू मैच खेलना है जरूरी

- बीसीसीआई के मौजूदा नियमों के अनुसार कोई भी खिलाड़ी पूरी तरह से फिट होने पर घरेलू मैच नहीं छोड़ सकता है और घरेलू मुकाबले में नहीं खेलने पर उसे राष्ट्रीय टीम से बाहर किया जा सकता है। कोहली और रोहित के लिए मैच के समय की कमी है क्योंकि ये दोनों इस साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से किसी भी अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेले हैं और नवंबर में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 और उसके बाद दिसंबर में विजय हजारे ट्रॉफी से पहले सीमित ओवरों के क्रिकेट की कोई घरेलू प्रतियोगिता भी नहीं है। हालांकि कोहली और रोहित को उनके कद को देखते हुए घरेलू प्रतियोगिताओं में खेलने से छूट मिल सकती है।